ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

उत्तरी कर्नाटक में भारी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | रविवार, 28 सितंबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु.| वर्ष-7 | अंक-267

सरकार की शानदार शोशेबाजी बनाम बीमार स्वास्थ्य सेवा

इलाज बिना बेमौत मर रहा स्वास्थ्य का अधिकार!

कुछ ही महीने पहले की बात है। 20 जून को उत्तर प्रदेश के हापुड़ में एक निजी अस्पताल द्वारा इलाज करने से इन्कार करने के बाद पांच साल की एक बच्ची की मौत हो गई। दिहाड़ी मजदूर माता-पिता ने दावा किया कि ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि वे अपनी बेटी के इलाज के लिए मांगे गए 20,000 रुपए तुरंत नहीं दे पाए। इसी तरह जनवरी में बेंगलुरु में गैस्ट्रिक कैंसर से पीड़ित 72 वर्षीय एक व्यक्ति ने आत्महत्या कर ली, क्योंकि उन्हें सरकार की आयुष्मान भारत योजना के तहत स्वास्थ्य बीमा नहीं मिला। इस तरह के उदाहरण अनगिनत हैं और भरे पड़े हैं, लेकिन केंद्र से लेकर राज्य सरकारें तक स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर किस्म-किस्म के ढोल बजाती रहती हैं।

पैसे के अभाव में इलाज नहीं होने के कारण मरने वालों की संख्या और घटनाएं स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच में बढ़ती बाधा के भयावह पैटर्न का हिस्सा हैं। जहां आम मरीजों को हाशिए पर धकेला जा रहा है और भुगतान न कर पाने के कारण उन्हें जीवन रक्षक देखभाल से वंचित किया जा रहा है। 1989 में सर्वोच्च न्यायालय (सुप्रीम कोर्ट) ने चिकित्सा देखभाल के अधिकार को सम्मान के साथ जीने के अधिकार से अविभाज्य माना, जिसका अर्थ है कि स्वास्थ्य सेवा से वंचित करना एक संवैधानिक विश्वासघात और एक गंभीर नैतिक विफलता है।

शुभ-लाभ सरोकार

जब स्वास्थ्य को अधिकार के बजाय एक वस्तु माना जाता है, तो जांचों या दवाओं का भुगतान भी एक परिवार को भारी कर्ज में धकेल देता है। इसी का परिणाम है इलाज में देरी, बचत का खत्म होना, गहने बिक जाना और जमीन गिरवी रखना। ऐसे

देश में जहां स्वास्थ्य सेवा पर लगभग आधा खर्च सरकारी कार्यक्रमों या बीमा द्वारा वहन किए जाने के बजाय जेब से किया जाता है, विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि लगभग 5.5 करोड़ लोग हर साल सिर्फ चिकित्सा के खर्च के कारण गरीबी रेखा से नीचे चले जाते हैं।

टेंट में पैसा हो तभी खुलता है अस्पताल का गेट

महंगी चिकित्सा देखभाल बीमारी, कर्ज और निराशा का एक सतत चक्र बना रही है जो आम लोगों को भी गरीबी दर गरीबी में फंसा रही है। यह परिवारों से स्थिरता और आशा छीन रही है। उदाहरण के लिए, तपेदिक के रोगियों के लिए, सात से नौ सप्ताह की देरी परिवार की वार्षिक आय के पांचवें हिस्से से भी ज्यादा को निगल रही है। यह तब होता है जब उपचार शुरू भी नहीं होता। एक रिपोर्ट के अनुसार, कैंसर रोगियों के परिवार पांच लाख रुपए से ज्यादा का खर्च अपनी जेब से करते हैं।

यहां तक कि मुफ़्त सरकारी क्लीनिकों में भी, परिवारों को अनौपचारिक शुल्कों का सामना करना पड़ता है। वे ऊंची ब्याज दरों वाले ऋणों का सहारा लेते हैं और जरूरी अनुवर्ती देखभाल से वंचित रह जाते हैं, जिससे उनकी बीमारी और गरीबी बनी रहती है। भारी बिलों की आशंका कई लोगों को घर पर ही कठिन जीवन बिताने के लिए मजबूर करती है जब तक कि स्थिति गंभीर न हो जाए। उच्च रक्तचाप या प्रारंभिक अवस्था का तपेदिक, जिसका समय रहते पता चल जाए तो आसानी से नियंत्रित हो जाता है, अक्सर तभी पता चलता है जब गहन (और कहीं ज्यादा महंगे) हस्तक्षेप की आवश्यकता होती है। ▶10 पर

पीएम मोदी ने ओड़ीशा को दी 60,000 करोड़ की विकास योजनाएं

संकल्प है, चिप से लेकर शिप तक भारत में बने

झारसुगुड़ा, 27 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को ओड़ीशा के झारसुगुड़ा में 60,000 करोड़ से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इन परियोजनाओं में स्वदेशी 4-जी नेटवर्क, रेलवे, उच्च शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और कौशल विकास जैसे कई महत्वपूर्ण क्षेत्र शामिल हैं। पीएम मोदी ने इस अवसर पर एक जनसभा को भी संबोधित किया और कहा कि यह बड़ी सौगात ओड़ीशा और देश के बुनियादी ढांचे और सामाजिक कल्याण को मजबूती देगी।

पीएम मोदी ने कार्यक्रम में राज्य और देश के लिए कई महत्वपूर्ण बातें कहीं। उन्होंने नवरात्रि के पावन पर्व का जिक्र करते हुए ओड़ीशा के लोगों को नमन किया। पीएम मोदी ने कहा कि डेढ़ साल पहले विधानसभा चुनाव के दौरान ओड़ीशा के लोगों ने विकसित ओड़ीशा के संकल्प के साथ आगे बढ़ने का फैसला किया था। अब ओड़ीशा डबल इंजन की रफ्तार से विकास की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि आज एक बार फिर ओड़ीशा और देश के विकास के लिए हजारों करोड़ रुपए के नए प्रोजेक्ट्स का काम शुरू हुआ है।

जहां भी होगी कांग्रेस की सरकार, वहां लोगों को लूटेगी

पीएम मोदी ने बीएसएनएल की स्वदेशी 4-जी सेवाओं को लॉन्च किया। यह भारत के लिए गर्व की बात है कि बीएसएनएल ने पूरी तरह से स्वदेशी 4-जी तकनीक विकसित की है। प्रधानमंत्री ने कहा कि अब भारत उन पांच देशों में शामिल हो गया है जिनके पास 4-जी सेवाएं लॉन्च करने की पूरी तरह से स्वदेशी तकनीक है। यह पहल टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम है। ▶10 पर

अराजकता फैला कर फिर विदेश गायब हो गए राहुल गांधी

काठमांडू के पहले मलेशिया लद्दाख के बाद द. अमेरिका

नई दिल्ली, 27 सितंबर (एजेंसियां)। देश में अराजकता फैला कर कांग्रेस नेता राहुल गांधी फिर विदेश गायब हो गए। काठमांडू विद्रोह के पहले राहुल गांधी मलेशिया गए थे। अब लद्दाख हिंसा के बाद राहुल गांधी के दक्षिण अमेरिका जाने की खबर है। हर बार राहुल गांधी की विदेश यात्राओं का सिरा षडयंत्र से जुड़ता है।

बताया गया है कि कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी इस बार दक्षिण अमेरिका के दौरे पर गए हैं। विद्वान राहुल गांधी चार दक्षिण अमेरिकी देशों में राजनीतिक नेताओं, विश्वविद्यालयों के छात्रों और व्यापारिक समुदायों को संबोधित करेंगे। ऐसा ही कांग्रेस पार्टी द्वारा बताया गया है। कांग्रेस के प्रवक्ता स्वनामधन्य पवन खेड़ा ने पार्टी की ओर से यह आधिकारिक जानकारी दी है। उन्होंने इस जानकारी के साथ यह नहीं बताया कि राहुल गांधी की इसके पहले हुई मलेशिया यात्रा या अन्य विदेश यात्राओं के बारे में गोपनीयता क्यों बरती गई थी? सुरक्षा प्रोटोकॉल का उल्लंघन कर राहुल गांधी बेहद गुप्त तरीके से विदेश क्यों चले गए थे या क्यों विदेश जाते रहे हैं? राहुल गांधी की संदेहास्पद गोपनीय विदेश यात्राओं को लेकर केंद्रीय अर्ध सैनिक बल सीआरपीएफ ने सुरक्षा प्रोटोकॉल के उल्लंघन पर कड़ा विरोध जताया था और इसके खिलाफ केंद्रीय गृह मंत्रालय को औपचारिक पत्र भी लिखा था। इस पत्र का ही नतीजा है कि राहुल गांधी की वर्तमान यात्रा की सूचना औपचारिक तौर पर गृह मंत्रालय को देनी पड़ी और कांग्रेस पार्टी को यह सूचना सार्वजनिक करनी पड़ी।

राहुल की विदेश यात्राओं से जुड़ता है षडयंत्र का सिरा

▶10 पर

बिहार चुनाव में एनडीए के बीच सीट बंटवारे का फार्मूला तय

203 सीटों पर लड़ेगी भाजपा-जदयू सहयोगियों को 40 सीटें

पटना, 27 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव के लिए राजग में सीट बंटवारे का फार्मूला तय हो गया है। तय फार्मूले के मुताबिक भाजपा 101, जदयू 102 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। शेष 40 सीटें तीन अन्य सहयोगियों लोजपा (आर), हम और आरएलएम के बीच बंटेंगी। सीट बंटवारे की आधिकारिक घोषणा तीनों सहयोगियों की सीटों पर सहमति बनाने और चुनाव की अधिसूचना जारी होने के बाद की जाएगी।

हालांकि इतना तय है कि लोजपा (आर) को अधिकतम 25 सीटों पर संतोष करना होगा। सीटों की संख्या के सवाल पर जदयू के इतर अन्य तीन दलों से विमर्श का दौर जारी है। पार्टी चाहती है कि 25 सीटें लोजपा (आर), आठ से दस सीटें हम और पांच सीटें आरएलएम को मिले। हालांकि लोजपा (आर) कम से कम 40 तो हम एक दर्जन सीटों की मांग कर रही है। उक्त सूत्र ने कहा कि फिलहाल यह तय है कि भाजपा और जदयू 203 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे। शेष चालीस सीटें अन्य सहयोगियों में बंटेंगी।

भाजपा में उम्मीदवारों का पैनल तैयार करने का सिलसिला जारी है। पटना में बुधवार से शुरू हुई दो दिवसीय कोर ग्रुप की बैठक में जिलावार टिकट के दावेदारों की समीक्षा की गई। टिकट के लिए सभी 243 सीटों के लिए करीब 6000 लोगों ने बायोडाटा दिया है। केंद्रीय नेतृत्व ने राज्य इकाई को हर सीट पर अधिकतम पांच उम्मीदवारों का पैनल तैयार करने का निर्देश दिया है। ▶10 पर

लद्दाख हिंसा को लेकर डीजीपी का सनसनीखेज खुलासा

आईएसआई के संपर्क में था सोनम वांगचुक

विदेशी फंडिंग का मामला पहले ही हो चुका है उजागर

लेह, 27 सितंबर (एजेंसियां/ब्यूरो)। लद्दाख के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) एसडी सिंह जामवाल ने शनिवार को बताया कि सोनम वांगचुक के खिलाफ पाकिस्तान से कथित संबंधों को लेकर जांच जारी है। यह जांच पिछले महीने एक पाकिस्तानी खुफिया एजेंट की गिरफ्तारी के बाद शुरू हुई है, जो वांगचुक के विरोध प्रदर्शनों के वीडियो सीमा पार भेज रहा था। सोनम वांगचुक पर लद्दाख में हिंसा भड़काने, विदेशी फंडिंग और पाकिस्तान से कथित संबंध रखने के आरोप हैं। उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत गिरफ्तार कर जोधपुर जेल भेजा गया है।

डीजीपी जामवाल ने सोनम वांगचुक को बुधवार को हुई हिंसा का मुख्य सूत्रधार बताया, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हुए। शुक्रवार को वांगचुक को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत हिरासत में लेकर राजस्थान के जोधपुर जेल भेज दिया गया। डीजीपी ने कहा अब तक जांच में जो सामने आया है, उसे फिलहाल सार्वजनिक नहीं किया जा सकता। लेकिन वांगचुक के भाषणों और गतिविधियों से यह साफ है कि उनकी मंशा लोगों को भड़काने की थी। उन्होंने अरब स्प्रिंग और नेपाल, बांग्लादेश व श्रीलंका में हुए आंदोलनों का जिक्र कर लोगों को उकसाया। उन्होंने बताया कि विदेशी फंडिंग और एफसीआरए उल्लंघन की भी जांच की जा रही है। एक पाकिस्तानी खुफिया ऑपरेटिव को पकड़ा गया है, जो वांगचुक के नेतृत्व वाले प्रदर्शनों के वीडियो पाकिस्तान भेज रहा था। पुलिस प्रमुख ने वांगचुक की कुछ विदेश यात्राओं को भी संदिग्ध बताया। ▶10 पर

अंतरराष्ट्रीय साइबर अपराध गिरोह का पर्दाफाश

804 करोड़ की ठगी उजागर, 10 गिरफ्तार

अहमदाबाद, 27 सितंबर (एजेंसियां)। गुजरात पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय साइबर अपराध गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस गिरोह द्वारा 804 करोड़ रुपए की ठगी किए जाने का खुलासा हुआ है। गिरोह के 10 आरोपियों को सूरत से गिरफ्तार किया गया है। गिरोह ने बैंक खाते और सिम कार्ड का दुरुपयोग कर देशभर में ठगी की। पुलिस ने पीड़ितों को 5.51 करोड़ रुपए लौटाए हैं। इस तरह गुजरात पुलिस ने एक ऐसे अंतरराष्ट्रीय साइबर अपराधी गिरोह का पर्दाफाश किया है, जिसने भारत के नागरिकों को 804 करोड़ रुपए का चूना लगाया। राज्य के गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने शनिवार को यह जानकारी दी। गिरोह ने दुबई, वियतनाम और कंबोडिया से ऑपरेशन किया और पूरे भारत में नागरिकों को निशाना बनाया। गिरोह आम नागरिकों के बैंक खाते और सिम कार्ड 1.5-2 प्रतिशत कमीशन के लालच में हासिल करता था और उनका दुरुपयोग कर साइबर ठगी करता था। गिरोह ने पूरे देश में 1,549 अपराध किए और 804 करोड़ रुपए की ठगी की। गुजरात में 141 डिजिटल अपराधों के जरिए गिरोह ने 17.75 करोड़ कमाए। सूरत से गिरफ्तार आरोपियों के पास से 65 मोबाइल फोन, 447 डेबिट कार्ड, 529 बैंक खाता किट, 686 सिम कार्ड और 16 पॉइंट ऑफ सेल (पीओएस) मशीनें जब्त की गईं। हर्ष संघवी ने साइबर फ्रॉड पीड़ितों को 5.51 करोड़ रुपए लौटाए। वडोदरा के एक वरिष्ठ नागरिक को बड़े लाभ का वादा कर ठगा गया था, उसे 4.91 करोड़ रुपए वापस मिले। अहमदाबाद की एक महिला को ड्रग केस के डर से 12 दिन तक स्काइप के जरिए घर में रखा गया। 48 लाख रुपए जब्त कर वापस किए गए। सभी नागरिकों से अपील की गई कि साइबर फ्रॉड के तुरंत बाद साइबर हेल्पलाइन 1930 पर संपर्क करें। मंत्री ने कहा कि भारत में डिजिटल अरेस्ट का कोई कानूनी प्रावधान नहीं है और किसी भी कॉल से डरना नहीं चाहिए।

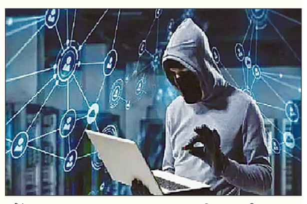

कार्टून कॉर्नर

फिल्म अभिनेता विजय की पार्टी टीवीके की रैली में मची भगदड़

दो बच्चों समेत 31 लोगों की मौत, सैकड़ों जख्मी

करूर (तमिलनाडु), 27 सितंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के करूर में तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के प्रमुख फिल्म अभिनेता विजय थलापति की रैली में मची भगदड़ में 31 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल बताए गए हैं। घायलों की संख्या सैकड़ों में है। कई घायलों की स्थिति नाजुक है। पुलिस ने रैली में पहुंची भारी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए लाठीचार्ज किया, जिससे भगदड़ मच गई और इतने लोगों की जान चली गई। टीवीके नेताओं का कहना है कि सरकार के इशारे पर पुलिस ने जानबूझ कर लाठी चलाई जिससे भगदड़ मची। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत कई शीर्ष नेताओं ने इस घटना पर गहरा शोक जताया है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने भी चिंता जताने की औपचारिकता निभाई है।

प्रधानमंत्री मोदी समेत कई नेताओं ने जताया गहरा शोक

तमिलनाडु के पूर्व मंत्री और डीएमके नेता वी सेंथिल बालाजी करूर के सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल पहुंचे। उन्होंने कहा कि अब तक भगदड़ में 31 लोगों की मौत हो चुकी है और 58 लोगों को भर्ती कराया गया है। जबकि 46 लोग निजी अस्पताल में और 12 लोग दूसरे सरकारी अस्पताल में भर्ती हैं। अस्पतालों में पहुंचे कई बेहोश लोगों की मौत हो गई। करूर में रैली के दौरान टीवीके अध्यक्ष के प्रचार वाहन को भारी भीड़ के चलते रोक दिया गया। हालात बेकाबू होते देख विजय को कुछ समय के लिए अपना भाषण रोकना पड़ा। ▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,17,530/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 1,45,250/- (प्रति किलोग्राम)

भगवती मां सरस्वती ज्ञान और विद्या की देवी : साध्वी भव्यगुणा

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि वीणावादिनी' और श्रुतदेवी जैसे नामों से विख्यात भगवती मां सरस्वती ज्ञान और विद्या की देवी हैं। इनकी आराधना से कोई भी व्यक्ति परम ज्ञान प्राप्त कर सकता है। विद्या आरंभ से पहले मां सरस्वती की ही पूजा-आराधना की जाती है, क्योंकि इन्हीं की कृपा से कोई भी व्यक्ति विद्या ग्रहण करने में सक्षम हो पाता है। मां सरस्वती की उपासना से बड़े से बड़ा मूर्ख भी विद्वान बन सकता है। मां सरस्वती जिस पर प्रसन्न हो जाती हैं, उसे कभी कोई पराजित नहीं कर सकता। मां सरस्वती की शरण में जाने वाला व्यक्ति हर जगह अपनी ओजपूर्ण वाणी से हर किसी को अपने वश में कर सकता है। हर एक व्यक्ति के लिए

माता सरस्वती की नियमित रूप से उपासना करना अत्यंत आवश्यक है। मां सरस्वती की उपासना से व्यक्ति विद्यासंपन्न, धनवान और मधुरभाषी हो जाता है।

जो लोग चाहते हैं कि उनकी वाणी प्रभावशाली और सशक्त हो जाए कि वे जब किसी के भी सामने बोलें, तो सामने वाला उनसे प्रभावित हो जाए, या जो लोग बुद्धि, ज्ञान, विद्या और कला का वरदान प्राप्त करना चाहते हैं, ऐसे लोगों को रोज श्वेत कमल पर विराजमान मां सरस्वती की उपासना करनी चाहिए। साध्वी शीतलगुणा ने कहा कि मां सरस्वती के दोनों हाथों में वीणा और उसके तार जीवन में प्रेम और उसके रहस्य को दर्शाते हैं। जिस तरह वीणा के तारों में संगीत की अनगिनत धुनें छिपी हुई हैं, उसी तरह मनुष्य के अंदर भी अनेक संभावनाएं छिपी हैं। जब तक तारों को छेड़ा न जाए, तब तक संगीत पैदा नहीं होता। उसी तरह जब तक मनुष्य को ज्ञान उपलब्ध नहीं होता, तब तक उसका जीवन नीरस, दुखी और अधूरा रहता है।

हाथों में वीणा हमें यह सिखाता है कि जीवन दुखी और उदास होने का नाम नहीं है, बल्कि जीवन एक संगीत है, एक सौंदर्य है, जिसे पाने के लिए हमें प्रयास करते रहना चाहिए और अपने अंदर छिपी संभावनाओं को प्रकट होने का अवसर देना चाहिए। हाथों में पुस्तक और माला, सही ज्ञान, परख और सही निर्णय लेने की शक्ति और माला से भगवान और अपने कर्म के प्रति निष्ठा और सात्विकता का बोध होता है। पुस्तक यह बताती है कि बिना ज्ञान या आत्मज्ञान के जीवन व्यर्थ है।

ज्ञान ही वह शक्ति है, जो हमें अपने असली उद्देश्य का अनुभव कराता है। माला ध्यान और जप का भी प्रतीक है। यह जीवन में आध्यात्मिकता के महत्व को समझने पर जोर देती है। माला से हमें यह भी शिक्षा मिलती है कि चाहे अकेले भी खड़ा होना पड़े, लेकिन हम सही मार्ग पर ही चलें, लेकिन यह भी ध्यान रखना है कि इस कारण हम दूसरों से अलग ना हो जाएं, क्योंकि जैसे माला तमाम मोतियों से जुड़कर एक बनती है, वैसे ही हमें भी सबके साथ जुड़कर रहना है। लेकिन कोई भी मोती एक-दूसरे के ऊपर नहीं आता, सब अलग-अलग होते हैं।

इसी तरह हमें भी किसी के भी गलत प्रभाव में नहीं आना है। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ अध्यक्ष पूनमचंद सोलंकी ने बताया कि मां भगवती श्रुत ज्ञान की देवी सरस्वती का सामूहिक महापूजन रविवार को सुबह आयोजित किया जाएगा। आस-ोज शुक्ल छठ्ठ रविवार को सुबह सरस्वती देवी का महापूजन होगा। मुख्य लाभार्थी महावीरकुमार वगतावरमल संचेती पांचेटिया रहेंगे।

प्रत्याख्यान का अर्थ है वचन का पालन करना: साध्वी उपमा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी निर्मला के सानिध्य में साध्वी उपमा ने प्रवचन में छठे आवश्यक प्रत्याख्यान की महत्ता स्पष्ट करते हुए कहा कि प्रत्याख्यान का अर्थ है भविष्य में विशिष्ट दोषों या पापों से बचने का संकल्प लेना। यह आत्मा को संयमित और अनुशासित रखने वाली साधना है। उन्होंने बताया कि प्रत्याख्यान नए कर्मों के आगमन के द्वार बंद कर देता है। यह इच्छाओं को नियंत्रित कर मन, वचन और काया को शुभ प्रवृत्तियों की ओर केंद्रित करता है।

नियमित अभ्यास से अनासक्त भाव विकसित होता है और साधक परम शांति का अनुभव करता है। साध्वी उपमा ने कहा कि सत्य तप वही है जो ख्याति-लाभ, मायाचार, पूजा-प्रशंसा और इच्छाओं से रहित हो। तप चाहे अल्प ही क्यों न हो, यदि शुद्ध भाव से किया गया है तो वही आत्मशुद्धि का साधन बनता है और मुक्ति-पथ की ओर ले जाता है।

मात्र बाह्य रूप से किया गया तप यदि शुद्ध भाव से रहित हो तो वह आत्मकल्याण नहीं बल्कि कर्मबंधन का कारण बनता है। इस अवसर पर साध्वी ऋषिता ने स्तवन प्रस्तुत किया तथा साध्वी उपासना ने राजकुमार गोविंदसिंह की प्रेरक कथा को आगे बढ़ाया। कार्यक्रम में आगामी 2, 3 और 4 अक्टूबर को आयोजित होने वाली त्रिदिवसीय धार्मिक प्रीमियर लीग प्रश्न मंच क्रिकेट प्रतियोगिता की जर्सी का विमोचन किया गया। प्रतियोगिता में आठ टीमें भाग ले रही हैं। राजाजीनगर युवा, त्रिशला बहु मंडल, जिनेश्वर युवा, ब्राह्मी कन्या मंडल का विशेष सहयोग रहा। इस आयोजन के जर्सी प्रायोजक संतोषदेवी, चेतनकुमार, रश्मि रेदासनी परिवार और मीडिया प्रायोजक सिंघी एवं धोका परिवार रहे। विमोचन पश्चात ट्रायल मैच का आयोजन भी रखा गया। आभार राकेश दलाल ने व्यक्त दिया और संचालन नेमीचंद दलाल ने किया।

बेंगलूरु में सतर्कता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 के अंतर्गत, दक्षिण पश्चिम रेलवे, बेंगलूरु मंडल द्वारा शुक्रवार को अनुग्रह रेलवे सामुदायिक भवन में अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस सत्र का नेतृत्व दक्षिण पश्चिम रेलवे के वरिष्ठ उप महाप्रबंधक एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी ए. अन्नादुरई ने किया, जिन्होंने सतर्कता के विभिन्न पहलुओं पर एक व्यापक और व्यावहारिक प्रस्तुति दी। उन्होंने भ्रष्टाचार की परिभाषा, कारण और परिणामों की व्याख्या की, समाज पर इसके हानिकारक प्रभावों और रेलवे संचालन के सभी क्षेत्रों में नैतिक आचरण और पारदर्शिता की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने उपस्थित लोगों को बताया कि सतर्कता जागरूकता सप्ताह 27 अक्टूबर से 2 नवंबर 2025 तक मनाया जाएगा, जिसका विषय ''सतर्कता हमारी साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने विषय के महत्व को समझाया और सभी कर्मचारियों से आग्रह किया कि वे सतर्कता को अपनी जिम्मेदारी और सार्वजनिक सेवा का एक प्रमुख मूल्य समझें। इस अवसर पर बोलते हुए, बेंगलूरु के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) आशुतोष कुमार सिंह ने दैनिक कर्तव्यों में सतर्कता बनाए रखने के महत्व पर बल दिया। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिकारियों, जिनमें परीक्षित मोहनपुरिया और प्रवीण कटारकी, अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक और बेंगलूरु मंडल के अन्य अधिकारी और कर्मचारी शामिल थे, ने सक्रिय भागीदारी की।

तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर ने प्राप्त किया राष्ट्रीय स्तर पर नगर श्रेणी में तीसरा स्थान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

आचार्य श्री महाश्रमण जी के सानिध्य में आयोजित अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के 50 वें राष्ट्रीय अधिवेशन 'उर्द्धवारोहण' में तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर को मंजू गादिया की अध्यक्षता में सत्र (2023-25) में हुए जन सेवा, सामाजिक एवं आध्यात्मिक कार्यो का मूल्यांकन करते हुए संपूर्ण भारत में नगर स्तर पर तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

इस उपलक्ष्य में महिला मंडल द्वारा आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी श्री संयम लता जी के पावन सानिध्य में अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र एवं प्रेरणा गीत के संगान के साथ हुआ। इस अवसर पर साध्वी संयम लता जी ने फरमाया कि विजयनगर मंडल आध्यात्मिक हो या फिर सामाजिक हर क्षेत्र में बहुत अच्छा कार्य कर रही है। मंडल ने बहुत

कम समय में अच्छा विकास किया है, किंतु अभी भी विकास का बहुत बड़ा आकाश बाकी है और हमें अपने पंखों के साथ इसमें उड़ान भरनी है। निवर्तमान अध्यक्ष मंजू गादिया ने पुरस्कारों की श्रृंखला का विवरण देते हुए बताया कि मंडल को कन्या आंचलिक कार्यशाला 'ज्योतिर्मय', स्कूल संरक्षण, कन्या सुरक्षा स्तंभ निर्माण, कन्या सुरक्षा बेंचेस, कैंसर अवेयरनेस प्रोग्राम, स्वच्छ भारत अभियान (सॉल्यूशन का प्लास्टिक पॉल्यूशन), एक बूंद एक सागर (जल संरक्षण), वाटर कूलर, बॉटर बॉटल क्रशिंग मशीन सेवा प्रदान करने हेतु, श्रृंखलाबद्ध पौषध, श्रावक संबोध ऑनलाइन क्वीज के लिए राष्ट्रीय स्तर पर मूल्यांकन एवं पुरस्कार प्राप्त हुए। स्वयं को प्रबुद्ध करो, विश्व को प्रबुद्ध करो के लिए विशिष्ट पुरस्कार प्राप्त हुआ। नारी दिवस पर वीडियो मेकिंग में प्रथम रही प्रियंका गादिया, तत्वज्ञान तृतीय वर्ष में प्रथम स्थान के लिए वर्षा बैद एवं प्रेक्षा प्रवाह कार्यशाला के लिए सरिता छाजेड़ को भी सम्मानित किया गया। निवर्तमान अध्यक्षा ने इस सफलता के लिए अपनी पूरी टीम, कार्यकारिणी एवं सदस्य बहनों को बधाई देते हुए गुरुदेव, साध्वी प्रमुखा जी एवं सभी चारित्र आत्माओं के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए सभी सभा संस्थाओं के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में अभातेममं की सहमंत्री मधु कटारिया, सभा अध्यक्ष मंगल कोचर, युवक परिषद अध्यक्ष विकास बांठिया, महिला मंडल अध्यक्षा महिमा पटावरी, सभा के पूर्व अध्यक्ष प्रकाश गांधी, महिला मंडल पूर्व अध्यक्षा प्रेम भंसाली, पूर्व उपाध्यक्षा बरखा पुगलिया ने अपने विचार व्यक्त करते हुए महिला मंडल की उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की। अभातेममं कार्य सदस्य एवं कन्या मंडल दक्षिणांचल प्रभारी रुचिका पटावरी भी कार्यक्रम में उपस्थित रही। मधु कटारिया एवं रुचिका का सम्मान महिला मंडल द्वारा किया गया। कार्यक्रम में आरआर नगर की निवर्तमान अध्यक्षा सुमन पटावरी, संरक्षिका, परामर्शिका, पदाधिकारी गण, कार्यकारिणी एवं सभी सभा, संस्थाओं के सदस्यों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का कुशल संचालन उपाध्यक्ष सुमित्रा बरडिया तथा आभार ज्ञापन पूर्व मंत्री दीपिका गोखरू ने किया। कार्यक्रम में लगभग 60 लोगों की उपस्थिति रही।

सीता कार्यक्रम ने बिखेरी भक्ति और उत्सव की चमक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मारवाड़ी सम्मेलन महिला परिधि, बेंगलूरु कर्नाटक द्वारा आयोजित भव्य सीता कार्यक्रम ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्य संयोजक अंजना चांडक की मेहनत और शानदार प्रस्तुति ने सभी का दिल जीत लिया। कार्यक्रम की शुरुआत में अध्यक्ष माया अग्रवाल ने सभी अतिथियों का हार्दिक स्वागत किया और माहौल को और भी गरिमामयी बना दिया। आयोजन को सफल बनाने में सचिव शालिनी अग्रवाल, कोषाध्यक्ष हेमलता संवरिया, सलाहकार मंजू अग्रवाल, उपाध्यक्ष निर्मला गोयल व लता चौधरी, संयुक्त सचिव पल्लबी पोद्दार का योगदान उल्लेखनीय रहा। विशेष सहयोग देने वाली समिति सदस्य सविता, पारुल, जया, पूजा मदन, अंजू, मुस्कान, अमृता, हेमलता, कविता, पूजा, नेहा, ऋतु, विनीता और आशा का योगदान भी सराहनीय रहा। प्रायोजक गजेन्द्र अग्रवाल, अभय चौधरी, महेश अग्रवाल, गौरीशंकर अग्रवाल, राजेश संवरिया और संजय अग्रवाल के सहयोग से यह आयोजन और भी भव्य बना। साथ ही, उपाध्यक्ष डॉ. सुभाष अग्रवाल और सचिव शिव कुमार की उपस्थिति ने भी कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। तालियों की गड़गड़ाहट और उत्साह से गूंजते माहौल में 175 अतिथियों ने इस कार्यक्रम का भरपूर आनंद उठाया और इसे एक यादगार शाम बनाया।

समय पर जागने वाले मानव का ही कल्याण संभव: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने फरमाया कि प्रभु महावीर की अंतिम वाणी का थोड़ा थोड़ा रस स्वादन कर रहे हैं। थोड़ा थोड़ा ही लेना अच्छा होता है। अगर ज्यादा लिया तो पचेगा नहीं। ज्यादा लेने से परेशानी आ जाती है। समझदार मनुष्य सोए हुए लोगों में भी जागता है। जो विवेकवान है वह सोते हुए भी जागता है। जो जागता है वह पाता है और जो सोता है वह खोता है। इस जीवन में सतर्क रहना बहुत जरूरी होता है। जब आप सतर्क रहोगे तो कोई कुछ नहीं कर पाएगा। आत्म साधना के लिए भी सतर्क रहना जरूरी होता है। जागते हुए मनुष्य को सब मिल जाता है। जागने वाला मानव आत्मा का कल्याण कर लेता है। जाग कर जिनवाणी का श्रवण कर जीवन का कल्याण कर लेना चाहिए। मनुष्य ने बहुत सो लिया अब उसको जाग जाना चाहिए। समय पर अगर नहीं जागे तो जीवन का कल्याण नहीं होगा। मनुष्य को खुद को जगाना है। पढ़ने के समय में अगर विद्यार्थी

झपकी लेगा तो उसे जगा देना चाहिए। अगर उसे जगाया तो उसको ज्ञान प्राप्त होगा। दिन में मनुष्य को कभी नहीं सोना चाहिए। विद्यार्थी के साथ सेवक को जगा देना चाहिए। सेवक अगर सो जाएगा तो सेवा कौन करेगा। यात्री अगर सो जाए तो उसे जगा देना चाहिए। अगर नहीं जगाया तो वह यात्रा से भटक जाएगा। जब मनुष्य सचेत रहेगा, सतर्क रहेगा तो वह भटकेगा नहीं। इसलिए ज्ञानी कहते हैं कि बहुत सो लिया अब जाग जाओ। अब भी जागे तो भी सब सही हो जाएगा। अगर समय पर नहीं जागोगे, समय पर उपचार नहीं करोगे तो मामला गड़बड़ हो जाएगा। कर्ज लिया है और अगर उसे नहीं चुकाया तो ब्याज बढ जाएगा। अगर आग छोटी है तो समय पर बुझा दो तो दो बाल्टी में बुझ जाएगा। अगर समय पर नहीं बुझाया तो आग पर काबू पाना मुश्किल हो जाएगा। इन चीजों को कभी छोटा नहीं समझना चाहिए। अगर समय पर इन चीजों पर ध्यान नहीं दिया तो मामला ज्यादा खराब हो जाएगा। याद रखो कि ऋण छोटा नहीं होता है। लिया है तो समय पर ऋण वापस दे दो। ज्ञानी कहते हैं कि समय और काल छोटा नहीं होता है। कब चला आए कुछ पता नहीं है। इसलिए समय रहते सब कुछ कर लेना चाहिए। समय पर किया गया काम ही बेहतर होता है। जो इन बताए मार्गो पर चलेगा उसका जीवन सफल हो जाएगा। सभा में चेन्नई से अशोक कुमार कोठारी, ज्ञानचंद बरडिया सपरिवार एवं केजीएफ से अशोक कुमार बोहरा सपरिवार एवं हस्तीमल सिसोदिया, दिलीप कुमार सिसोदिया सपरिवार उप-स्थित थे। नवपद आयंबिल ओलिया सोमवार से शुरू होंगी। कार्याध्यक्ष कांतिलाल तातेड़ ने सभी का स्वागत किया एवं महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने संचालन करते हुए बताया कि रविवार के प्रवचन में श्रमण संघीय महामंत्री सौभाग्यमुनी कुमुद की पुण्यतिथि मनाई जाएगी।

अणुव्रत के पदाधिकारियों ने राज्यपाल को दिया निमंत्रण पत्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्यपाल थावर चंद गहलोत से अणुव्रत समिति गांधीनगर के पदाधिकारी एवं आचार्य महाश्रमण जी के सुशिष्य विद्वान मुनि डॉ. पुलकित कुमारजी, नचिकेता मुनि आदित्य कुमार जी ने शिष्टाचार भेंट की। मुनि पुलकित कुमारजी ने आचार्य श्री तुलसी के अणुव्रत आंदोलन के बारे में जानकारी देते हुए कहा देश की आजादी के बाद जन जन तक नैतिकता सद्भावना, नशामुक्ति और समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने के लिए 1949 में अणुव्रत आंदोलन प्रारंभ किया। एक लाख किलोमीटर से भी ज्यादा पद यात्रा करते हुए जन जागरण की शिक्षा दी। ऐसे महा-पुरुष का जन्म दिवस अणुव्रत दिवस के रूप में मनाया जाता है। सुरेश चावत ने मुनिश्री का परिचय प्रस्तुत किया। आचार्यश्री का अणुव्रत साहित्य राज्यपाल को भेंट किया गया तो उन्होंने आदर भाव से उसे मस्तक पर लगाया। अणुव्रत समिति बेंगलूरु के पदाधिकारियों ने आगामी कार्यक्रम 25 अक्टूबर 2025 को अणुव्रत आंदोलन प्रवर्तक आचार्य श्री तुलसी की 112 वीं जन्म जयंती के उपलक्ष अणुव्रत दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यपाल को आमंत्रित किया। समिति द्वारा समाज हित के कार्यों की जानकारी दी, जिसकी सराहना करते हुए राज्यपाल ने नशामुक्ति अभियान को लेकर संस्था को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया एवं अणुव्रत दिवस पर आयोजित दक्षिणांचल अणुव्रत कार्यकर्ता सम्मेलन कार्यक्रम में शामिल होने का भी आश्वाशन दिया। इस अवसर पर अणुव्रत समिति के अध्यक्ष ललित बाबेल, परामर्शक माणिकचंद बलदोटा, मंत्री लाभेश कांसवा, प्रचार प्रसार मंत्री कविता पोरवाल एवं सहमंत्री सुरेश चावत उपस्थित थे।

उत्तरी कर्नाटक में भारी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त

छत गिरने से एक लड़के की मौत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के विभिन्न हिस्सों में लगातार बारिश से कई जगहों पर नुकसान हुआ है, और बागलकोट में एक घर की छत गिरने से एक लड़के की मौत हो गई। कर्नाटक के बागलकोट, बीदर, कलबुर्गी, बेलगावी, विजयपुरा, कल्याण और कित्तूर में भारी बारिश से फसलों को भारी नुकसान हुआ है और जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। कुछ जगहों पर मवेशी बह गए हैं। इस बीच, सरकार ने बारिश से प्रभावित लोगों को तत्काल राहत प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। जिला प्रभारी मंत्री, उपायुक्त, तहसीलदार और पूरे जिला प्रशासन को युद्धस्तर पर राहत कार्य में जुटने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। रबाकविबनहट्टी तालुक के महालिंगपुरा कस्बे में, नागप्पा लातूर के बेटे दर्शन लातूर (11) की लगातार बारिश के कारण उसके घर की टिन की छत और दीवार गिरने से मौत हो गई। यह हादसा सुबह करीब 5 बजे हुआ। इस घटना में एक अन्य लड़का, श्रीशैल, घायल हो गया और उसे स्थानीय सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कलबुर्गी में भारी बारिश के कारण जगह-जगह बाढ़ आ गई है। कई पुल पानी में डूब गए हैं। इससे गाँवों के बीच संपर्क टूट गया है और जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। जेवरगी कस्बे का कट्टिसांगरी पुल डूब गया है। दो दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण करचाखेड़ा गाँव में पानी घुस गया है और कई घरों में पानी भर गया है। नहर से मंदिर में पानी घुसने से लोगों को परेशानी हो रही है। तालुक के यंकांची गाँव में बसवेश्वर और महालक्ष्मी मंदिर भी बाढ़ के खतरे का सामना कर रहे हैं। सन्नाथी बैराज से यादगीर की ओर भारी मात्रा में पानी बह रहा है। भीमनदी में आई बाढ़ से किसानों का जीवन सचमुच बर्बाद हो गया है। नाइकल गाँव में सैकड़ों एकड़ फसलें बर्बाद हो गई हैं। इस इलाके का लगभग एक किलोमीटर हिस्सा पानी में डूब गया है, जिससे धान और कपास की फसलें डूब गई हैं। मौसम विभाग द्वारा पूरे जिले में ऑरेंज अलर्ट घोषित किए जाने के बावजूद, कुछ प्रशासनिक निकाय दशहरा की छुट्टियों के बावजूद स्कूल चला रहे हैं। बच्चों के हित में, डीडीपीआई सूर्यकांत मदने ने एक आदेश जारी कर उक्त स्कूलों में अवकाश घोषित कर दिया है। चंद्रमपल्ली जलाशय में 7,500 क्यूसेक से अधिक पानी आ गया है और पानी निकालने के लिए तीन गेट 10-10 फीट खोल दिए गए हैं। इसके कारण चंद्रमपल्ली पुल पूरी तरह से जलमग्न हो गया है। गाँव का संपर्क टूट गया है और योजना अधिकारी चेतना कालस्कर ने ग्रामीणों से सतर्क रहने की अपील की है। सुबह से ही तालुका में भारी बारिश हो रही है और कुंभ द्रोण वर्षा के कारण लोग दहशत में हैं। चंदपुरा, गरमपल्ली, अनवारा, कल्लूर, कनकपुरा सहित कई जगहों पर घरों में पानी घुस गया है। बीदर में भी भारी बारिश हो रही है और जिले भर में नदियाँ, खाड़ियाँ और नाले उफान पर हैं। महाराष्ट्र के तटीय क्षेत्र में भारी बारिश के कारण इस क्षेत्र की नदियों में भारी मात्रा में पानी बह गया है। कुछ जगहों पर जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुँच गया है, इसलिए जिला प्रशासन ने नदियों के किनारे रहने वाले लोगों को जबरन सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया है। लगातार हो रही बारिश ने हुलासुरु, बीदर तालुका और भालकी में अफरा-तफरी मचा दी है। हुलासुरु तालुका के इंचुरु पुल पर भारी मात्रा में पानी भर गया है, जिससे सड़क यातायात बाधित हो गया है। हुलासुरु से भालकी सड़क पर पानी भर जाने और बीदर तालुका के चिल्लरगी पुल पर यातायात बाधित होने से वाहन चालकों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। पुल पर पानी भर जाने से सड़क यातायात बाधित हो गया है और चिल्लरगी से चिमाकोड, गडगी मार्ग भी बाधित हो गया है। बाढ़ के पानी के कारण जहाँ वाहन चालकों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है, वहीं कुछ लोग पानी से भरी सड़क पर पैदल चलकर पुल पार कर रहे हैं। कमलनगर के एक गाँव में लोग अभी भी तेज बहते पानी में सड़क पार करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। मंजरा नदी में लाखों क्यूसेक पानी छोड़े जाने से जिले में बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई है और मंजरा नदी के किनारे लाखों एकड़ जमीन पर उगाए गए बेलगावी पूरी तरह से जलमग्न हो गए हैं। भारी बारिश और मंजरा नदी के प्रभाव ने जिले के लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है और भारी बारिश के चलते आज जिले में येलो अलर्ट घोषित कर दिया गया है। विजयपुरा जिले में भीमा नदी की बाढ़ से लोग जूझ रहे हैं। अलमेला तालुक के थावरखेड़ा गाँव में भीमा नदी की बाढ़ से घर डूब गए हैं। बाढ़ की स्थिति के बावजूद, परिवार बगीचे में रह रहे थे। दमकल कर्मियों ने नाव से बगीचे के घरों में रह रहे 8 लोगों को बचाया।

रसोई गैस रिसाव के कारण विस्फोट, 8 घायल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। होसपेट तालुका के गडिगनूर में शनिवार सुबह एक वकील के घर में गैस रिसाव के कारण हुए विस्फोट में आठ लोग घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि विस्फोट सुबह करीब 5.15 बजे होसपेट-बल्लारी राष्ट्रीय राजमार्ग के पास स्थित वकील हलप्पा के घर में हुआ। घायलों को तोरांगल के संजीवनी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ग्रामीण पुलिस ने बताया कि कविता की हालत गंभीर है, जबकि बाकी लोग सुरक्षित हैं। विस्फोट की तीव्रता के कारण घर की दीवार ढह गई। सुबह जब कविता ने चूल्हा जलाने की कोशिश की, तो उसमें आग लग गई। विस्फोट में घर 50 प्रतिशत नष्ट हो गया। पुलिस ने बताया कि कविता गंभीर रूप से झुलस गई, जबकि हलप्पा, मैलारप्पा, गंगम्मा, मल्लम और दो बच्चे घायल हो गए। मामले की सूचना मिलते ही होसपेट से दमकलकर्मी और पुलिस मौके पर पहुँची और आग बुझाई। घटना के बाद परिवार दहशत में है।

राउडीशीटर सैफुद्दीन की मालपे में हत्या

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। एक चौंकाने वाली घटना में, एकेएमएस टूर्स एंड ट्रैवल्स के मालिकों में से एक और एक उपद्रवी शीटर सैफुद्दीन की शनिवार को मालपे में हत्या कर दी गई। मणिपाल स्थित परिवहन व्यवसाय से जुड़े सैफुद्दीन पर अज्ञात हमलावरों ने तलवारों से हमला किया। उडुपी के पुलिस अधीक्षक हरिराम शंकर ने घटनास्थल का दौरा किया और स्थिति का जायजा लिया। घटनास्थल का दौरा करने के बाद मीडिया से बात करते हुए, उडुपी जिले के पुलिस अधीक्षक हरिराम शंकर ने कहा सुबह 10-11 बजे के बीच, बस मालिक सैफुद्दीन कोडवूर स्थित अपने आवास पर मृत पाए गए। उन पर 18 मामले दर्ज थे। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, तीन आरोपियों ने उनके घर में घुसकर उन पर हमला किया। पता चला है कि हमलावर उनकी ही कंपनी में काम करते थे। आरोपियों को हिरासत में लेने के बाद हमले का मकसद और इसके पीछे के लोगों का पता चलेगा। हमला तलवार से किया गया था और कई जगहों पर खून बह रहा था। आरोपियों की पहचान एकेएमएस बस कंपनी के ड्राइवरों के रूप में हुई है।

सरकार का मुख्य उद्देश्य धर्मस्थल मामले में सच्चाई उजागर करना है: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने स्पष्ट रूप से कहा है कि हमारी सरकार का एकमात्र उद्देश्य धर्मस्थल मामले की सच्चाई से लोगों को अवगत कराना है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि हमें जाँच दल से आधिकारिक रिपोर्ट मिलनी चाहिए। धर्मस्थल के धर्माधिकारी वीरेंद्र हेगड़े के इस बयान पर कि एसआईटी के गठन से मुझ पर लगा कलंक मिट रहा है, उन्होंने कहा कि इस मामले की जाँच रिपोर्ट आनी चाहिए। उसके बाद मैं बोलूँगा। मैंने वीरेंद्र हेगड़े का बयान मीडिया में देखा है। जाँच रिपोर्ट आने से पहले इस पर टिप्पणी करने का कोई मतलब नहीं है। राजनीतिक रूप से कोई भी कुछ भी कह सकता है। लेकिन चूँकि मैं एक सरकारी प्रतिनिधि हूँ, इसलिए मैं किसी और की तरह नहीं बोल सकता। रिपोर्ट आने के बाद, मुख्यमंत्री या गृह मंत्री को इस मुद्दे पर आधिकारिक बयान देना चाहिए। उसके बाद, मैं बोलूँगा। यह पूछे जाने पर कि क्या सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका खारिज होने के बावजूद सरकार को गुमराह करने वालों पर कार्रवाई होगी, उन्होंने कहा अभी इस मुद्दे पर चर्चा करने की जरूरत नहीं है। सुप्रीम कोर्ट में एक अर्जी दायर की गई है, जो खारिज हो चुकी है। कोर्ट ने जनहित याचिका दायर करने वालों को स्थानीय स्तर पर जाँच करने का आदेश दिया है, और उन्हें सब पता है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर कोई बात नहीं कर रहा है। वे शव को दिल्ली ले गए थे। हमें भी इसकी जानकारी है। लेकिन उन्होंने कहा कि हमें जाँच दल से आधिकारिक रिपोर्ट मिलनी चाहिए।

सीटी रवि ने सर्वेक्षण स्थगित करने की मांग की

मुख्यमंत्री को एक लंबा पत्र लिखा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधान परिषद सदस्य सी.टी. रवि ने मुख्यमंत्री सिद्धारामैया से शैक्षिक और सामाजिक सर्वेक्षण को कुछ दिनों के लिए स्थगित करने का आग्रह किया है क्योंकि इसके लिए पूर्व तैयारी और उचित प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है। इस संबंध में, सी.टी. रवि, जिन्होंने मुख्यमंत्री सिद्धारामैया को एक लंबा पत्र लिखा है, ने कहा कि राज्य भर में किया जा रहा सर्वेक्षण काफी भ्रामक है। उचित प्रशिक्षण और पूर्व तैयारी के अभाव में सर्वेक्षणकर्ता भ्रमित हैं। इसलिए, उन्होंने इसे स्थगित करने का अनुरोध किया है। गणनाकर्ताओं को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। कई जगहों पर नेटवर्क की कमी के कारण वे भ्रमित हैं। उन्हें कुछ समस्याओं का भी सामना करना पड़ रहा है। उनका समाधान करने के बजाय, आप उन्हें धमका रहे हैं। उन्होंने चिंता व्यक्त की है कि इससे आपके सपनों का बच्चा गरीब हो रहा है। पिछड़ा वर्ग आयोग द्वारा सामाजिक और शैक्षिक सर्वेक्षण पहले ही शुरू हो चुका है, और सर्वेक्षण के दौरान, यह देखा गया है कि शिक्षक, जिन पर पहले से ही अतिरिक्त जिम्मेदारियाँ हैं, और भी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। कुछ स्थानों पर, स्थान निर्धारण सहित सर्वेक्षण जानकारी एकत्र करने के लिए स्थापित एप्लीकेशन ठीक से काम नहीं कर रहा है और पहाड़ी क्षेत्रों में नेटवर्क ठीक से उपलब्ध नहीं है, जिससे प्रगणक शिक्षकों को परेशानी हो रही है। संदेह है कि सर्वेक्षण की उचित तैयारी में चूक हुई है। संदेह है कि तकनीकी प्रणाली की योजना बनाने और विकसित करने में चूक हुई है। प्रायोगिक तौर पर एक परीक्षण किया जाना चाहिए था और उसके अनुभव के आधार पर पूरे सर्वेक्षण कार्य का विस्तार किया जाना चाहिए था। लेकिन यहाँ ऐसा कुछ भी नहीं किया गया है। सर्वेक्षण के दौरान प्रगणकों के सामने आने वाली चुनौतियाँ अत्यंत गंभीर हैं और इन चुनौतियों के समाधान का अनुरोध किया गया है।

राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के सामाजिक और शैक्षिक सर्वेक्षण की प्रक्रिया में कई गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इस सर्वेक्षण को करने वाले शिक्षक प्रगणक तकनीकी और व्यावहारिक कठिनाइयों के कारण असमंजस में हैं। उन्होंने कहा कि सर्वेक्षण की पर्याप्त तैयारी और तकनीकी सुविधाओं के अभाव में काम अपेक्षा के अनुरूप नहीं हो रहा है।

सर्वेक्षण में घरों का सटीक क्रम न बना पाना प्रगणकों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बन रहा है। कभी-कभी एक ही घर का रिकॉर्ड दो बार दर्ज हो जाता है और कुछ घर छूट जाते हैं। घर की पहचान के लिए दिए गए यू.एच.आई.डी. नंबर के जरिए जानकारी ढूँढने में तकनीकी त्रुटियाँ सामने आ रही हैं। इससे गणनाकारों का समय और मेहनत बर्बाद हो रही है। चूँकि सर्वेक्षण पूरी तरह से ऑनलाइन प्रणाली पर निर्भर है, इसलिए ग्रामीण और पहाड़ी इलाकों में नेटवर्क सुविधाओं का अभाव एक गंभीर समस्या है। कई मामलों में, सर्वेक्षण का काम बीच में ही रोक दिया जाता है। चूँकि गणनाकारों का काम गणनाकार के स्थान से दूर-दराज के इलाकों में होता है, इसलिए आने-जाने में समय और मेहनत बर्बाद होती है। सर्वेक्षण से जुड़े घरों की पता सूची का अभाव और सदस्यों को जोड़ने या हटाने का विकल्प न होने से भ्रम की स्थिति और बढ़ गई है। दिन में कई घंटे मोबाइल फोन पर जानकारी दर्ज करने के कारण शिक्षकों को आँखों में तनाव और मानसिक तनाव का सामना करना पड़ रहा है।

शारीरिक रूप से अक्षम, बीमार और बुजुर्ग शिक्षकों के लिए इस काम में भाग लेना मुश्किल होता है। अकेली महिला शिक्षकों के सर्वेक्षण कार्य में शामिल होने से सुरक्षा और सामाजिक शर्मिंदगी की समस्याएँ भी पैदा होती हैं। यह देखा गया है कि कुछ शिक्षकों के पास मोबाइल फोन और तकनीकी उपकरणों के उपयोग में विशेषज्ञता की कमी के कारण सर्वेक्षण कार्य और भी कठिन हो गया है।

उल्लाल समुद्र तट पर सड़ी-गली लाश मिली

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शिवाजी लाइफसेविंग स्विमर्स एसोसिएशन, मोगा-वीरपटना, उल्लाल के सदस्यों ने मानवता का परिचय देते हुए एक क्षत-विक्षत शव को लगभग 4 किलोमीटर तक अपने कंधों पर ढोकर एम्बुलेंस को सौंप दिया। शुक्रवार की देर शाम, अलाइबबागिलु ब्रेकवाटर चट्टानों के पास जाल डाल रहे मछुआरों ने चट्टानों के बीच एक क्षत-विक्षत शव देखा। उन्होंने तुरंत पुलिस नियंत्रण कक्ष (112) को सूचित किया। सूचना मिलते ही उल्लाल पुलिस ने शिवाजी लाइफसेविंग स्विमर्स एसोसिएशन के सदस्यों को सूचित किया।

आह्वान पर प्रतिक्रिया देते हुए, सदस्य योगेश अमीन, प्रसाद सुवर्णा और चंद्रहास सुवर्णा मौके पर पहुँचे, क्षत-विक्षत शव को अपने कंधों पर उठाया और एम्बुलेंस में रखने से पहले उसे 3-4 किलोमीटर तक पैदल चलाया। शव लगभग 40-45 वर्ष की आयु के एक व्यक्ति का होने का संदेह है। पुलिस ने बताया कि हाल ही में, तमिलनाडु का एक निवासी मेंगलूरु बंदरगाह से रवाना हुई एक मछली पकड़ने वाली नाव से गिरकर लापता हो गया था। उसके लापता होने की शिकायत हार्बर पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई थी। अधिकारियों को संदेह है कि बरामद शव उसी व्यक्ति का हो सकता है।

बेंगलूरु के निवासियों ने नागरिक उदासीनता के विरोध में 'गड्ढों के देवता' की पूजा की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु में गड्ढों की बढ़ती संख्या से परेशान, पूर्वी बेंगलूरु के एक नागरिक समूह ने शनिवार को एक पूजा की और प्रार्थना की कि गड्ढे किसी की जान न लें। यह पूजा ऐसे समय में की गई है जब शहर के नगर निकायों ने बेंगलूरु भर में गड्ढे भरने का काम शुरू कर दिया है। हालांकि शहर के अन्य हिस्सों में पहले भी इस तरह के प्रतीकात्मक कार्य किए जा चुके हैं, भारतीनगर निवासी मंच ने गड्ढे को देवता मानकर उसकी पूजा की। लगभग 20-25 सदस्य वेबस्टर रोड पर एकत्र हुए, जहाँ उन्होंने गड्ढे को गुलदाउदी और गुलाब की पंखुड़ियों से सजाया। दिलचस्प बात यह है कि समूह ने पूरे धार्मिक मंत्रोच्चार के साथ इस अनुष्ठान को संपन्न कराने के लिए एक पुजारी को भी नियुक्त किया। निवासी मंच के अध्यक्ष सुरेंद्र रवि ने कहा अकेले कॉक्स टाउन में लगभग 100 गड्ढे हैं, और अब तक की गई मरम्मत घटिया स्तर की रही है। उन्होंने कहा गड्ढे भरने के कुछ ही दिनों के भीतर फिर से उभर आते हैं, जो नगर निगम के काम की घटिया गुणवत्ता को दर्शाता है। यह पैचवर्क वाला तरीका साफ तौर पर कारगर नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि नगर निगम को केवल मीडिया का ध्यान आकर्षित करने और जनता की आलोचना के कारण ही मरम्मत कार्य करने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने कहा यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि प्रशासन केवल तभी कार्रवाई करता है जब विरोध प्रदर्शन होता है, अपनी पहल पर नहीं। रवि ने यह भी बताया कि इलाके के कई लोग गड्ढों के कारण घायल हो चुके हैं। इसके जवाब में, निवासियों ने खुद ही गड्ढा भरने का अभियान शुरू कर दिया है, और अगर नगर निगम के अधिकारी कार्रवाई नहीं करते हैं तो वे इसे जारी रखने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा, हमने हताश होकर 'गड्ढों के देवताओं' की 'होम पूजा' की, यह मानते हुए कि इससे हमें चोट या मौत से बचाया जा सकता है। इसके अलावा, हम जितना हो सके, खुद ही गड्ढे भरते रहेंगे।

बस से गिर कर महिला की मौत

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बुक्कापटना होबली में स्थित मार्गोंडनहल्ली गाँव के पास केएसआरटीसी बस से गिरकर कामक्का (64) नामक एक महिला की मौत हो गई। गुड्डाजोगीहल्ली गाँव निवासी कामक्का अपनी बेटी के घर करेमडेनहल्ली गाँव में एक त्योहार मनाने गई थीं। त्योहार के बाद, वह अपने गृहनगर जा रही थी। चालक ने बस को मार्गोंडनहल्ली के पास उनके उतरने से पहले ही भगा दिया। कामक्का अयाताप्पी बस से गिर गई और बस का पिछला पहिया उनके शरीर पर चढ़ गया। अस्पताल ले जाते समय उनकी मौत हो गई। शिरा नगर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

जिले में अपात्र बीपीएल कार्ड धारकों की पहचान करने की प्रक्रिया में तेजी लाएं: मंत्री

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति, उपभोक्ता मामले और विधिक माप विज्ञान मंत्री के.एच. मुनियप्पा ने अधिकारियों को जिले में अपात्र बीपीएल (गरीबी रेखा से नीचे) कार्डधारकों की पहचान में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं, साथ ही यह भी सुनिश्चित करने को कहा है कि पात्र कार्डधारकों को कोई असुविधा न हो।

मणिपाल स्थित राजथाद्री डीसी कार्यालय सभागार में विभागीय प्रगति समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए, मंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि आर्थिक स्थिति के मामले में कर्नाटक देश में दूसरे स्थान पर है। केंद्र सरकार के एक सर्वेक्षण का हवाला देते हुए, उन्होंने कहा कि राज्य में सात लाख से अधिक अपात्र बीपीएल कार्ड हैं। राज्य सरकार ने ऐसे राशन कार्डधारकों की पहचान करने और उन्हें जल्द से जल्द एपीएल (गरीबी रेखा से ऊपर) कार्डधारकों में बदलने के लिए संशोधन प्रक्रिया शुरू कर दी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि कोई पात्र बीपीएल कार्ड गलती से एपीएल में परिवर्तित हो जाता है, तो लाभार्थी संबंधित दस्तावेज तालुका तहसीलदार को जमा कर सकते हैं, जिसके बाद उनके कार्ड तुरंत बीपीएल स्थिति में वापस कर दिए जाएँगे। मुनियप्पा ने निर्देश दिया कि जिले के सभी अपात्र राशन कार्डों को सरकारी नियमों के अनुसार एपीएल में परिवर्तित किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि राशन का चावल जमाखोरी या अवैध रूप से बेचा पाया गया, तो कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जिले में 295 उचित मूल्य की दुकानें, 1,95,058 अंत्योदय और प्राथमिकता वाले राशन कार्ड हैं और 8,31,846 लाभार्थी इससे लाभान्वित होते हैं। राशन वितरण में उडुपी राज्य में तीसरे स्थान पर है।

उन्होंने बताया कि सितंबर में 40,375.45 क्विंटल चावल वितरित किया गया, जिसमें 78.42 प्रतिशत प्रगति हुई। जिले ने ई-केवाईसी (अपने ग्राहक को जानें) सत्यापन में 99.30 प्रतिशत सफलता प्राप्त कर ली है, और इस प्रक्रिया को पूरा करने के लिए घर-घर जाकर काम किया जा रहा है। सितंबर में 2,950 अपात्र राशन कार्डों की पहचान की गई, जिनमें से 2,739 को गैर-प्राथमिकता वाले कार्डों में परिवर्तित कर दिया गया। शेष 211 कार्डों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाने का निर्देश दिया गया है। प्राथमिकता वाले राशन कार्डों के लिए कुल 13,947 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 13,412 का निपटारा कर दिया गया है और 535 लंबित हैं। गैर-प्राथमिकता वाले राशन कार्डों के लिए 12,332 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 10,294 का निपटारा कर दिया गया और 2,038 लंबित हैं। मंत्री ने निर्देश दिए कि इन लंबित आवेदनों का जल्द से जल्द निपटारा किया जाए। आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत, जिले में नौ मामले दर्ज किए गए, जिनमें 200.95 क्विंटल चावल और तीन वाहन जब्त किए गए और कुल 2 लाख रुपये का जुर्माना वसूला गया। मंत्री ने विधिक माप विज्ञान विभाग के अधिकारियों को जिले में दुकानों, मॉल और पेट्रोल पंपों का लगातार निरीक्षण कर नाप-तोल की जाँच करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा उपभोक्ता हितों की रक्षा करना प्रत्येक अधिकारी का प्राथमिक कर्तव्य है। अधिकारियों को अपनी जिम्मेदारियों के प्रति सचेत रहना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि दैनिक लेन-देन में उपभोक्ताओं के साथ धोखाधड़ी न हो। बैठक में डिप्टी कमिश्नर स्वरूप टी के, अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर आबिद गफूर, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति उपनिदेशक रश्मि, दक्षिण कन्नड़ उपनिदेशक अनीता मदलुरू, विधिक माप विज्ञान विभाग के अधिकारी, खाद्य निरीक्षक और अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

बेंगलूरु मेट्रो के यात्री व्हाट्सऐप टिकटिंग में गड़बड़ी से परेशान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु मेट्रो के यात्रियों को शुक्रवार को परेशानी का सामना करना पड़ रहा, क्योंकि व्हाट्सऐप टिकटिंग सिस्टम में खराबी आने के बाद एक पॉप-अप संदेश दिखाई दे रहा था कि सेवा मेंटेनेंस चल रहा है। इस रुकावट के कारण कई यात्री, जो इस सुविधा का आसानी से इस्तेमाल करने के लिए इस पर निर्भर हैं, टिकट के लिए काउंटरों पर कतार में लग गए।

कई लोगों के लिए, व्हाट्सऐप चैटबॉट टिकट बुक करने का पसंदीदा तरीका रहा है क्योंकि इससे कतार में लगने से छुटकारा मिलता है और इसके लिए रोजाना मेट्रो कार्ड इस्तेमाल करने की जरूरत नहीं होती। हालाँकि, इस गड़बड़ी के बाद से यात्रियों को मैन्युअल खरीदारी करने पर मजबूर होना पड़ रहा है। एक साल से ज्यादा समय से इस सेवा का इस्तेमाल कर रहे एक यात्री जयदेव बोलर ने कहा मैं आमतौर पर हफ्ते में तीन दिन पीन्या से इन्फैंट्री रोड जाता हूँ। चूँकि मैं रोजाना मेट्रो का इस्तेमाल नहीं करता, इसलिए व्हाट्सऐप टिकटिंग सबसे सुविधाजनक विकल्प है। लेकिन शुक्रवार सुबह से यह काम करना बंद कर दिया और मुझे टिकट लेने के लिए लंबी कतार में खड़ा होना पड़ा। जब यात्री व्हाट्सऐप टिकटिंग चैटबॉट का उपयोग करने का प्रयास करते हैं, तो उन्हें स्वचालित संदेश प्राप्त होता है कि यह सेवा वर्तमान में रखरखाव के अधीन है। हम जल्द ही वापस आएंगे। बेंगलूरु मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीएमआर-सीएल) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने स्पष्ट किया कि समस्या निगम की ओर से उत्पन्न नहीं हुई थी। अधिकारी ने कहा समस्या बीएमआरसीएल से नहीं, बल्कि व्हाट्सऐप से संबंधित है। हमें बताया गया है कि यह रखरखाव से संबंधित है, और हमें उम्मीद है कि इसे जल्द से जल्द हल कर लिया जाएगा। नवंबर 2022 में अपनी शुरुआत के बाद से, व्हाट्सऐप टिकटिंग बीएमआर-सीएल की एक प्रमुख पहल रही है। निगम ने दावा किया था कि नम्मा मेट्रो दुनिया की पहली परिवहन प्रणाली है जिसने चैटबॉट-आधारित क्यूआर टिकटिंग सेवा शुरू की है। यह चैटबॉट यात्रियों को अंग्रेजी और कन्नड़ में बातचीत करने, क्यूआर टिकट खरीदने, मेट्रो कार्ड रिचार्ज करने, किराए की जानकारी प्राप्त करने, यात्रा की योजना बनाने और प्रस्थान समय जानने का विकल्प प्रदान करता है।

स्वस्थ बच्चियां स्वस्थ भविष्य का निर्माण कर सकती हैं: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

स्वास्थ अपना गहना होता है। स्वस्थ मन में अच्छा स्वास्थ निवास करता है। स्वस्थ मन नकारात्मकता से दूर रहता है और आसपास का अवांछनीय वातावरण भी हम पर कोई प्रभाव नहीं डाल सकता है। श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान एवं साध्वी श्री शशिप्रभा जी के सान्निध्य में जैन भवन में आयोजित डिजाइन योर लाइफ शिविर के दूसरे दिन साध्वी श्री वृद्धिप्रभा ने उपरोक्त विचार व्यक्त करते हुए कहा कि स्वस्थ बच्चियां स्वस्थ भविष्य का निर्माण कर सकती हैं। उन्होंने शिविरार्थियों की शंकाओं और प्रश्नों का समाधान भी दिया। साध्वी ऋद्धिप्रभा जी ने इस अवसर पर अंत्याक्षरी का निर्देशन करते हुए भगवान महावीर की माता त्रिशला द्वारा यह देखे गए 14 स्वप्नों को सरलता से समझाया। उन्होंने क्रोध के दुष्परिणामों को बताया और शांत मन का महत्व भी बताया। इससे पूर्व योगा प्रशिक्षक सुनीता मांडोत ने शिविरार्थियों को सरल योग आसान कराए और योग का महत्व बताया। अलसूर संघ के अध्यक्ष धनपत राज बोहरा एवं मंत्री अभय कुमार बांठिया ने शिविर का निरीक्षण किया।

मद्दुर में हुए दंगे जिला प्रशासन और पुलिस विभाग की नाकामी का नतीजा: अश्वथनारायण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मद्दुर में 34 सालों से गणपति उत्सव मनाया जा रहा है और एक साल भी कोई झड़प नहीं हुई। भाजपा के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता अश्वथनारायण ने आरोप लगाया है कि पिछले साल दिसंबर में एक मस्जिद के अवैध निर्माण के बाद दंगे भड़के थे। अवैध मस्जिद के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। अमानवीय व्यवहार करने वाले पुलिसवालों पर भी कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने मांग की है कि सरकार घायलों को मुआवजा दे।

उन्होंने मल्लेश्वरम स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र को तथ्यान्वेषी समिति की रिपोर्ट सौंपने के बाद मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि दंगा भड़काने के इरादे से स्ट्रीट लाइटें बंद कर दीं। उन्होंने गणपति जुलूस के लिए बिना किसी तैयारी के गैर-जिम्मेदाराना कार्रवाई करने के लिए पुलिस की आलोचना की। उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि पुलिस ने शांतिपूर्वक चल रहे जुलूस पर अचानक लाठीचार्ज कर दिया। उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट है कि जिला प्रशासन और पुलिस विभाग की नाकामी इसका सीधा कारण है। मांड्या जिले के मद्दुर स्थित राम-रहीम नगर में 34 वर्षों से गणपति प्रतिमाओं की स्थापना और विसर्जन होता आ रहा है। 7 सितंबर को जब हिंदू गणपति उत्सव चल रहा था, पुलिस ने जुलूस से अनुरोध किया था कि वे नवनिर्मित मस्जिद के सामने से गुजरते समय संगीत या बैंड-बाजे न बजाएँ। तदनुसार, कार्यकर्ता चुपचाप आगे बढ़ रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि वहाँ की हाई-मास्ट स्ट्रीट लाइट 7.20 बजे बंद कर दी गई थी। अचानक मस्जिद से पथराव किया गया। उन्होंने बताया कि तनाव-पूर्ण माहौल बन गया था और पुलिस ने गणपति उत्सव में जा रहे कार्यकर्ताओं पर जोरदार लाठीचार्ज किया था। पुलिस ने गणपति की मूर्ति को अपने कब्जे में ले लिया था और पुलिस ने स्वयं गणपति का विसर्जन किया था। उन्होंने सड़क पर चल रहे लोगों पर भी लाठीचार्ज किया और अगले दिन कार्यकर्ताओं ने मद्दुर बंद का आह्वान किया। जिले के प्रभारी मंत्री चालुवरायस्वामी ने एक गैर-जिम्मेदाराना बयान दिया था। उन्होंने आलोचना की कि उन्होंने इन सभी घटनाओं के लिए भाजपा को जिम्मेदार बताया था। उन्होंने कहा कि उन्होंने कहीं बयान दिया था कि आरएसएस और बजरंग दल जिम्मेदार हैं। फिर उन्होंने सामूहिक गणपति विसर्जन किया। उस मस्जिद का हिस्सा रहे आदिल नाम के एक मुस्लिम नेता ने सीधे तौर पर कहा था कि इस घटना के लिए मुस्लिम युवा जिम्मेदार हैं। बाद में चालुवरायस्वामी ने भी कहा कि यह मुसलमानों की गलती थी। उन्होंने आपत्ति जताई कि मंत्री ने इस तरह से गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार किया है। प्रदेश अध्यक्ष ने एक तथ्य-खोजी समिति बनाई थी जिसमें मैं, सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी भास्कर राव, वेंकटेश दोड्डेरी, विजयप्रसाद, डॉ. एन.एस. इंद्रेश, कु. मंजुला और नेता स्वामी गौड़ा शामिल थे। उन्होंने कहा कि हम उस जगह का दौरा कर चुके हैं।

संकल्प मजबूत हो तो विकल्पों से मुक्ति मिलती है: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने कहा कि संकल्प मजबूत हो तो विकल्पों से मुक्ति मिलती है। श्रावक जयमल ने आचार्य भूधर के प्रवचन को सुन आजीवन कठोर ब्रह्मचर्य व्रत पालन का भीष्म संकल्प ले लिया था। उस समय उनकी उम्र मात्र 22 साल थी, और विवाह भी हो गया था। परन्तु उन्होंने यह जान लिया था कि यौवन की ऊर्जा को शासन प्रभावना में लगाना है। मन वचन और काया से शुद्ध ब्रह्मचर्य पालन से 180 उपवास का फल मिलता है और ब्रह्मचारी श्रेष्ठ अभयदान दाता होता है। प्रवचन के प्रारंभ में साध्वी श्री ऋद्धिप्रभा जी ने कहा कि संकल्प शौर्य का प्रतीक और मन की दृढ़ता का परिचय होता है। संकल्प हमारे सहनशक्ति की परीक्षा होती है। मन वचन की स्थिरता संकल्प पूर्ति के लिए जरूरी होती है। जमीन में पड़ा बीज बहुत सहन कर ही वट वृक्ष बनता है। दृढ़ संकल्प से असंभव भी संभव हो जाता है। संकल्प से मन की एकाग्रता भी बढ़ती है। अलसूर संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन करते हुए संघ तत्वावधान में बालिकाओं के लिए चल रहे शिविर का परिचय देते हुए बताया कि शिविर में बच्चियों को शौर्य और विनय की शिक्षा दी जा रही है और उन्हें संस्कार संपन्न बनाया जा रहा है। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया। साध्वी श्री शशिप्रभा जी ने मंगल पाठ सुनाया।

वेंकटपुरा में अस्थिर आवासीय इमारत को ध्वस्त करने का नगर निकाय ने दिया आदेश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कोरमंगला के वेंकटपुरा में एक आवासीय इमारत, जिसे निर्माण नियमों के उल्लंघन के लिए नगर निगम अधिकारियों द्वारा कई नोटिस जारी किए गए थे, अब अपने भूतल पर दरारें पड़ने के बाद झुक गई है। इमारत के मालिक ने अब इसे गिराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पिछले साल, नियमित निरीक्षण के दौरान, कोरमंगला उप-विभाग ने साइट संख्या 17/बी पर शांतम्मा नामक एक निर्माणाधीन इमारत की पहचान की थी। 2 अगस्त, 2024 को बीबीएमपी अधिनियम, 2020 (जिसे ग्रेटर बेंगलूरु गवर्नेंस एक्ट द्वारा प्रतिस्थापित किया गया है) की धारा 313 के तहत एक नोटिस जारी किया गया, जिसमें स्वीकृत भवन योजना और अन्य प्रासंगिक दस्तावेज मांगे गए। चूँकि मालिकों ने आवश्यक दस्तावेज जमा नहीं किए, इसलिए इमारत को अनधिकृत माना गया। इसके बाद, 13 अगस्त, 2024 को बीबीएमपी अधिनियम की धारा 248(1) और 248(2) के तहत एक अनंतिम आदेश और कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।

बार-बार नोटिस देने के बावजूद, मालिकों ने न तो तोड़फोड़ शुरू की और न ही कोई संतोषजनक स्पष्टीकरण दिया। 23 सितंबर, 2024 को, मालिकों ने एक वास्तुकार के मार्गदर्शन में इमारत को गिराने के लिए कुछ महीनों का समय माँगा, यह आश्वासन देते हुए कि आस-पास की इमारतें प्रभावित नहीं होंगी। निगम ने इस अनुरोध के आधार पर कार्रवाई स्थगित कर दी। एक साल से भी ज्यादा समय बाद, गुरुवार को, मालिकों ने इमारत की नींव में दिखाई देने वाली दरारों की सूचना देते हुए एक और पत्र प्रस्तुत किया और इमारत को सुरक्षित रूप से स्वयं गिराने की अनुमति मांगी।

स्थल निरीक्षण के बाद, सहायक कार्यकारी अभियंता कार्यालय ने इमारत को गिराने की सशर्त मंजूरी दे दी। मालिकों ने अब स्वेच्छा से अपने खर्चे पर इमारत को गिराना शुरू कर दिया है। अधिकारी यह सुनिश्चित करने के लिए काम की निगरानी कर रहे हैं कि आस-पास के निवासियों को कोई असुविधा या नुकसान न हो। निगम ने चेतावनी दी है कि अगर इमारत को गिराने में देरी होती है या उसे अधूरा छोड़ दिया जाता है, तो वह कानूनी प्रक्रियाओं के माध्यम से इमारत को गिराएगा।

प्रभारी मंत्री प्रियांक खड़गे ने बाढ़ प्रभावित इलाकों का किया दौरा

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिले के प्रभारी मंत्री प्रियांक खड़गे ने शनिवार को चित्तपुर तालुका के बारिश और बाढ़ प्रभावित हेब्बल गाँव का दौरा किया और स्थिति का जायजा लिया। इस अवसर पर, उन्होंने अधिकारियों को बारिश में गिरे घरों का निरीक्षण करने, क्षतिग्रस्त घरों का सर्वेक्षण करने और तुरंत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। जब ग्रामीणों ने हाले हेब्बल गाँव के विस्थापन के संबंध में मंत्री के समक्ष अपनी माँग रखी, तो मंत्री ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि बारिश थोड़ी कम होने के बाद वे फिर से गाँव का दौरा करेंगे और माँग की गहन समीक्षा करेंगे। यह कहते हुए कि वे गाँव के विस्थापन के लिए तैयार हैं, मंत्री ने ग्रामीणों को सलाह दी कि वे तय करें कि कितने परिवारों को स्थानांतरित किया जाना चाहिए। इस बीच, उन्होंने मौके पर मौजूद अतिरिक्त उपायुक्त रायप्पा हुनसागी और ए.सी. साहित्य को ग्रामीणों के साथ ग्राम सभा आयोजित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कलगी तहसीलदार को ग्रामीणों को आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। लगातार बारिश के कारण

बेनेथोरा जलाशय का पानी ओवरफ्लो हो गया, जिससे ओल्ड हेब्बल गाँव में पानी घुस गया। ग्रामीणों को अस्थायी रूप से एक देखभाल केंद्र में स्थानांतरित कर दिया गया और उन्हें भोजन और आवास प्रदान किया गया।

बेंगलूरु मंडल में सुरक्षा संगोष्ठी का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु मंडल के सुरक्षा विभाग ने शनिवार को बेंगलूरु में एक सुरक्षा संगोष्ठी का आयोजन किया। मंडल के मंडल रेल प्रबंधक आशुतोष कुमार सिंह ने इस संगोष्ठी का उद्घाटन किया। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा बेंगलूरु मंडल में बुनियादी ढाँचे के विकास के लिए बढ़ते प्रयासों के साथ-साथ दोहरीकरण, चौगुनीकरण, उपनगरीय रेल विकास आदि से संबंधित कार्यों में तेजी आ रही है, कार्यस्थल सुरक्षा, ट्रैक और व्यक्तिगत सुरक्षा, केबल कट, सिग्नल विफलता आदि के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूकता सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र बन गए हैं जिन पर ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने बेंगलूरु मंडल के सुरक्षा विभाग को इतने बड़े पैमाने पर संगोष्ठी आयोजित करने, सभी हितधारकों को शामिल करने और विविध विषयों को शामिल करने के लिए बधाई दी। सेमिनार में केआरआईडीई, निर्माण, गति शक्ति इकाई, आरवीएनएल, आरपीपीएल सहित विभिन्न एजेंसियों और बेंगलूरु मंडल के इंजीनियरिंग, परिचालन, कर्षण वितरण, सिग्नल और दूरसंचार सहित कई विभागों के 350 से अधिक कर्मचारियों ने भाग लिया और 12 से अधिक विभिन्न सुरक्षा संबंधी विषयों पर सार्थक चर्चा की। अपर मंडल रेल प्रबंधक (संचालन) परीक्षित मोहनपुरिया, अपर मंडल रेल प्रबंधक (सामान्य) प्रवीण कटारकी, वरिष्ठ मंडल सुरक्षा अधिकारी सुदर्शन भट्ट, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (समन्वय) राजीव शर्मा, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक (समन्वय) प्रिया, वरिष्ठ मंडल सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर सतीश सी., वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (टीआरडी) सुरेंद्रनाथ और अन्य वरिष्ठ अधिकारी सेमिनार के दौरान उपस्थित थे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री विनायक भक्त मंडली महागणपति नगर द्वारा आयोजित 36वें वार्षिक उत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने भगवान गणेश के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं जरूरतमंद बच्चों में शिक्षण सामग्री वितरित की। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

सोशल मीडिया पर टीआरएफ का दुष्प्रचार गंभीर खतरा: उपराज्यपाल

जम्मू, 27 सितंबर (ब्यूरो)।

जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शनिवार को चेतावनी दी कि अगर सोशल मीडिया पर आतंकवादी प्रतिरोध मोर्चा (टीआरएफ) द्वारा फैलाई जा रही बातों पर लगाम नहीं लगाई गई तो यह एक गंभीर खतरा बन सकती है। श्रीनगर के टैगोर हाल में एक कार्यक्रम में बोलते हुए उपराज्यपाल सिन्हा ने जम्मू कश्मीर के लोगों से शांति और स्थिरता की रक्षा के लिए आतंकवादी दुष्प्रचार के खिलाफ एकजुट होने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि टीआरएफ के आनलाइन संदेशों का जमीनी स्तर पर सीधा असर पड़ता है और इसे नजरअंदाज करना खतरनाक होगा। उन्होंने कहा कि अगर टीआरएफ के सोशल मीडिया पर इस तरह की बातें फैलाई जा रही हैं और हम चुप रहते हैं, तो यह खतरनाक है। हमें इस पर ध्यान देना चाहिए।

इस बात पर जोर देते हुए कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई सिर्फ सुरक्षा बलों की जिम्मेदारी नहीं है, उन्होंने कहा कि नागरिकों को भी सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि आतंकवाद के कारण 40 हजार से ज्यादा जानें जा चुकी हैं। इसे न सिर्फ सुरक्षा बलों द्वारा, बल्कि नागरिकों द्वारा भी पूरी तरह से जड़ से उखाड़ फेंकना होगा। उन्होंने कहा कि इसके लिए लोगों को आगे आना होगा। जम्मू कश्मीर में आए बदलाव पर प्रकाश डालते हुए, उपराज्यपाल सिन्हा ने कहा कि पत्थरबाजी अब इतिहास बन गई है और स्थानीय स्तर पर आतंकवादियों की भर्ती में भारी गिरावट आई है। उन्होंने कहा कि जब भी किसी परिवार में फूट पड़ती है, तो हमें अपने घर को व्यवस्थित करने की कोशिश करनी चाहिए।

उन्होंने यह भी कहा कि अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद हुए बदलाव जम्मू कश्मीर की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हैं। उन्होंने आगे कहा कि पहाड़ी समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देना और वन अधिकार अधिनियम को लागू करना सरकार की न्याय और समावेशिता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि अब पहाड़ी समुदाय को समान अधिकार दिए जा रहे हैं। इस समुदाय को कोई नहीं रोक सकता। उनका जो अधिकार है, वह उन्हें दिया जाएगा। उपराज्यपाल ने आगे कहा कि देश भर में, खासकर पूर्वोत्तर में, आतंकवाद और वामपंथी उग्रवाद में उल्लेखनीय कमी आई है और उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नक्सलवाद का भी जल्द ही सफाया हो जाएगा। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर लंबे समय से पीड़ित रहा है। आतंकवाद का अंत जरूरी है। सुरक्षा एजेंसियां अपना काम कर रही हैं और हमें नागरिकों के रूप में जिम्मेदारी से पेश आना चाहिए और किसी भी गलत गतिविधि में शामिल नहीं होना चाहिए।

नासा–इसरो निसार उपग्रह ने पृथ्वी की सतह की पहली रडार तस्वीरें भेजीं

चेन्नई, 27 सितंबर (एजेंसियां)।

निसार (नासा–इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार) पृथ्वी–अवलोकन रडार उपग्रह ने पृथ्वी की सतह की पहली तस्वीरें ली हैं।

नासा के कार्यवाहक प्रशासक सीन डफी ने कहा, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के नेतृत्व में हमारे ग्रह की सतह की ये तस्वीरें भविष्य की एक झलक पेश करती हैं क्योंकि नासा और इसरो (भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन) का संयुक्त मिशन इस साल के अंत में अपने पूर्ण वैज्ञानिक संचालन के करीब पहुँच रहा है। भारत के साथ मिलकर लॉन्च किए गए निसार की पहली तस्वीरें इस बात का प्रमाण हैं कि जब हम नवाचार और खोज के एक साझा दृष्टिकोण के लिए एकजुट होते हैं तो क्या हासिल किया जा सकता है । यह तो बस शुरुआत है।

उन्होंने कहा, नासा अतीत और वर्तमान की अविश्वसनीय वैज्ञानिक प्रगति पर आगे बढ़ता रहेगा क्योंकि हम स्वर्ण मानक विज्ञान के माध्यम से अपने देश के अंतरिक्ष प्रभुत्व को बनाए रखने के अपने लक्ष्य का पीछा कर रहे हैं।

इसरो द्वारा 30 जुलाई को प्रक्षेपित किए गए अंतरिक्ष यान से प्राप्त चित्र, उस विस्तृत स्तर को प्रदर्शित करते हैं जिसके साथ निसार पृथ्वी का स्कैन करता है और आपदा प्रतिक्रिया,

बुनियादी ढाँचे की निगरानी और कृषि प्रबंधन सहित विविध क्षेत्रों में निर्णयकर्ताओं को अद्वितीय, कार्रवाई योग्य जानकारी प्रदान करता है।

नासा के सहायक प्रशासक अमित क्षत्रिय ने कहा, यह समझकर कि हमारा गृह ग्रह कैसे काम करता है, हम अपने सौर मंडल और उससे आगे के अन्य ग्रहों के काम करने के तरीके के मॉडल और विश्लेषण तैयार कर सकते हैं, क्योंकि हम मानवता को चंद्रमा और मंगल ग्रह की एक महाकाव्य यात्रा पर भेजने की तैयारी कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, निसार से इन पहली तस्वीरों का सफलतापूर्वक लिया जाना इस बात का एक उल्लेखनीय उदाहरण है कि कैसे दुनिया के विपरीत छोर पर स्थित दो देशों के बीच साझेद–ारी और सहयोग सभी के लाभ के लिए मिलकर महान उपलब्धियाँ प्राप्त कर सकते हैं।

स्वदेशी 4जी नेटवर्क की लॉन्चिंग का कार्यक्रम देश के लिए महत्वपूर्ण अवसर: मांडविया

गांधीनगर, 27 सितंबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय श्रम, रोजगार, युवा मामले और खेल मंत्री मनसुखभाई मांडविया ने शनिवार को गुजरात के गांधीनगर में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के करकमलों से स्वदेशी 4जी नेटवर्क की लॉन्चिंग का कार्यक्रम देश के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण अवसर है।

श्री मांडविया ने कहा कि इसके अलावा, आज बीएसएनएल की 25वीं वर्षगांठ का उत्सव भी मनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के स्वप्न को साकार करने वाला यह कार्यक्रम स्वदेशी विचार और राष्ट्रीय गौरव का विषय है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश बदल रहा है, लगातार आगे बढ़ रहा है और एक नए भारत का निर्माण हो रहा है। उन्होंने कहा कि जब हम विकसित भारत के मार्ग पर आगे बढ़ते हैं, तब हम केवल एक क्षेत्र में ही नहीं, बल्कि अनेक क्षेत्रों में हमारी आत्मनिर्भरता के भागीदार बनते हैं। एक समय ऐसा भी था जब भारत रक्षा के लिए दुनिया से बंदूक की गोलियों का भी आयात करता था जबकि आज देश के रक्षा उपकरण दुनिया को निर्यात किए जा रहे हैं।

इसके अलावा, जब देश में टीके की आवश्यकता थी और टीके का अनुसंधान वैश्विक स्तर पर किया जाता था और अनुसंधान के बाद वे टीके कम से कम पांच से दस वर्ष के बाद देश में आते थे। लेकिन कोविड काल के दौरान 16 जनवरी, 2021 को दुनिया में टीके की पहली खुराक देने के एक महीने के भीतर ही भारतीय वैज्ञानिकों द्वारा अनुसंधान कर लिया गया था। भारतीय कंपनियों द्वारा उत्पादित एक नहीं बल्कि दो टीके देश में लगाए जा रहे थे, जिसने दुनिया को बहुत बड़ा संदेश दिया था।

केंद्रीय मंत्री ने टेक्नोलॉजी के विषय में कहा कि देश को आगे बढ़ाने में डिजिटल टेक्नोलॉजी का योगदान काफी महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री के डिजिटल इंडिया विजन के अंतर्गत देश भर में अनेक 4जी टावर लगाए गए हैं। भारत की भौगोलिक परिस्थिति के बारे में उन्होंने कहा कि देश में तीन हजार

किलोमीटर लंबी हिमालय की पर्वतमाला है, सात हजार किलोमीटर से अधिक समुद्री तट और कच्छ एवं राजस्थान में विशाल रेगिस्तान भी है। देश में एक ही समय के दौरान एक स्थान पर बर्फ गिरती है, तो उसी समय दूसरे स्थान पर तापमान 50 डिग्री होता है तथा दूसरे स्थानों पर बारिश भी होती है। इस प्रकार, देश में ऐसे विविधतायुक्त वातावरण में भी हमारी स्वदेशी टेक्नोलॉजी बहुत उपयोगी हो सकती है।

श्री मांडविया ने कहा कि डिजिटल इंडिया का अर्थ यह है कि देश के किसान अपने खेतों में खड़े होकर अपने मोबाइल फोन पर मौसम का नक्शा देख सकते हैं और यह भी जान सकते हैं कि देश के किस बाजार में उनकी फसल की मौजूदा कीमत क्या है। इसके अलावा, हमारे लाखों मछुआरे समुद्र में जाते हैं, तब मौसम की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है। डिजिटल टेक्नोलॉजी की मदद से समुद्र में मौसम की जानकारी तथा मछली पकड़ने की क्षमता जैसे विषयों पर मार्गदर्शन मिल सकता है।

इसके अतिरिक्त, देश में अनेक वन क्षेत्र और आदिवासी क्षेत्र भी हैं। गुजरात के डांग जैसे दूरस्थ जिलों में भी बच्चे डिजिटल टेक्न–ोलॉजी का उपयोग करके प्राथमिक या माध्यमिक स्कूलों में पढ़ाई कर सकेंगे। इस प्रकार, डिजिटल टेक्नोलॉजी जीवन में बदलाव लाने में मदद कर सकती है।

शरीफ ने संयुक्त राष्ट्र के मंच पर फिर बेतुकी नौटकी की आतंकवाद का महिमा मंडन किया: भारत

संयुक्त राष्ट्र, 27 सितंबर (एजेंसियां)।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ के भाषण को 'बेतुकी नाटकी' बताते हुए शनिवार को कहा कि पड़ोसी मुल्क ने एक बार फिर आतंकवाद का महिमामंडन किया है जो उसकी विदेश नीति का मुख्य हथियार बन चुका है।

आपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तानी सेनाओं की बहादुरी और भारत को क्षति पहुंचाने की श्री शरीफ के दावों का उपहास करते हुए भारत ने कहा, अगर नष्ट हुए रनवे और जले हुए हैंगर जीत की तरह लगते हैं, जैसा कि प्रधानमंत्री ने दावा किया है, तो पाकिस्तान इसका आनंद ले सकता है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री के भाषण का प्रत्युत्तर देने के अधिकार का प्रयोग करते हुए भारतीय राजनयिक पेटल गहलोत ने सभा के अध्यक्ष को संबोधित तीखे जवाब में कहा, इस सभा में सुबह पाकिस्तान के प्रधानमंत्री की बेतुकी नौटंकी देखने को मिली, जिन्होंने एक बार फिर आतंकवाद का महिमामंडन किया, जो उनकी विदेश नीति का केंद्र बिंदु है। सुश्री गहलोत ने कहा कि पाकिस्तान अगर सचमुच ईमानदार है तो वह आतंकवाद का निर्यात और आतंकवादियों को पनाह देना बंद करे और वांछित आतंकवादियों को भारत को सौंपे।

सुश्री गहलौत ने कहा कि धार्मिक उन्माद और कट्टर सोच वाले पाकिस्तान के मुंह से भारत के हिंदुत्व पर कुछ कहना कदापि शोभा नहीं देता। उन्होंने कहा कि भारत आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने को संकल्पबद्ध है और वह अपनी कार्रवाई में आंतकवादियों और उनको पालने पोशने वालों में कोई फर्क नहीं करेगा और न ही परमाणु बम की धमकी में आएगा।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान किसी स्तर पर भी नाटक ओर झूठ का सहारा लेकर सच्चाई को छुपा नहीं सकता। यह वही पाकिस्तान है जिसने गत 25 अप्रैल को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में, जम्मू–कश्मीर में पर्यटकों के बर्बर नरसंहार की ज़िम्मेदारी से पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादी संगठन 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' को बचाया था। उन्होंने कहा कि आतंकवाद को शह देने और प्रयोजित करने की परंपरा में आकंठ डूबे पाकिस्तान के प्रधानमंत्री को पहलगाम आतंकवादी हमले पर अपने मंसूबों को पूरा करने के लिए सबसे हास्यास्पद आख्यान गढ़ने में कोई शर्म नहीं आती।

सुश्री गहलोत ने कहा कि एक तरफ तो पाकिस्तान दुनिया से कहता रहा कि वह आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में सहयोग दे रहा है दूसरी तरफ उसने एक दशक तक ओसामा बिन लादेन को पनाह देता रहा। भारतीय राजनयिक ने कहा, पाकिस्तान के मंत्रियों ने हाल ही में स्वीकार किया है कि वे दशकों से आतंकवादी शिविर चला रहे हैं। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि एक बार फिर, यह दोहरा मपदंड जारी है, इस बार उसके प्रधानमंत्री के स्तर पर।

मई में सैन्य संघर्ष में पाकिस्तान की जीत के बारे में श्री शरीफ के बड़बोलेपन के जवाब में भारतीय राजनयिक ने कहा, एक तस्वीर हज़ार शब्द बयां करती है और हमने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बहावलपुर और मुरीद के आतंकी ठिकानों में भारतीय सेना द्वारा मारे गए आतंकवादियों की कई तस्वीरें देखीं। जब वरिष्ठ पाकिस्तानी सैन्य और असैन्य अधिकारी सार्वजनिक रूप से ऐसे कुख्यात आतंकवादियों का महिमामंडन और श्रद्धांजलि देते हैं, तो क्या इस शासन की प्रवृत्ति पर कोई संदेह हो सकता है?

आपरेशन सिंदूर पर प्रधानमंत्री शरीफ के वक्तव्य को विचित्र विवरण बताते हुए सुश्री गहलोत ने कहा, इस मामले में रिकॉर्ड स्पष्ट है।

नौ मई तक, पाकिस्तान भारत पर और हमले करने की धमकी दे रहा था। लेकिन 10 मई को उसकी सेना ने हमसे सीधे लड़ाई बंद करने की गुहार लगाई। बीच की घटना भारतीय सेना द्वारा कई पाकिस्तानी हवाई अड्डों को नष्ट करना था। उस नुकसान की तस्वीरें, ज़ाहिर है, सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हैं। अगर नष्ट हुए रनवे और जले हुए हैंगर जीत की तरह लगते हैं, जैसा कि प्रधानमंत्री ने दावा किया है, तो पाकिस्तान इसका आनंद ले सकता है।

उन्होंने कहा, सच्चाई यह है कि अतीत की तरह, पाकिस्तान भारत में निर्दोष नागरिकों पर हुए आतंकवादी हमले के लिए ज़िम्मेदार है। हमने ऐसी कार्रवाइयों के ख़िलाफ़ अपने लोगों की रक्षा करने के अधिकार का प्रयोग किया है और आयोजकों और अपराधियों को न्याय के कटघरे में खड़ा किया है।'

उन्होंने कहा कि अगर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री भारत के साथ शांति की अपनी बात को लेकर सचमुच ईमानदार हैं, तो रास्ता साफ़ है। पाकिस्तान को तुरंत सभी आतंकवादी शिविरों को बंद करना चाहिए और भारत में वांछित आतंकवादियों को हमें सौंप देना चाहिए।

सुश्री गहलोत ने कहा, यह भी विडंबना है कि एक ऐसा देश जो नफ़रत, कट्टरता और असहिष्णुता में डूबा हुआ है, इस सभा को आस्था के मामलों पर उपदेश दे रहा है।

पाकिस्तान का राजनीतिक और सार्वजनिक विमर्श उसके असली स्वरूप को दर्शाता है। स्पष्ट रूप से, उन्हें आईने में देखने की बहुत देर हो चुकी है।'

भारत और पाकिस्तान के बीच बातचीत में किसी तीसरे पक्ष की भूमिका को स्वीकार न करने की भारत की स्पष्ट नीति को रेखांकित करते हुए भारतीय राजनयिक ने कहा, भारत और पाकिस्तान लंबे समय से इस बात पर सहमत हैं कि उनके बीच किसी भी लंबित मुद्दे को द्विपक्षीय रूप से सुलझाया जाएगा। इस संबंध में किसी तीसरे पक्ष के लिए कोई जगह नहीं है। यह हमारा दीर्घकालिक राष्ट्रीय मत है।

सुश्री गहलोत ने कहा, जहां तक आतंकवाद का सवाल है, हम स्पष्ट कर रहे हैं कि आतंकवादियों और उनके प्रायोजकों के बीच कोई भेद नहीं किया जाएगा। दोनों को जवाबदेह ठहराया जाएगा। न ही हम परमाणु ब्लैकमेल की आड़ में आतंकवाद को बढ़ावा देने की अनुमति देंगे। भारत ऐसी धमकियों के आगे कभी नहीं झुकेगा। दुनिया के लिए भारत का संदेश स्पष्ट है कि आतंकवाद के प्रति ज़ीरो टॉलरेंस होना चाहिए।

पर्यटन और सतत परिवर्तन पर देश ने मनाया विश्व पर्यटन दिवस

नई दिल्ली, 27 सितंबर (एजेंसियां)।

सरकार ने 'पर्यटन और सतत परिवर्तन'की थीम पर शनिवार को विश्व पर्यटन दिवस मनाया और कहा कि विकसित भारत 2047 के मद्देनजर दृष्टिकोण ऐसे पर्यटन क्षेत्र को विकसित करने पर केंद्रित होना चाहिए जिसमें हरित, समावेशी और सुरक्षित भविष्य के लिए जन भागीदार के साथ सांस्कृतिक और प्राकृतिक संपदा को दुनिया के सामने प्रदर्शित करने का संकल्प हो।

इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम में सरकार के साथ ही उद्योग, शिक्षा जगत और नागरिक समाज के प्रतिष्ठित हितध–ारकों ने हिस्सा लिया और सांस्कृतिक आदान–प्रदान को बढ़ावा देने, आर्थिक विकास को गति देने और पर्यटन में लगातार प्रथाओं को आगे बढ़ाने के प्रति देश की प्रतिबद्धता को जताया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के पूरे हुए 100 साल, साल भर चलने वाला शताब्दी समारोह शुरू

नागपुर, 27 सितंबर (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरए–सएस) के स्थापना के 100 वर्ष शनिवार को पूरे हो गये। डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने 17 सहयोगियों के साथ मिलकर 27 सितंबर, 1925 को विजयादशमी के पावन अवसर पर संघ की स्थापना की थी।

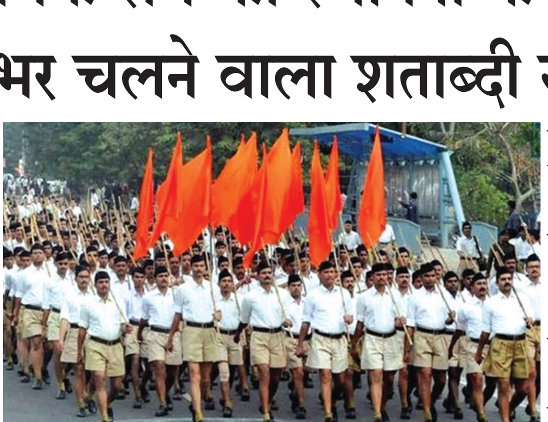

संघ अब देशभर में 83,000 से अधिक शाखाओं और लाखों स्वयंसेवकों के साथ देश के सबसे बड़े सांस्कृतिक निकाय के रूप में विकसित हो चुका है।

आरएसएस की उत्पत्ति नागपुर के महल स्थित हेडगेवार वाड़ा से मानी जाती है। डॉ. हेडगेवार ने हिंदुओं में एकता, अन–ुशासन और चरित्र निर्माण को बढ़ावा देने के लिए इस संगठन की कल्पना की थी।

वर्ष 1926 में विचार–विमर्श के बाद जरीपटका मंडल और भारतोद्धारक मंडल जैसे विकल्पों को हराकर मतदान के माध्यम से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ नाम को अंतिम रूप दिया गया।

नागपुर के बाहर पहली शाखा फरवरी 1926 में वर्धा में स्थापित की गई, जिसने पूरे देश में क्रमिक विस्तार का मार्ग प्रशस्त किया। व्यक्ति–आधारित नेतृत्व से बचने के लिए, भगवा ध्वज को संघ का 'गुरु' मान लिया गया और 1927 में गुरु दक्षिणा देने की प्रथा शुरू हुई।

डॉ. हेडगेवार (1929 में प्रथम सरसंघचालक बने) पहले कांग्रेस से जुड़े थे और उन्होंने असहयोग और जंगल सत्याग्रह आंदोलनों में भाग लिया था और जेल भी गये थे। उनकी दृष्टि शारीरिक प्रशिक्षण, अनुशासन, सेवा और राष्ट्रीय चरित्र निर्माण पर ज़ोर देती थी। आरएसएस अपनी स्थापना के 100 साल पूरा होने पर एक साल तक विभिन्न तरह के कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है।

निर्मला सीतारमण के खिलाफ मानहानि मामले में अदालत ने फैसला सुरक्षित रखा

नई दिल्ली, 27 सितंबर (एजेंसियां)।

दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट की एडिशनल ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट फर्स्ट क्लास पारस दलाल की अदालत ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के खिलाफ दायर आपराधिक मानहानि याचिका पर संज्ञान लेने के मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। अदालत ने इस पर आठ अक्टूबर को आदेश सुनाने का दिन तय किया है। यह आपराधिक मानहानि याचिका आम आदमी पार्टी (आप) के नेता और विधायक सोमनाथ भारती की पत्नी लिपिका मित्रा ने दायर की है। अदालत ने इससे पहले 23 मई को इस याचिका पर सुनवाई करते हुए निर्मला सीतारमण को नोटिस जारी किया था।

हिंदू धर्म को पूरी तरह से नष्ट करने की योजना बना रहे हैं इंडिया गठबंधन के नेता: भाजपा

नई दिल्ली, 27 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इंडिया गठबंधन के नेताओं पर हिंदू धर्म को पूरी तरह से नष्ट करने की साजिश रचने का आरोप लगाया है और कहा कि देश को इनकी खतरनाक योजना के प्रति जागृत होने की आवश्यकता है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने शनिवार को यहां पत्रकारों के साथ बातचीत में कहा कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री एवं तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष ममता बनर्जी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि एक ओर जहां पूरा देश इस समय हर्षोल्लास के साथ शक्ति की देवी मां दुर्गा की आराधना का पर्व दशहरा मना रहा है। जीएसटी की दरों में कटौती ने इस उल्लास को और बढ़ा दिया है। वहीं, इंडिया गठबंधन के नेता हिंदू धर्म को खत्म करने की साजिश रच रहे हैं। उन्होंने कहा कि आपको याद होगा कि 2024 में श्री गांधी के मुंह से निकल गया था कि हम शक्ति से लड़ रहे हैं।

जगह-जगह सांप्रदायिक तनाव के बीच सीएम योगी का निर्देश

हिंदू पर्व में व्यवधान डाला तो उपद्रवियों को कुचल देंगे

श्रावस्ती, 27 सितंबर (एजेंसियां)।
सीएम योगी आदित्यनाथ शनिवार को श्रावस्ती पहुंचे। यहां उन्होंने 510 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात दी। 236 करोड़ की 32 परियोजनाओं का लोकार्पण व 274 करोड़ की 22 परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इस मौके पर सीएम ने सात अक्टूबर को प्रदेशभर में महर्षि बाल्मीकि जयंती पर अवकाश की घोषणा की। साथ ही पर्यटन विभाग को सभी मंदिरों में अखंड रामायण पाठ करवाने के लिए निर्देशित किया।

बरेली बवाल पर सीएम योगी ने कहा कि कुछ लोगों को शांति अच्छी नहीं लगती है। हिंदू पर्वों पर उनको गर्मी आने लगती है। तब ऐसे लोगों के लिए डेंटिंग-पेंटिंग का सहारा लेना पड़ता है। इस्लाम में बुतपरस्ती का विरोध करते हैं। दूसरी तरफ आई लव मोहम्मद के नाम पर तोड़फोड़ कर रहे हैं। ये शारदीय नवरात्र पर अव्यवस्था करना चाहते हैं, लेकिन इन्हें नहीं पता कि मां भगवती नवरात्र में चंड-मुंड का नाश करती हैं। सीएम योगी ने कहा कि हिंदू त्योहारों पर सपरिवार इकठ्ठा होते हैं। कोई सनातनी अपने पर्व पर किसी से भेदभाव नहीं करता है। लेकिन, कुछ अराजक तत्व हिंदू पर्व पर व्यवधान डालना चाहते हैं। पर्व के दौरान व्यवधान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। किसी ने सड़क पर प्रदर्शन किया तो उसे खुले मंच से चेतावनी देता हूं कि अगर कायरों की तरह महिलाओं-बच्चों को आगे कर व्यवधान डाला तो छोड़ेंगे नहीं।

उत्तर प्रदेश के कुछ जिलों में सांप्रदायिक तनाव देखने को मिला है। पुलिस और लोगों के बीच झड़पें हुई हैं। इन घटनाओं के बीच यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को उच्च स्तरीय बैठक बुलाई। इस बैठक में उन्होंने कानपुर, वाराणसी, मुरादाबाद समेत कई दूसरे जिलों में हुई सांप्रदायिक घटनाओं पर अपना आक्रोश व्यक्त किया। उन्होंने प्रशासन को निर्देश दिए हैं कि वह उपद्रवियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें। यहां तक कहा गया कि दशहरा के दौरान शांति, सुरक्षा और सामुदायिक सौहार्द बनाए रखना जरूरी है। उपद्रवियों को किसी भी कीमत पर पक्ष न दिया जाए और कार्रवाई ऐसी होनी चाहिए कि कोई भी दोबारा अराजकता फैलाने की हिम्मत न करें।

शुक्रवार को जो उच्च स्तरीय बैठक बुलाई गई थी, उसका कारण कानपुर, वाराणसी समेत दूसरे जिलों में सांप्रदायिक तनाव था। कुछ विशेष गुटों द्वारा जुलूस प्रदर्शन के नाम पर सड़कों पर उतरने की घटनाएं हुई थीं। इन घटनाओं को देखते हुए सीएम योगी ने साफ कर दिया है कि दशहरा के पावन अवसर पर उपद्रव के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। दशहरा बुराई और आतंकी दहन का प्रतीक भी होता है।

सीएम योगी ने बैठक में यहां तक कहा कि सरकार हर उपद्रवी को कुचल देगी। वीडियो फुटेज और सोशल मीडिया मॉनिटरिंग के जरिए सभी आरोपियों की पहचान की जाए और फिर उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की जाए। बैठक में महिला सुरक्षा का मुद्दा भी उठाया गया। उनकी तरफ से स्पष्ट निर्देश दिए गए कि छेड़खानी, छेड़छाड़ और एसिड अटैक जैसे मामलों में पुलिस की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। गरबा और डांडिया आयोजनों के दौरान भी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सावधानी बरतने की बात कही गई है। बरेली में शुक्रवार को हालत काफी विस्फोटक हो गए और मुस्लिम समुदाय के लोगों और पुलिस के बीच जबरदस्त झड़प हुई। आरोप है कि प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पथराव कर दिया और इसके जवाब में पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। हालात को देखते हुए सीनियर पुलिस अफसर अलर्ट हैं।

निकायों में 3600 पदों पर भर्ती का रास्ता साफ

लखनऊ, 27 सितंबर (एजेंसियां)।
यूपी में निकायों में 3600 पदों पर भर्ती का रास्ता साफ हो गया है। कैबिनेट बैठक में नई नियमावली को मंजूरी मिल गई है।

भर्ती के लिए शैक्षिक योग्यता और वेतन तय कर दिया गया है। अरबन प्लानिंग व पर्यावरण सेवाएं दो नए पद जोड़े गए हैं। उत्तर प्रदेश सरकार ने शहरी सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए उत्तर प्रदेश पालिका (केंद्रीयत) सेवा नियमावली-2025 को भी मंजूरी दे दी है। इसमें नए पदों पर भर्ती के लिए योग्यता और वेतनमान तय किया गया है। इससे कॉडर पुनर्गठन के बाद इस सेवा में करीब 3061 पदों पर भर्ती का रास्ता साफ हो गया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में शुक्रवार को कैबिनेट की बैठक में यह फैसला हुआ। नगर विकास विभाग ने 24 सितंबर 2024 को उप्र पालिका केंद्रियत सेवा नियमावली में 28वां संशोधन कराते हुए काडर का पुनर्गठन किया था। इसके बाद इस सेवा के पदों की संख्या 3085 से बढ़कर 6686 हो गई। इनको भरने के लिए उस समय नियमावली में शैक्षिक योग्यता और वेतनमान का प्रावधान नहीं किया गया।

शासनादेश के सहारे भर्ती के लिए प्रस्ताव भेजने की व्यवस्था की गई, लेकिन नियमावली में व्यवस्था न होने की वजह से इसमें पेंच फंस गया। इसके चलते नियमावली में 29वां संशोधन करते हुए भर्ती के लिए शैक्षिक योग्यता और वेतनमान तय किया गया है। इसके अलावा अर्बन प्लानिंग और पर्यावरण सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए पर्यावरण अभियंता एवं नगर नियोजक रखने का प्रावधान किया गया है। अभी तक इन दोनों पदों पर भर्ती की योग्यता तय नहीं थी।

कैबिनेट से मंजूरी के बाद केंद्रियत सेवा के खाली पदों पर भर्ती का रास्ता साफ हो गया है। सरकार का मानना है कि इससे शहरों में तेजी से बढ़ती आबादी और इसके आधार पर सफाई व्यवस्था, स्ट्रीट लाइट, पेयजल, सीवर प्रबंधन के साथ पर्यावरण और अबर प्लानिंग और सूचना प्रौद्योगिकी की सुविधाएं देने में मदद मिलेगी। नियमावली में संशोधन के बाद सेवा शर्तें स्पष्ट होने से न्यायालयों में होने वाले मुकदमों में भी कमी आएगी।

इन्वेस्ट यूपी में कमीशनखोरी ईडी ने तेज की जांच

लखनऊ, 27 सितंबर (एजेंसियां)।
इन्वेस्ट यूपी में कमीशनखोरी मामले की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जांच तेज कर दी है।

कमीशनखोरी के आरोप में गिरफ्तार बिचौलिया निकांत जैन आयकर विभाग की जांच इकाई के सामने पेश नहीं हुआ है। आयकर विभाग की जांच इकाई ने बीते सप्ताह निकांत और उसके भाई सुकांत जैन को भी नोटिस देकर तलब किया था, लेकिन दोनों गैरहाजिर रहे और पेश होने की कोई वजह भी नहीं बताई। वहीं दूसरी ओर ईडी ने भी निकांत जैन को तलब किया था, लेकिन अभी तक वह जांच एजेंसी के सामने पेश नहीं हुआ है। अब ईडी अगले सप्ताह उसे दोबारा नोटिस भेजेगा।

इन्वेस्ट यूपी में प्रोजेक्ट को मंजूरी दिलाने के नाम पर सोलर पी6 कंपनी से 5 फीसद कमीशन मांगने वाले निकांत जैन को एसटीएफ ने गिरफ्तार किया था। कंपनी के प्रतिनिधि की शिकायत पर इन्वेस्ट यूपी के तत्कालीन सीईओ अभिषेक प्रकाश को भी राज्य सरकार ने निलंबित कर दिया था।

बाद में इस प्रकरण की जांच एसआईटी को सौंप दी गई थी। इस हाई प्रोफाइल मामले की जांच आयकर और ईडी ने भी शुरू की थी। ईडी ने निकांत जैन और उसके करीबियों के ठिकानों पर छापा भी मारा था, हालांकि निकांत जैन अपने घर से नदारद मिला था। जिसके बाद उसे नोटिस देकर तलब किया गया था।

वहीं दूसरी ओर आयकर विभाग की जांच इकाई ने एसटीएफ से इन्वेस्ट यूपी मामले की जांच से जुड़े दस्तावेज मांगे हैं, जो तीन बार रिमाइंडर देने के बाद भी नहीं सौंपे गए हैं। अब आयकर विभाग इस बाबत वरिष्ठ अधिकारियों को पत्र लिखकर दस्तावेज मुहैया कराने को कहेगा। साथ ही, एसआईटी से भी अब तक हुई जांच की जानकारी मांगी जाएगी।

गोरखपुर कांड का आरोपी जुबैर पुलिस मुठभेड़ में ढेर

दो पुलिसकर्मी घायल बुलेट प्रूफ जैकेट से बची सीओ की जान

रामपुर, 27 सितंबर (एजेंसियां)।
गोरखपुर में छात्र दीपक गुप्ता हत्याकांड का फरार अभियुक्त एक लाख का इनामी तस्कर पुलिस मुठभेड़ में मारा गया। मुठभेड़ के दौरान फायरिंग में एक उप निरीक्षक समेत दो पुलिसकर्मी भी घायल हो गए। सीओ सिटी जितेंद्र सिंह की बुलेटप्रूफ जैकेट पर भी दो गोलियां लगीं। वह बाल-बाल बचे। घटना की जानकारी मिलने के बाद डीआईजी मुनिराज जी समेत अन्य पुलिस व प्रशासनिक अफसर मौके पर पहुंच गए।

शहर के मोहल्ला कोतवाली क्षेत्र के घेर मर्दान खां निवासी जुबैर उर्फ कालिया शुक्रवार की रात करीब दस बजे पुलिस के हत्थे चढ़ गया। रात करीब दस बजे सीओ सिटी जितेंद्र सिंह पुलिस के साथ गंज थाना क्षेत्र के चाकू चौराहे के पास चेकिंग कर रहे थे। चेकिंग के दौरान बाइक सवार को रोकने की कोशिश की गई, लेकिन बाइक सवार ने पिस्टल से फायरिंग शुरू कर दी जिस पर पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए उसे ढेर कर दिया। गो तस्कर की फायरिंग में गंज थाने में तैनात दरोगा राहुल सिंह एवं कांस्टेबल संदीप सिंह घायल हो गए।

बाद में पुलिस ने उसकी पहचान घेर मर्दान खां निवासी जुबैर उर्फ कालिया के रूप में की। पुलिस जुबैर को घायल अवस्था में जिला अस्पताल ले गई, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घायल पुलिस कर्मियों का इलाज चल रहा है। सूचना मिलने के बाद डीआईजी मुनिराज जी और डीएम जोगिंदर सिंह व एसपी विद्या सागर मिश्र मौके पर पहुंच गए। डीआईजी ने जिला अस्पताल पहुंचकर घायल पुलिस कर्मियों का भी हाल जाना।

चाकू चौराहे के पास जब पुलिस ने चेकिंग के दौरान जुबैर को पहचान लिया। रुकने का इशारा करने पर आरोपी भागने लगा। इस दौरान उसकी बाइक गिर गई। बाइक गिरते हुए उसने पिस्टल से फायरिंग शुरू कर दी। फायरिंग के दौरान आरोपी ने चार गोलियां चलाईं। सीओ बुलेट प्रूफ जैकेट पहने हुए थे। आरोपी जुबैर ने जब फायरिंग शुरू की तो पहली गोली सीधे सीओ के वाहन के शीशे में जा लगी। इससे गाड़ी का शीशा चकनाचूर हो गया। दूसरी गोली सीओ के बुलेट प्रूफ जैकेट पर लगी। तीसरी और चौथी गोली सिपाही और दरोगा को छूकर निकल गई जिससे दोनों घायल हो गए।

पुलिस की जवाबी फायरिंग में सीधे गोली जुबैर के सीने में लगी। एसपी विद्यासागर मिश्र ने बताया कि गोली आरपार हो गई। घायल अवस्था में आरोपी को जिला अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने जुबैर को मृत घोषित कर दिया। जुबैर के साथ बाइक चलाने वाले व्यक्ति की पुलिस तलाश कर रही है। आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया है। एसपी विद्यासागर मिश्र ने बताया कि पुलिस को सूचना थी कि जुबैर रामपुर में है। इसी दौरान सुबह से ही पुलिस जगह-जगह तलाशी अभियान चला रही थी। मुठभेड़ के बाद पुलिस को जुबैर के पास से एक पिस्टल, तमंचा और कई कारतूस मिले हैं। पुलिस टीम देर रात तक घटनास्थल से सबूत जुटाने में जुटी रही।

यूपी के लोगों को दिवाली के दो तोहफे

अक्टूबर में कम आएगा बिजली बिल

उज्जवला लाभार्थियों को मिलेगा मुफ्त गैस सिलिंडर

लखनऊ, 27 सितंबर (एजेंसियां)।
बिजली उपभोक्ताओं को अक्टूबर माह में बड़ी राहत मिलने जा रही है। जुलाई 2025 का ईंधन अधिभार शुल्क अक्टूबर में वसूला जाएगा, जो करीब 1.63 फीसदी कम होगा। इससे उपभोक्ताओं पर लगभग 113.54 करोड़ रुपए का आर्थिक भार कम होगा। प्रदेश में हर माह ईंधन अधिभार शुल्क तय होता है। ऐसे में जून 2025 का ईंधन अधिभार शुल्क 2.34 फीसदी सितंबर में वसूला जा रहा है। इसे जमा करने की अंतिम तिथि 30 सितंबर है। जबकि जुलाई का शुल्क अक्टूबर में वसूला जाएगा।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत होली-दीपावली अवसर पर 1 करोड़ 86 लाख लाभार्थी परिवारों को पिछले वर्ष की तरह ही दो निशुल्क एलपीजी गैस सिलेंडर प्रदान किए जाएंगे। इस संबंध में लाए गए प्रस्ताव को कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है। चालू वित्त वर्ष में इस पर 1385.34 करोड़ रुपए खर्च होंगे। यह निर्णय गरीब महिलाओं को राहत पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

कैबिनेट ने शुक्रवार को एक और लिंक एक्सप्रेस वे के निर्माण को स्वीकृति दे दी। इसके निर्माण से प्रयागराज को मेरठ से जोड़ने वाला गंगा एक्सप्रेस वे और लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे के साथ ही बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे आपस में जुड़ जाएगा। 90.84 किमी लंबे फर्रुखाबाद लिंक एक्सप्रेसवे का 548 दिनों में पूरा किया जाएगा और इसके निर्माण पर 7488 रुपए की लागत आएगी।

औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल नंदी ने बताया कि फर्रुखाबाद लिंक एक्सप्रेस वे का सीधा लाभ प्रदेश के छह जिलों इटावा, मैनपुरी, कन्नौज, फर्रुखाबाद, शाहजहांपुर और हरदोई के लोगों को होगा। नंदी ने बताया कि बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे, आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे के चैनेज 133-800 पर मिल कर समाप्त होता है। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे एवं बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे के मिलान बिंदु कुदरैल (जनपद इटावा) से गंगा एक्सप्रेसवे को वाया फर्रुखाबाद ग्रीन फील्ड लिंक एक्सप्रेस वे के माध्यम से जोड़ने से एक्सप्रेस वे की ग्रिड बन जाएगी, जो प्रदेश की तरक्की में सहायक सिद्ध होगी।

जातिवादी एजेंडे का विकास और राष्ट्रवाद से मुकाबला करेगी सरकार

लखनऊ, 27 सितंबर (एजेंसियां)।
यूपी सरकार जाति के एजेंडे को विकास और राष्ट्रवाद से काउंटर करेगी। सीएम योगी ने मंत्रिमंडल के सदस्यों के साथ बैठक में कहा कि प्रभारी मंत्री जिलों में रात्रि विश्राम करें। स्थानीय मुद्दों की रिपोर्ट सीएम कार्यालय भेजें। राजधानी लखनऊ में शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंत्रिमंडल के सदस्यों के साथ बैठक में कहा कि वह जिलों में जाकर सरकार और संगठन की उपलब्धियां बताएं। डीएम और एसपी के साथ बैठकें कर स्थानीय मुद्दों का निस्तारण कराएं और मुख्यमंत्री कार्यालय को रिपोर्ट भेजें।

कोर कमेटी के साथ बैठक करके जनसमस्याओं के निस्तारण के कदम भी उठाएं। उन्होंने सभी जिलों के प्रभारी मंत्रियों से रात्रि विश्राम करने को भी कहा। कहा कि विपक्ष के जाति के एजेंडे को विकास और राष्ट्रवाद के जरिये काउंटर करना होगा। सीएम ने मंत्रिमंडल के सदस्यों से कहा कि उनका फोकस शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास, कृषि सेक्टर पर रहे। जिलों को जो धनराशि शासन द्वारा दी जाती है, उसका पूरी तरह उपयोग होना सुनिश्चित कराया जाए। आमजन को विकसित भारत-विकसित यूपी के बारे में जानकारी दें और उनके सुझाव लें। प्रदेश को 10 खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए जिलों में भी बैठकें आयोजित की जाएं।

हर जिले का एक वर्ष और पांच वर्ष की विकास की कार्ययोजना तैयार करने के साथ उसे अमल में लाने की कवायद की जाए। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में बनी निगरानी कमेटी के निर्देशों के मुताबिक जिलों में कार्य कराए जाएं, ताकि कोई भी जिला विकास में पीछे न रहे। इस दौरान मॉनिटरिंग का भी विशेष ध्यान रखा जाए। लोगों को केंद्र और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के बारे में बताने के साथ लाभान्वित कराने के कदम भी उठाए जाएं।

झांसी-फतेहपुर में होगी दो नए निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना

लखनऊ, 27 सितंबर (एजेंसियां)।
उत्तर प्रदेश सरकार ने झांसी और फतेहपुर में दो नए निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना को मंजूरी दे दी है। संभल में बनाए गए विश्वविद्यालय के संचालन को भी स्वीकृति मिल गई है। इस तरह उत्तर प्रदेश में तीन नए निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना को हरी झंडी मिल गई है। इसके तहत दो नए निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना की जाएगी। एक विश्वविद्यालय के संचालन को कैबिनेट ने हरी झंडी दे दी है।

उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने बताया कि संभल के चंदौसी में राधा गोविंद विश्वविद्यालय की स्थापना के प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई थी। सोनल एजुकेशनल सोसाइटी मथुरा द्वारा प्रायोजित यह विश्वविद्यालय 22.05 एकड़ भूमि पर बना है। आज इसके संचालन के लिए कैबिनेट ने सहमति दे दी है। उन्होंने कहा कि इसी क्रम में झांसी में गांधी विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए प्रायोजक संस्था संत मां कर्मा मानव संवर्धन ट्रस्ट को आशय-पत्र जारी करने की भी स्वीकृति दी गई है। यह विश्वविद्यालय झांसी के अम्बाबाय और रुद्र करारी में 20.21 एकड़ भूमि पर बनेगा। वहीं तीसरे प्रस्ताव के तहत फतेहपुर में ठाकुर युगराज सिंह विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए प्रायोजक संस्था एंग्लो संस्कृत कॉलेज को आशय-पत्र जारी करने की स्वीकृति कैबिनेट ने दी है।

स्कॉलरशिप आवंटन में फर्जीवाड़ा रोकने की कार्रवाई

अब छात्रवृत्ति के लिए होगा एआई से सत्यापन

लखनऊ, 27 सितंबर (एजेंसियां)।
यूपी के स्कूली बच्चों को मिलने वाली छात्रवृत्ति के लिए बच्चों का सत्यापन अब एआई के माध्यम से होगा। सीएम योगी आदित्यनाथ ने यह बात कही। सीएम ने कहा कि छात्रवृत्ति योजना में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के माध्यम से वेरिफिकेशन की कार्रवाई को आगे बढ़ाने और डीबीटी के माध्यम से छात्रों के अकाउंट में पैसे भेजने की कार्रवाई की जा रही है। एआई गलत तरीके से की गई दोहरी एंट्री डिटेल के आधार पर पकड़ लेगा।

सीएम ने कहा कि समाज कल्याण विभाग द्वारा कक्षा 9 से 12 के अनुसूचित जाति-जनजाति और सामान्य जाति के चार लाख छात्रों को छात्रवृत्ति दी जा रही है। इसमें पहले चरण में 1 लाख 12 हजार छात्र छात्रवृत्ति प्राप्त कर रहे हैं। पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के ढाई लाख से अधिक छात्र-छात्राएं और अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के 25000 छात्र-छात्राएं सुविधा का लाभ ले रहे हैं। सीएम ने कहा कि वर्ष 2017-18 से 2024-25 तक अनुसूचित जाति-जनजाति के 1 करोड़ 23 लाख छात्रों को 9150 करोड़ रुपए की राशि वितरित की गई। इस अवधि में सामान्य वर्ग के 58 लाख 90 हजार छात्र-छात्राओं के खाते में 5945 करोड़ रुपए छात्रवृत्ति भेजी गई।

सीएम योगी ने छात्रों से कहा कि याद रखिएगा विभाजनकारी ताकतों ने देश को गुलाम बनाया था। वहीं, पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नए भारत के लिए अभियान चलाया जा रहा है। कुछ लोग आत्मनिर्भर और विकसित भारत के लिए फिर से बाधक बन कर समाज को बांटने का काम कर रहे हैं, हमें बंटना नहीं है। हमें एकजुट होकर के बेहतर शिक्षा के लिए हर छात्र को स्कूल तक पहुंचाना है।

सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री ने वन नेशन-वन स्कॉलरशिप की व्यवस्था लागू की है। वर्ष 2017 से 2025 तक 2 करोड़ से अधिक छात्र-छात्राएं छात्रवृत्ति का लाभ प्राप्त कर चुके हैं। पिछड़े वर्ग के छात्र-छात्राओं के लिए कंप्यूटर प्रशिक्षण की व्यवस्था के संचालन के लिए बजट 11 करोड़ से बढ़ाकर 35 करोड़ किया। सीएम ने सभी संस्थानों से आग्रह किया कि वह छात्रवृत्ति से वंचित छात्रों का डाटा अपलोड करें, ताकि दीपावली से उन्हें छात्रवृत्ति का लाभ दिया जा सके।

कर लो तैयारी पूरी!!!

अभी कुछ दिनों पहले ही तो क्लासेज शुरू हुईं थीं और अब एग्जाम का भूत आ गया है। अरे भई! ये यूनिट टेस्ट के नाम से तो गुस्सा आता है। है न। पर यह सब तो आपकी तैयारी के लिए ही लिए जाते हैं। तो फिर घबराना कैसा? जैसे बूंद-बूंद से सागर भरता है, वैसे ही थोड़ी-थोड़ी तैयारी से पूरा सिलेबस याद हो जाता है। मालूम है आप सबने कर ही ली होगी तैयारी। पर दोस्तो, थोड़ा रिवीजन करना तो बनता है न। इससे आपका आत्मविश्वास बढ़ जाएगा...

परीक्षाओं का डर तो मन से जाता ही नहीं। वैसे आप सब जानते हैं, बच्चे से लेकर बूढ़े तक सबके मन में इस शब्द ने डर भर रखा है। तो आपका डरना लाजिमी ही है। वैसे अब तक टेस्ट में पूछा जाने वाला सिलेबस आपने रट ही लिया होगा। क्या?...अभी रिवीजन बाकी है। हम्मम...वैसे रिवीजन करने का समय भी तो आ ही गया है। पर रिवीजन करते क्यों है? आखिर क्या जरूरत है इसकी?...अरे! समझ गए भई। रिवीजन करना चाहिए। हम भी यही कह रहे हैं। पर रिवीजन के रीजन को समझने की कोशिश करते हैं और इसे सही तरीके से करने के बारे में भी कुछ बातें करेंगे।

रिवीजन के कायदे

1. **इंटरैक्टिव स्टडी-** रिवीजन करने बहुत सारे तरीके हैं। जो सबसे ज्यादा लोग करते हैं वो है, नोट्स को कई दफा पढ़ना। सबसे कारगर तरीकों में से एक है, इंटरैक्टिव स्टडी। यानी की एक टॉपिक पर दो या फिर दो से ज्यादा लोग चर्चा कर के उस टॉपिक को तैयार करें।

2. **डायग्राम और थ्योरी-** इसके अलावा जिन विषयों में डायग्राम बनाए जाते हैं, उनकी भी तैयारी की जाती है। इन विषयों में सबसे पहले नाम आता है- विज्ञान और गणित का। पर इनके अलावा अन्य विषयों में भी चार्ट आदि बनाने की तैयारी की जाती है। वहीं हेडिंग और अंडरलाइन होने वाले बिन्दुओं को भी याद करना चाहिए। इसके अलावा विभिन्न प्रकार के थ्योरियों को भी बारीबारी याद करना चाहिए।

3. **टाइम-टेबल बनाएं-** रिवीजन की शुरुआत में ही सब टाइम-टेबल बनाते हैं। इससे समय के अनुसार विषयों का विभाजन हो जाता है और सभी विषयों को समय दे पाते हैं। इस बार जब आप टाइम टेबल बनाएं तो उसे बड़े आकार की शीट पर बनाएं। इससे आपके साथ घर के अन्य लोग भी आपकी रूटीन से परिचित हो जाएंगे। और चूंकि सब जान जाएंगे, तो आप भी उसे पूरा करने के प्रति ज्यादा सजग होंगे।

4. **जल्दी से जल्दी-** रिवीजन की शुरुआत सुबह जितनी जल्दी कर सकें, करनी चाहिए। एक अंग्रेजी कहावत के अनुसार सबसे जल्दी उठने वाली चिड़िया को सबसे अच्छा भोजन मिलता है। इसका मतलब आप जितनी जल्दी अपनी तैयारी शुरू करेंगे, उतनी जल्दी ही इसे खत्म कर पाएंगे। दिन का टार्गेट पूरा हो जाएगा, तो बड़ी संतुष्टि मिलेगी।

इन सबके अलावा आप खेल के साथ भी कुछ तैयार कर सकते हैं। नहीं आया समझ में। कोई बात नहीं। इतिहास को याद करते वक्त आप दिन और वर्ष भूल जाते हैं। सच है न। इसे याद करने के लिए आप एक इतिहास के उस हिस्से का मंचन कर लीजिए। याद नहीं रहता। इसलिए जरूरी है ये मंचन का खेल। तो फिर कोई बाबर बन जाए और कोई लोधी का किरदार निभाए। इससे आप सबका मनोरंजन होने के साथ-साथ आपकी तैयारी भी हो जाएगी। है न कारगर उपाय।

तो फिर बैठिए मत। तैयारी कीजिए।

इसके फायदे

आपने जितना भी और जो भी पढ़ा है, वो आपको याद है भी या नहीं, इसकी जांच करना बेहद जरूरी है। इस जांच में आप अपने भाई-बहनों या फिर दोस्तों की भी मदद ले सकते हैं। अपने सिलेबस के किसी एक सब्जेक्ट का चयन करें और फिर अपने दोस्त या फिर भाई-बहन से कहें कि वो आपका छोटा-सा टेस्ट लें। इस टेस्ट में सफल होने पर आपके अंदर आत्मविश्वास खुद-ब-खुद ही आ जाएगा। वहीं कुछ टॉपिक्स को हम बहुत पहले पढ़ चुके होते हैं, तो यह सोच कर रह जाते हैं कि वो तो हमें याद ही है। लेकिन रिवीजन करते समय उन टॉपिक्स को भी दोहरा लिया जाता है। इससे आपकी तैयारी पुख्ता हो जाती है।

इस तरह करने से आपकी परीक्षा के लिए तैयार रहने की आदत पनप जाएगी और आप वार्षिक परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने में सफर रहेंगे।

एक केला हो जाए

टेनिस प्लेयर्स को जब ब्रेक मिलता है तो वो क्या करते हैं? कभी ध्यान दिया है। नहीं! कोई बात नहीं, वो झट से एक केला खा लेते हैं। दरअसल, केले में पोटैशियम की बहुत ज्यादा मात्रा पाई जाती है। और विशेषज्ञों का मानना है कि पोटैशियम से ऊर्जा का स्तर बढ़ता है। इसका मतलब जब भी आपको लगे कि आप थक से रहे हो तो फिर आप भी झट से एक केले का सेवन कर लें।

कविता

पेड़ की पुकार

मेरे हैं उपकार बहुत,
कुछ तो सोच-विचार करो।
पेड़ कहता मेरे ऊपर,
न तुम अत्याचार करो।
बचपन में मां ने तुम्हें,
मुझसे बने झूले में झुलाया।
मेरी कलम से तुमने,
कापी पर अ-आ बनाया।
मैं हूं तेरा सच्चा साथी,
न यह मारा-मार करो।
छोटी उम्र में रहे,
खेलते तुम पेड़ों पर चढ़कर।
बड़ा होते ही उठाई आरी,
और मुझे लहुलुहान किया।
मेरे कारण तुम्हारा जीवन,
बुरा न व्यवहार करो।
मीठे फल मैं देता,
तुमको साथ में ठंडी छांव।
ऐसे करता सेवा तुम्हारी,
जैसे करती है मां।
सुंदर प्यारे फूल देखकर,
सुख का इजहार करो।
मेरी टहनी पर बैठे पंछी,
करते हैं विनती।
हमारा घर न उजाड़ो,
न हमें बेहाल करो।
मानव अपने सुख के,
लिए जीवन ना दुश्वार करो।
पेड़ कहता मेरे ऊपर,
न तुम अत्याचार करो।

ज्ञान बढ़ाओ

बूझो तो जानें!!!

1. भारत की पहली महिला आईपीएस ऑफिसर का नाम बताइए।
2. भारतीय प्रधानमंत्री जिनका कार्यकाल के दौरान ही देहांत हुआ।
3. भारतीय थलसेना के प्रथम प्रमुख का नाम बताइए।
4. भारत के सबसे बड़े पुरस्कार का नाम बताइए।
5. भारत की पहली जनगणना किस वर्ष हुई थी?
6. भारत के पहले अंग्रेजी अखबार का नाम बताइए।
7. भारत की पहली पंचवर्षीय योजना किस वर्ष से शुरू किया गया।
8. भारत का पहला सिनेमा हॉल कब बनाया गया था?
9. भारत की वह पहली फिल्म जिसमें सारी महिला कलाकार थीं।
10. भारत की पहली बिना गीत की फिल्म का नाम बताइए।
11. भारत की प्रथम महिला राजदूत कौन थीं?
12. भारत की पहली महिला मुख्यमंत्री का नाम बातइए।
13. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की प्रथम महिला अध्यक्ष का नाम बताइए।
14. प्रथम फिल्म अभिनेता जो मुख्यमंत्री बने।
15. भारतीय राष्ट्रपति जिनका कार्यकाल के दौरान देहांत हुआ।

उत्तर-1. किरण बेदी 2. इंदिरा गांधी 3. एम राजेन्द्र सिंह 4. भारत रत्न 5.-वर्ष 1901 6. बंगाल गेजेट(1790) 7. वर्ष1951 8. 1907 में कोलकाता में जेएफ मदन ने बनवाया था। 9. बिंदहस्त(मराठी फिल्म) 10. जेबीएच वाडिया की नौजवान (1937) 11. विजयलक्ष्मी पंडित 12. सुचेता कृपलानी (उत्तर प्रदेश) 13. सरोजिनी नायडू 14. एम.जी. रामचंद्रन 15. जाकिर हुसैन

खुद से किया वादा

स्कूल से आते ही बस्ता फेंककर सोनू खेलने भाग जाया करता था। सोनू की इस आदत से उसकी मां बहुत परेशान रहती थी। फिर अचानक एक दिन सोनू को कुछ ऐसा भुगतना पड़ा, जिसकी वजह से उसने खुद से एक वादा किया। वह वादा था सभी कार्यों को नियत समय पर करने का...

कहानी

सोनू स्कूल से आता और अपना स्कूल बैग उतार कर बिना पानी पिए खेलने के लिए चला जाता। मां आवाज लगाती, पानी तो पी ले, स्कूल के कपड़े तो बदल ले, लेकिन सोनू किसी की भी नहीं सुनता और अभी आता हूं कह कर चला जाता और कितनी देर तक वापस नहीं आता। यह उसकी रोज की आदत बन गई। इसके कारण उसका कोई भी काम समय से पूरा नहीं होता। वह आराम करने के समय में खेलता और खेलने के समय स्कूल का काम करता। उसका कोई भी काम समय पर न होने के कारण उसका स्कूल का काम भी अधूरा रह जाता। जब वह रात को स्कूल का काम करने के लिए बैठता तो लाइट चली जाती। जिस कारण काम पूरा नहीं होता और उसे रोज स्कूल में अध्यापकों से डांट पड़ती। सोनू की मां रोज उसे समझाती कि जिन बच्चों के साथ वह खेलता-कूदता है वे बच्चे खुद तो पढ़ते नहीं और उसकी पढ़ाई भी खराब करते हैं। उसे स्कूल से आते ही उन बच्चों के साथ खेलना नहीं चाहिए। उसे पहले अपना काम करना चाहिए और फिर खेलना चाहिए। लेकिन सोनू किसी की भी न सुनता।

आज भी वह खेल कर देर से घर वापस आया और आते ही कहने लगा कि उसके सिर में दर्द हो रहा है। मां ने देखा तो उसका सारा शरीर बुखार के कारण तप रहा था। मां ने कहा, 'मैंने तुम्हें मना किया था खेलने से और कहा था कि तुम पानी पीकर आराम करके फिर खेलने जाना, लेकिन तुम किसी की भी नहीं सुनते हो।'

'मेरा सिर दबा दो, बहुत दर्द हो रहा है' सोनू ने कहा। वो दर्द से कराह रहा था। 'रुक पहले तेरा बुखार देख लूं थर्मामीटर से', मां ने कहा।

थर्मामीटर लगा कर देखा तो सोनू का बुखार 102 से भी ज्यादा था। मां गुस्से में बोली 'तुझे कितनी बार कहा था कि स्कूल से आने के बाद कुछ देर आराम कर लिया कर आराम शरीर के लिए बहुत ही जरूरी होता है। लेकिन तू कभी नहीं सुनता। यह ले पानी पी' और मां सोनू के माथे पर ठंडे पानी की पट्टियां करने लगी और कहा कि 'हम थोड़ी देर बाद दवाई लेने जाएंगे।'

'घर में कोई दवाई है तो वो ही दे दो।' सोनू ने कहा।

'घर में कोई भी दवाई नहीं है। अब तो डॉक्टर इंजेक्शन लगाएगा और पैसे जो लगेंगे सो अलग। बड़े-बुजुर्ग कहते हैं कि इलाज से परहेज अच्छा लेकिन आजकल के बच्चे कहां किसी की मानते हैं।'

जब वे लोग डॉक्टर के पास पहुंचे तो वहां पर बहुत भीड़ थी। सोनू का खड़ा होना भी मुश्किल हो गया था। उन्होंने अपनी बारी की पर्ची बनवाई और अपनी बारी का इंतजार करने लगे।

अब सोनू बैठा सोच रहा था कि 'अगर मां की बात मानी होती तो वह आज बीमार न होता और उसे इंजेक्शन का भी डर न होता। अब पता नहीं डॉक्टर कितने दिनों के लिए आराम करने को कहेगा। भगवान करे कि अब ठीक हो जाऊं और इंजेक्शन भी न लगे। आगे से कभी भी ऐसा नहीं होगा।' सोनू ने खुद से वादा किया कि शरीर को जितना आराम चाहिए वो उसे देगा और सभी काम समय से करेगा।

सोनू अंदर आओ। अंदर से आवाज आई। आवाज सुनते ही सोनू इंजेक्शन के डर से घबराता हुआ डॉक्टर के पास गया। नब्ज देखकर डॉक्टर ने कहा कि 'बुखार अब कम है।' शायद मां के घरेलू नुस्खे से सोनू का बुखार कम हो गया था। डॉक्टर के पीछे खड़ी एक नर्स सिरींज में दवाई भर रही थी। सोनू ने सोचा कि शायद अब डॉक्टर नर्स से कहेगा कि इसकी लिटाओ इंजेक्शन लगाने के लिए, लेकिन नर्स तो दूसरे कैबिन में चली गई। यह देखकर सोनू ने चैन की सांस ली। कैबिन से जब बच्चे की रोने की आवाज आई तो सोनू न सोचा कि 'अब मेरी बारी आएगी।' तभी डॉक्टर ने सोनू की तरफ देखते हुए कहा, 'हां, जी तो आपका नाम क्या है?'

'जी सोनू।'

'पढ़ते हो, कौन से स्कूल में, कौन सी कक्षा में?' डॉक्टर ने पूछा।

सोनू ने सभी सवालों के जवाब दिए, लेकिन उसका ध्यान टीके की तरफ ही था। 'यह बुखार सिर्फ थकावट के कारण हुआ है। इंजेक्शन की जरूरत नहीं है। यह तो दवाइयों से ही ठीक हो जाएगा।' डॉक्टर ने पीठ थपथपाते हुए कहा। इंजेक्शन न लगने की खुशी से सोनू बहुत खुश था। उसने सोचा शायद उसने खुद से जो वादा किया था उसे भगवान ने सुन लिया।

सोनू घर आया और आराम किया। अगले दिन वह स्कूल गया पर वापस आने के बाद यूनीफॉर्म बदलकर खाना खाया और आराम किया। सोनू में आए इस बदलाव को देखकर उसकी मां बहुत खुश हुई।

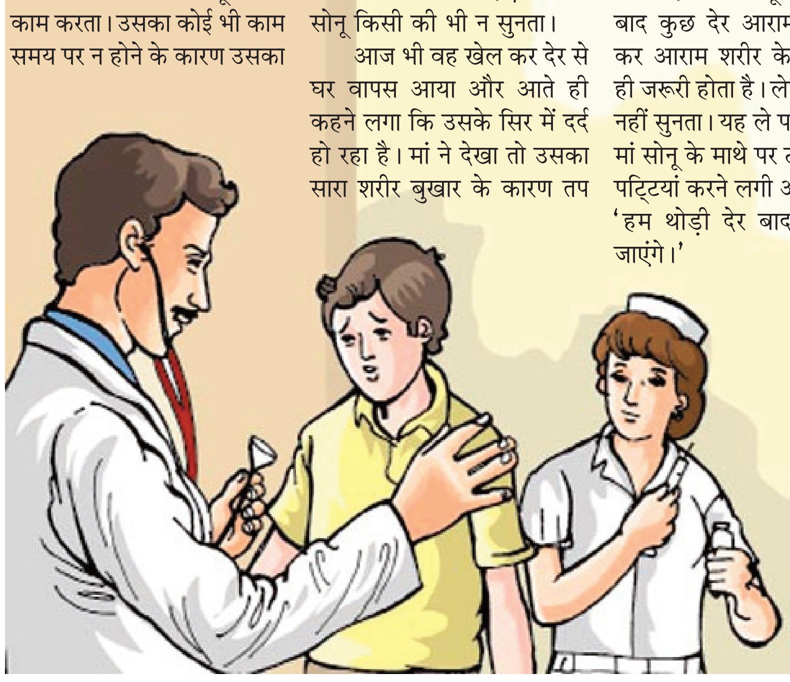

अंतर ढूढो

यहां आपको एक जैसी दो तस्वीरें दिखाई दे रही हैं। पहली बार देखने में तो आपको अंतर समझ में नहीं आएगा, लेकिन जरा गौर से देखने पर आपको सात अंतर दिखाई देंगे। तो जमाइए नजरें और खोज निकालिए वे अंतर भी।

शीर्ष अमेरिकी सैन्य अधिकारियों को अगले हफ्ते वर्जीनिया पहुंचने का आदेश

वाशिंगटन, 27 सितंबर (एजेंसियां)।
अमेरिकी के शीर्ष सैन्य अधिकारियों को अगले हफ्ते वर्जीनिया पहुंचने का आदेश दिया गया है। रक्षा सचिव (अब युद्ध सचिव) पीट हेगसेथ ने यह आदेश जारी किया है। इसमें कहा गया है कि यदि कोई अफसर नहीं पहुंचता तो उसे इसका पर्याप्त और समुचित कारण बताना होगा। मंगलवार को होने वाले इस सैन्य जमावड़े को शक्ति प्रदर्शन के रूप में देखा जा रहा है। देश के कमांडर-इन-चीफ डोनाल्ड ट्रंप इस दौरान मौजूद रहेंगे या नहीं, यह अभी तक स्पष्ट नहीं है। आदेश में सिर्फ जनरल और एडमिरल स्तर के अधिकारियों को ही बैठक में शामिल होने के लिए कहा गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, यह बैठक इसलिए आहूत की गई है कि प्रशासन रक्षा विभाग के पुनर्निर्माण को युद्ध विभाग के रूप में वर्णित कर सके और सैन्य कर्मियों के लिए नए मानकों की रूपरेखा तैयार की जा सके। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने बताया, यह राष्ट्रपति के अधीन नई सेना की वर्तमान स्थिति का शक्ति प्रदर्शन है। इस आयोजन की रूप-रेखा से परिचित एक रक्षा अधिकारी ने कहा, हेगसेथ के लिए यह घोड़ों को अस्तबल में लाने और उन्हें चाबुक से दुरुस्त करने की कोशिश है।

बताया गया है कि आयोजन से पहले या कार्यक्रम स्थल पर हेगसेथ का रिकॉर्डेड भाषण जारी किया जा सकता है। एक अधिकारी ने बताया कि व्हाइट हाउस इसे और भी व्यापक बनाने की योजना बना रहा है। ऐसी बड़ी बैठक का मूल विचार हेगसेथ का ही है। जिन सैकड़ों जनरलों और फ्लैग ऑफिसर्स को आमंत्रित किया गया है, उन्हें यह भी नहीं बताया गया कि सब कुछ छोड़कर वर्जीनिया जाने का आदेश क्यों दिया गया।

रिपोर्ट के अनुसार, यूटा नेशनल गार्ड के जनरलों को हेगसेथ की शीर्ष सैन्य अधिकारियों की इस आकस्मिक बैठक में शामिल होने के लिए आमंत्रित नहीं किया गया। यह बैठक मंगलवार को वर्जीनिया के क्वांटिको स्थित मरीन कॉर्प्स बेस (हिल एयर फ़ोर्स बेस) पर होनी है। एक ही स्थान पर इतने वरिष्ठ सैन्य अफसरों की इस दुर्लभ बैठक ने सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ा दी हैं, इसमें विदेशों में युद्धक तैनाती से अमेरिका लौट रहे जनरलों के भी शामिल होने की उम्मीद है। उल्लेखनीय है कि यूटा नेशनल गार्ड में कम से कम चार जनरल हैं। इनमें राज्य के शीर्ष सैन्य प्रमुख, एडजुटेंट जनरल, एक सहायक, और सेना व वायु सेना नेशनल गार्ड इकाइयों के जनरल अधिकारी शामिल हैं। पेंटागन के प्रवक्ता सीन पार्नेल ने यूटा के सैन्य प्रमुखों को बैठक में आमंत्रित न करने की वजह पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान ने स्कूली किताबों में भारत से हुए संघर्ष को बताई अपनी भारी जीत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने अपनी स्कूल की किताबों में मई 2025 में भारत के साथ हुए चार दिवसीय संघर्ष को शामिल किया है।

नई सामग्री में तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया है जिसमें युद्ध भारत ने बिना कारण शुरू किया और पाकिस्तान ने भारी जीत हासिल की हो। हालांकि भारत ने सैटेलाइट तस्वीरों और वीडियो सबूतों के जरिए इन दावों को झूठा साबित किया है। पड़ोसी के झूठे दावों का मकसद अपनी हार छिपाना और जनता को गुमराह करना मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तानी किताबों में दावा किया गया है कि भारत ने 7 मई 2025 को कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले का झूठा आरोप लगाकर पाकिस्तान पर हमला किया, जबकि असलियत यह है कि 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकियों ने 26 निर्दोष नागरिकों की हत्या की थी। इसके जवाब में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाक में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाकर उन्हें तबाह किया। पाकिस्तान की स्कूली किताबों में यह भी दावा किया गया है कि पाकिस्तानी सेना ने जवाबी कार्रवाई में भारत के 4 राफेल जेट और कई सैन्य ठिकाने तबाह किए। जबकि वास्तविकता में पाकिस्तान ने अमृतसर, जम्मू और श्रीनगर सहित 26 जगहों पर ड्रोन हमले किए, जिनमें कई सिविल इलाके प्रभावित हुए। भारत ने पलटवार करते हुए एयर डिफेंस सिस्टम और सियालकोट व इस्लामाबाद के ठिकानों को तबाह किया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक अन्य बड़ा दावा किया है कि पाकिस्तान ने ऑपरेशन बनयान-उन-मर्सूस के तहत भारत के 26 हवाई अड्डे तबाह किए और अंततः भारत को सीजफायर की गुहार लगानी पड़ी लेकिन हकीकत में अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और विदेश मंत्री मार्को रुबियो की मध्यस्थता के बाद दोनों देशों ने युद्धविराम स्वीकार किया था। भारत ने साफ किया था कि उसने नागरिक इलाकों को निशाना नहीं बनाया और अगर पाकिस्तान हमले जारी रखता तो और कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि पाकिस्तानी किताबों में जनरल आसिम मुनीर को फील्ड मार्शल की उपाधि मिलने को युद्ध की जीत बताया गया है, जबकि विश्लेषकों का मानना है कि यह कदम जनता के बीच सेना की साख मजबूत करने के लिए उठाया गया था।

यूक्रेन में तबाही मचाने वाले शाहेद-136 ड्रोन पर लटटू हुआ अमेरिका

वाशिंगटन। यूक्रेन में तबाही मचाने के लिए रूस जिन शाहेद-136 ड्रोन का इस्तेमाल कर रहा है, उस पर अब अमेरिका भी लटूट हो गया है। रूस को ये ड्रोन ईरान से मिला हैं। अमेरिका और उसके सहयोगी अब शाहेद की तर्ज पर ही ड्रोन बनाने में लगे हैं। इसके पीछे वजह है इन ड्रोन की कम लागत है। अमेरिका चाहता है कि कम लागत में इसतरह के ड्रोन तैयार हों जो कि लंबी दूरी तक भी वार कर सकें। अमेरिका के पास फिलहाल जो भी लंबी दूरी की मिसाइलें हैं, उनकी लागत बहुत ज्यादा है। वहीं ईरान के शहीद ड्रोन बड़ी संख्या में एक साथ छोड़े जा सकती हैं। बता दें कि शाहेद-136 ईरान निर्मित ड्रोन हैं जो कि मुख्य रूप से हमले के लिए तैयार की गई हैं। ये ड्रोन हथियार के तौर पर इस्तेमाल होते हैं। ये ड्रोन मिसाइल की ही तरह काम करते हैं। यानी अपने लक्ष्य पर पहुंचने के बाद इनमें भारी विस्फोट होता है। साल 2020 में ईरान ने इस ड्रोन को पहली बार इस्तेमाल किया था। शाहेद-136 ड्रोन की रेंज 2 हजार से 2500 किलोमीटर की होती है। यह 200 किलोमीटर की रफ्तार से भी उड़ान भर सकता है।

मूड पर नकारात्मक असर पडता है मौसम में बदलाव का

लंदन। सितंबर से दिसंबर के बीच मौसम में बदलाव के साथ पेड़ों से पत्ते झड़ने लगते हैं। मौसम बदलने का

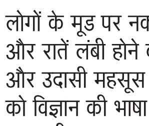

असर इंसानी मनोभावों पर भी देखने को मिलता है। शरद ऋतु का आगमन गर्मी से सर्दी की ओर बढ़ने का संकेत देता है। वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि इस दौरान कई लोगों के मूड पर नकारात्मक असर पड़ता है। दिन छोटे और रातें लंबी होने के साथ ही थकान, नींद की गड़बड़ी और उदासी महसूस होना आम हो जाता है। इस स्थिति को विज्ञान की भाषा में सीजनल अफेक्टिव डिसऑर्डर (एसएडी) कहा जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, मौसम बदलने पर धूप की कमी से दिमाग में सेरोटोनिन नामक न्यूरोट्रांसमीटर घटने लगता है। यह हार्मोन मूड को नियंत्रित करने में अहम भूमिका निभाता है। वहीं अंधेरा और ठंड बढ़ने पर शरीर में मेलाटोनिन हार्मोन का स्तर बढ़ जाता है, जिससे नींद अधिक आती है और ऊर्जा घट जाती है। इस बदलाव से शरीर की सर्केडियन रिद्म भी बिगड़ जाती है, जिससे नींद और जागने का प्राकृतिक पैटर्न प्रभावित होता है। अध्ययन बताते हैं कि उत्तरी और पहाड़ी इलाकों में रहने वाले लोगों पर सैड का प्रभाव अधिक होता है क्योंकि वहां धूप का समय सीमित होता है। महिलाओं और 18 से 30 वर्ष के युवाओं में इसके मामले ज्यादा पाए जाते हैं। एक अध्ययन में खुलासा हुआ था।

ट्रंप को सुप्रीम कोर्ट ने चार अरब डॉलर की विदेशी सहायता राशि रोकने की अनुमति दी

वाशिंगटन, 27 सितंबर (एजेंसियां)।
अमेरिका के उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को ट्रंप प्रशासन को कांग्रेस से आवंटित विदेशी सहायता पर चार अरब डॉलर के खर्च को रोकने की अनुमति दे दी। इससे पहले एक संघीय न्यायाधीश ने फैसला सुनाया था कि प्रशासन को महीने के अंत तक यह धनराशि खर्च करनी होगी। उच्चतम न्यायालय के फैसले ने इस पर रोक लगा दी। रिपोर्ट के अनुसार, पब्लिक सिटीजन लिटिगेशन ग्रुप के वकील निकोलस सैंसोम ने कहा, यह परिणाम शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांतों को और कमजोर करता है। इसका गंभीर मानवीय प्रभाव भी पड़ेगा। निकोलस सैंसोम मुकदमा दायर करने वाले गैर-लाभकारी समूहों का प्रतिनिधित्व करते हैं। न्यायालय ने संक्षिप्त आदेश में कहा कि सरकार ने पर्याप्त रूप से साबित कर दिया है कि जिन समूहों ने मुकदमा दायर किया, उन्हें इम्पाउंडमेंट कंट्रोल एक्ट नामक कानून के तहत संबंधित मुकदमा दायर करने से रोक दिया गया।

उल्लेखनीय है कि जनवरी में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की शुरुआत के बाद से न्यायालय ने प्रशासन के 20 आपातकालीन आवेदनों को स्वीकार कर लिया है। आपातकालीन आवेदनों की संख्या और जिस दर से न्यायालय ने प्रशासन के पक्ष में फैसला सुनाया है, दोनों ही अभूतपूर्व हैं। बाद वाले आवेदन ने निचली अदालत के न्यायाधीशों सहित कानूनी समुदाय के भीतर आलोचना को जन्म दिया है।

न्यायालय में तीन उदारवादियों ने असहमति जताई। न्यायमूर्ति एलेना कगन ने लिखा कि इस मामले में कानूनी मुद्दा पहले कभी प्रस्तुत नहीं किया गया था। इसका अर्थ है कि अदालत अज्ञात क्षेत्र में काम कर रही थी। उन्होंने कहा कि फिर भी, बहुमत ने मौखिक दलीलें सुने बिना या पूरी तरह से तर्कसंगत निर्णय दिए बिना सरकार द्वारा किए गए आपातकालीन अनुरोध को स्वीकार कर लिया।

कगन ने लिखा, इसलिए हमें इस आवेदन को अस्वीकार कर देना चाहिए था। निचली अदालतों को आगे बढ़ने देना चाहिए था और यह सुनिश्चित करना चाहिए था कि यहां प्रस्तुत महत्वपूर्ण प्रश्न पर उचित विचार किया जाए। सनद रहे ट्रंप प्रशासन ने पहले ही अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी (यूएसएडी) को भंग करने के लिए त्वरित कार्रवाई की है। यह वह सरकारी विभाग है जो पारंपरिक रूप से जल उपलब्धता और रोग निवारण जैसे मुद्दों से निपटने के लिए प्रति वर्ष अरबों डॉलर की विदेशी सहायता प्रदान करता है।

यह विवादित धनराशि कांग्रेस ने चालू वित्तीय वर्ष के लिए आवंटित की थी, जो 30 सितंबर को समाप्त हो रहा है। ट्रंप प्रशासन ने कहा है कि वह चार अरब डॉलर की विदेशी सहायता रोकना चाहता है, लेकिन कांग्रेस द्वारा आवंटित 6.5 अरब डॉलर और खर्च करेगा। बजट पर राष्ट्रपति के नियंत्रण को विनियमित करने के लिए 1974 में इम्पाउंडमेंट कंट्रोल एक्ट पारित किया गया था। यह तत्कालीन राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन द्वारा उन कार्यक्रमों पर खर्च रोकने के प्रयासों के बाद पारित किया गया था जिनका वे समर्थन नहीं करते थे।

ट्रंप प्रशासन का कहना है कि वह निरसन नामक एक प्रक्रिया के माध्यम से धनराशि रोक सकता है, जिसमें राष्ट्रपति कांग्रेस को कुछ धनराशि खर्च न करने के अपने इरादे से अवगत कराते हैं। लेकिन धनराशि समाप्त होने में बहुत कम समय बचा है, इसलिए कांग्रेस चाहे तो भी इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं देगी। ट्रंप की नीतियों का व्यापक रूप से समर्थन करने वाले रिपब्लिकन दोनों सदनों पर नियंत्रण रखते हैं और पहली अक्टूबर से पहले अगले वित्तीय वर्ष के लिए सरकार को धन मुहैया कराने की कोशिश कर रहे हैं।

वित्तीय वर्ष के अंत तक कांग्रेस को सूचित करने का प्रशासन का निर्णय कानूनी रूप से संदिग्ध रणनीति है जिसे पॉकेट रिसीशन कहा गया है और लगभग 50 वर्ष में इसका इस्तेमाल नहीं किया गया है। वाशिंगटन स्थित अमेरिकी जिला न्यायाधीश आमिर अली ने तीन सितंबर को फैसला सुनाया था कि प्रशासन को यह धनराशि तब तक खर्च करनी होगी जब तक कांग्रेस इसे वापस लेने के लिए कोई कदम नहीं उठाती। सॉलिसिटर जनरल डी. जॉन सॉयर ने अदालत में दायर एक याचिका में कहा कि अली के फैसले ने राष्ट्रपति पर अस्वीकार्य प्रतिबंध लगा दिए हैं, जिसमें अन्य बातों के अलावा, प्रशासन को धनराशि खर्च करने के तरीके पर अन्य देशों के साथ कूटनीतिक चर्चा करने के लिए मजबूर करना शामिल है।

ट्रंप के आदेश को चुनौती देने वाला मूल मुकदमा ग्लोबल हेल्थ काउंसिल के नेतृत्व वाले विभिन्न समूहों ने दायर किया था।

भारत ने फिर लगाई पाकिस्तान को लताड़ कहा- नौटंकी बंद करिए, सच को कब तक झुठलाएंगे

जिनेवा,27 सितंबर (एजेंसियां)।
आतंकवाद के मुद्दे पर भारत ने एक बार फिर भरे मंच से पाकिस्तान को जमकर लताड़ लगाई है। संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में भारत ने पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ के भाषण पर करारा जवाब दिया है। इससे पहले पीएम शहबाज शरीफ ने 80वीं सत्र की सामान्य बहस के दौरान अपने भाषण में ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र किया। उन्होंने दावा किया कि मई में चार दिन के संघर्ष के दौरान भारत के 7 जेट क्षतिग्रस्त किए गए। वायुसेना प्रमुख अमरप्रीत सिंह ने पिछले महीने कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय जेट्स ने पाकिस्तान के 5 लड़ाकू जेट और एक बड़े विमान को मार गिराया। इस पर भारत के स्थायी मिशन की प्रथम सचिव पेटल गहलोत ने कहा, महोदय, इस सभा ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री की ओर से बेतुके नाटक देखे, जिन्होंने एक बार फिर आतंकवाद को महिमामंडित किया जो उनकी विदेश नीति का अहम हिस्सा है। मगर, कोई भी ड्रामा और कोई भी झूठ तथ्यों को छिपा नहीं सकता। पेटल गहलोत ने सभा को याद दिलाया कि बीते 25 अप्रैल को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पाकिस्तान ने द रेसिस्टेंस फ्रंट को जम्मू-कश्मीर में पर्यटकों के नरसंहार की जिम्मेदारी से बचाया था। भारत ने 7 मई को शुरू किए गए ऑपरेशन में पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में आतंकी ढांचे को निशाना बनाया। पेटल गहलोत ने कहा, एक तस्वीर हजार शब्दों को बयान करती है। हमने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय बलों की ओर से बहावलपुर और मुरिदके आतंकी परिसरों में मारे गए आतंकियों की कई तस्वीरें देखीं। पाकिस्तान के सीनियर सैन्य और नागरिक अधिकारियों ने सार्वजनिक रूप से ऐसे कुख्यात आतंकियों को महिमामंडित किया। उन्हें श्रद्धांजलि दी। ऐसे में क्या इस शासन की मंशा पर कोई संदेह हो सकता है इसके मंत्रियों ने हाल ही में स्वीकार किया है कि वे दशकों से आतंकी शिविर चला रहे हैं। यह कोई आश्चर्य की बात नहीं होनी चाहिए कि यह दोहराव एक बार फिर जारी है, इस बार तो प्रधानमंत्री के स्तर पर चल रहा है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने भारत के साथ हाल के संघर्ष का भी अनोखा विवरण पेश किया। इस मामले का एकदम रिकॉर्ड साफ है। 9 मई तक पाकिस्तान भारत पर और हमलों की धमकी दे रहा था। लेकिन, 10 मई को सेना ने हमसे सीधे युद्ध को रोकने की गुहार लगाई।पेटल गहलोत ने आगे कहा, एक ऐसा देश जो लंबे समय से आतंकवाद को बढ़ावा देने और निर्यात करने की परंपरा में डूबा हुआ है।

कैंसर की समय पर पहचान से बच सकती है लाखों जाने

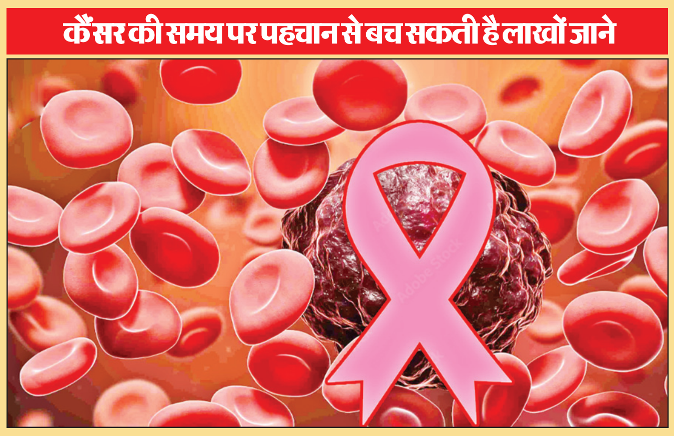

वाशिंगटन। हाल ही में देश के प्रमुख डॉक्टरों और हेल्थ एक्सपर्ट्स ने कैंसर को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। नईदिल्ली में आयोजित हेल्थकेयर होराइजन 2.0 सम्मेलन में विशेषज्ञों ने बताया कि भारत में कैंसर से होने वाली लगभग 70 फीसदी मौतें देर से पहचान की वजह से होती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि बीमारी की शुरुआती पहचान समय पर हो जाए तो लाखों लोगों की जान बचाई जा सकती है और इलाज अधिक प्रभावी और किफायती साबित होता है। डॉक्टरों ने स्पष्ट किया कि कैंसर धीरे-धीरे फैलने वाली बीमारी है। शुरुआती चरण में इसे पकड़ना बेहद जरूरी है, क्योंकि उस समय दवाइयों, सर्जरी और रेडियोथेरेपी के जरिए कैंसर को पूरी तरह खत्म या नियंत्रित किया जा सकता है। शुरुआती लक्षण अक्सर सामान्य होते हैं, जैसे बार-बार थकान, बिना वजह वजन में कमी, शरीर में गांठ बनना या खून आना। लोग इन लक्षणों को नजरअंदाज कर देते हैं, जिससे बीमारी शरीर के अन्य हिस्सों में फैल जाती है और इलाज कठिन, लंबा और महंगा हो जाता है। सम्मेलन में सर्वाइकल कैंसर पर भी विशेष जोर दिया गया। डॉक्टरों ने कहा कि एचपीवी वैक्सीन और पैप स्मीयर टेस्ट के जरिए इस प्रकार के कैंसर को समय रहते रोका जा सकता है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा में नेतन्याहू का हुआ विरोध, कुछ सदस्यों ने किया वॉकआउट

न्यूयॉर्क, 27 सितंबर (एजेंसियां)।
इजरायल पर लगातार आरोप लग रहे हैं कि गाजा में आम लोगों को मारा जा रहा है। इसी के चलते इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू को संयुक्त राष्ट्र महासभा में दिए गए अपने भाषण के दौरान भारी विरोध और वॉकआउट का सामना करना पड़ा। गाजा पर जारी हमलों को अंत तक ले जाने की प्रतिबद्धता जताते हुए उन्होंने कहा कि इजरायल को हमास के खिलाफ काम पूरा करना ही होगा।हालांकि नेतन्याहू के भाषण के दौरान सभागार में मिली-जुली प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं- कुछ प्रतिनिधियों ने तालियां बजाईं तो कई सदस्य विरोध के चलते बाहर चले गए। नेतन्याहू ने संयुक्त राष्ट्र में अपने पिछले भाषणों की तरह इस बार भी विजुअल एड्स का इस्तेमाल किया। उन्होंने एक नक्शा दिखाया, जिसका शीर्षक था द कर्स जो इजरायल के पड़ोस में उसकी चुनौतियों को दर्शाता था। उन्होंने इसे मार्कर से चिह्नित किया।

इसके अलावा, उन्होंने एक पिन पहना था, जिसमें 7 अक्टूबर, 2023 को हमास के हमले और इजरायली बंधकों के बारे में जानकारी देने वाले वेबसाइट का क्यूआर कोड था।अपने भाषण में नेतन्याहू ने दावा किया कि उनका भाषण गाजा में लगे लाउडस्पीकर्स के जरिए और अभूतपूर्व अभियान के तहत लोगों के मोबाइल फोन पर भी प्रसारित किया जा रहा है। उन्होंने कहा, हमने आपको एक सेकंड के लिए भी नहीं भुलाया। इजरायल की जनता आपके साथ है। हमास को संबोधित करते हुए उन्होंने चेतावनी दी, अपने हथियार डाल दो। मेरे लोगों को जाने दो। अगर ऐसा करोगे तो बचोगे, वरना इजरायल तुम्हें ढूंढ-ढूंढकर मारेगा। नेतन्याहू ने पश्चिमी देशों की आलोचना की और कहा कि कुछ पश्चिमी नेता दबाव में झुक गए हैं, लेकिन इजरायल झुकेगा नहीं। उन्होंने उन देशों के फैसले को शर्मनाक बताया जिन्होंने फिलिस्तीन को देश का दर्जा दिया है। उनके अनुसार, यह निर्णय आतंकवाद को बढ़ावा देगा और निर्दोषों के खिलाफ हिंसा को प्रोत्साहित करेगा।

हॉल में खाली पड़ी रहीं कुर्सियां

भाषण शुरू होने से पहले ही कई से अधिक देशों के सैकड़ों राजनयिकों ने सभागार को खाली कर दिया। जिससे नेतन्याहू को लगभग खाली हॉल में बोलना पड़ा। यह घटना इजरायल-फिलिस्तीन संघर्ष के बीच वैश्विक अलगाव को उजागर करती है, जहां पश्चिमी देशों द्वारा फिलिस्तीनी देश को मान्यता देने का निर्णय नेतन्याहू के लिए नया झटका साबित हुआ।

अमेरिकी न्याय विभाग ने जिला अटॉर्नी फानी विलिस का यात्रा संबंधी रिकॉर्ड तलब किया

अटलांटा (जॉर्जिया) , 27 सितंबर (एजेंसियां)।
अमेरिकी न्याय विभाग ने संघीय ग्रैंड जूरी समन जारी कर फुल्टन काउंटी की जिला अटॉर्नी फानी विलिस का यात्रा संबंधी रिकॉर्ड तलब किया है। फानी ने चुनाव में हस्तक्षेप को लेकर डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ आपराधिक मामला दायर किया था। संघीय जांच का उद्देश्य पूरी तरह से स्पष्ट नहीं है। यह भी साफ नहीं है कि विलिस जांच का केंद्र हैं या उन पर आरोप लग सकते हैं। लेकिन समन से संकेत मिलता है कि राष्ट्रपति ट्रंप के अधीन न्याय विभाग अपना ध्यान उनके सबसे मुखर कानूनी विरोधियों में से एक पर केंद्रित कर सकता है।

एक रिपोर्ट में यह खुलासा किया है। रिपोर्ट के अनुसार, संघीय जांचकर्ता 2024 में चुनाव के समय विलिस की संभावित अंतरराष्ट्रीय यात्राओं के बारे में जानकारी जुटा रहे हैं। इस जांच का नेतृत्व जॉर्जिया के उत्तरी जिले के अमेरिकी अटॉर्नी थियोडोर हर्ट्जबर्ग कर रहे हैं। फुल्टन काउंटी में ट्रंप और उनके कई सहयोगियों पर

जॉर्जिया के 2020 के चुनाव परिणाम को पलटने के उनके प्रयासों के लिए मुकदमा चलाया जा रहा है।

एक अदालत ने फानी को इस मामले से हटा दिया था। अदालत को पता चला था कि विशेष अभियोजक नाथन वेड के साथ उनके व्यक्तिगत संबंध थे। बचाव पक्ष के वकीलों ने उन पर ट्रंप द्वारा भुगतान की गई यात्राओं से लाभ उठाने का आरोप लगाया है। ये यात्राएं 2022 और 2023 में हुईं। पिछले हफ्ते ही जॉर्जिया के उच्चतम न्यायालय (सुप्रीम कोर्ट ऑफ जॉर्जिया) ने निचली अदालत के उस फैसले की समीक्षा करने से इनकार कर दिया था, जिसमें विलिस को ट्रंप और उनके आठ सह-प्रतिवादियों के खिलाफ 2020 के चुनाव अभियोजन से अयोग्य घोषित किया गया था। इस फैसले की घोषणा के बाद ट्रंप ने ट्रुथ सोशल का सहारा लिया और इसे जॉर्जिया में न्याय और कानून की बड़ी जीत बताया। ट्रंप अभी जॉर्जिया में लगे आरोपों से मुक्त नहीं हुए हैं। पिछले साल दोबारा चुनी गई डेमोक्रेट उम्मीदवार विलिस ने किसी भी तरह की गड़बड़ी से इनकार किया है और कहा है कि उन्होंने यात्रा खर्च का अपना हिस्सा चुकाया है। विलिस ने कहा कि वह फैसले की समीक्षा न करने के सुप्रीम कोर्ट ऑफ जॉर्जिया के फैसले से असहमत होने के बावजूद कानूनी प्रक्रिया और अदालतों का सम्मान करती हैं। विलिस ने कहा, मुझे उम्मीद है कि जिस किसी को भी इस मामले को संभालने के लिए नियुक्त किया जाएगा, उसमें सबूतों और कानून की मांग के अनुसार काम करने का साहस होगा। जॉर्जिया में ट्रंप के प्रमुख वकील स्टीव सैडो ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने समीक्षा से इनकार करके सही किया है। विलिस ने ट्रंप और उनके एक दर्जन से अधिक सहयोगियों पर धोखाधड़ी के आरोप लगाए है। इन सब पर जॉर्जिया में पूर्व राष्ट्रपति बाइडेन की 2020 की जीत को विफल करने के लिए महीनों तक चली एक गैरकानूनी साजिश में शामिल होने का आरोप था। हालांकि ट्रंप और ज्यादातर प्रतिवादियों ने खुद को निर्दोष बताया है।

सऊदी प्रो लीग : रोनाल्डो और सादियो माने के गोल से अल नास्र ने अल इत्तिहाद को 2-0 से हराया

जेद्दा,27 सितंबर (एजेंसियां)।

सऊदी प्रो लीग के शीर्ष मुकाबले में अल नास्र ने शनिवार को मौजूदा चैम्पियन अल इत्तिहाद को 2-0 से मात दी। टीम की ओर से क्रिस्टियानो रोनाल्डो और सादियो माने ने गोल दागे।

इस जीत के साथ अल नास्र ने चार मैचों में 12 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष स्थान बनाए रखा, जबकि अल इत्तिहाद नौ अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है।

किंग अब्दुल्ला स्पोर्ट्स सिटी स्टेडियम में घरेलू दर्शकों के शानदार टिफो और गगनभेदी नारों के बावजूद अल इत्तिहाद शुरुआत से ही दबाव में दिखा। मैच की पहली सीटी से ही अल नास्र ने खेल पर कब्जा जमाना शुरू कर दिया।

मैच के 9वें मिनट में किंग्सले कोमन ने दाईं विंग से शानदार क्रॉस किया। गेंद पर दौड़ते हुए पहुंचे माने ने बैक पोस्ट पर बेहतरीन वॉली लगाकर अल नास्र को 1-0 की बढ़त दिलाई।

14वें मिनट में रोनाल्डो ने कोमन के क्रॉस पर हेडर से गोल करने का मौका गंवा दिया, लेकिन 35वें मिनट में उन्होंने चूक नहीं की। इस बार माने ने क्रॉस दिया और रोनाल्डो ने पास को सटीक हेडर से गोल में तब्दील कर स्कोर 2-0 कर दिया।

करीम बेंजेमा ने स्टीवन बर्गवाइन को कुछ मौकों पर गेंद पहुंचाई, मगर वह मौके का फायदा नहीं उठा सके। दूसरे हाफ में अल नास्र ने खेल की रफ्तार धीमी की, लेकिन आक्रमण जारी रखा। जोआओ फेलिक्स को गोल करने के कई मौके मिले, मगर वह नाकाम रहे। 39वें मिनट में माने के क्रॉस पर उनका शॉट बार के ऊपर चला गया।

58वें मिनट में नवाफ़ बोउशल ने रोनाल्डो को खाली गोल पर पास दिया, लेकिन पुर्तगाली स्टार गेंद को बार के ऊपर मार बैठे। यह मैच का सबसे आसान और बड़ा मौका था।

इसके बावजूद अल नास्र ने दो गोल की बढ़त बरकरार रखी और जीत दर्ज की। अल इत्तिहाद का घरेलू मैदान पर 19 मैचों से चला आ रहा अजेय क्रम भी इस हार के साथ टूट गया।

न्यूज ब्रीफ

वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप दीप्ति जीवनजी 400 मीटर टी20 स्पर्धा के फाइनल में

नई दिल्ली। नई दिल्ली 2025 वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप्स में भारत ने शानदार तरीके से अपने अभियान की शुरुआत की। भारत की दीप्ति जीवनजी ने इस ग्लोबल प्रतियोगिता के पहले दिन शनिवार को सुबह के सत्र में महिलाओं की 400 मीटर टी20 स्पर्धा के फाइनल में जगह बनाई । 22 वर्षीय इस एथलीट ने अपने हीट में 58.35 सेकंड का समय लेकर पहला स्थान हासिल किया, जो उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी है। हालांकि, महिलाओं की भाला फेंक एफ46 स्पर्धा में पदक की दावेदार मानी जा रही भावनाबेन अजाबाजी चौधरी निराशाजनक प्रदर्शन करते हुए आठवें स्थान पर रहीं। कंचन लाखानी ने भी महिलाओं की डिस्कस थ्रो (एफ53) के फाइनल में बनाई जगह भावनाबेन ने 35.34 मीटर भाला फेंका, जो उनके व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 39.70 मीटर (पेरिस पैरालंपिक 2024) से काफी कम था। अन्य मुकाबलों में, कंचन लाखानी महिलाओं की डिस्कस थ्रो (एफ53) के फाइनल में पहुंची हैं। वहीं भाला फेंक खिलाड़ी प्रवीण कुमार (क्वालिफाइंग राउंड) और हेमचंद्र (एफ55, एफ56, एफ57 क्वालिफाइंग) आगे हिस्सा लेंगे। पुरुषों की 100 मीटर एफ37 स्पर्धा में धावक राकेश भाई भट्ट और श्रेयांश त्रिवेदी चुनौती पेश करेंगे। इसी तरह शैलेश कुमार, वरुण और राहुल हाई जंप (टी63, टी42) स्पर्धा में मैदान में उतरेंगे।

इस सदी में किसी एक क्लब के लिए सबसे तेज़ 100 गोल करने वाले खिलाड़ी बने हैरी केन

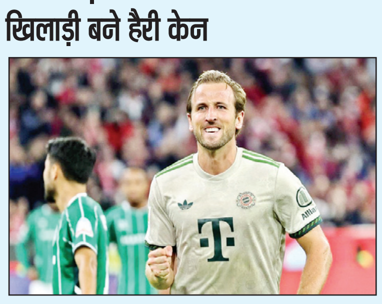

नई दिल्ली। बायर्न म्यूनिख के स्टार स्ट्राइकर हैरी केन ने शुक्रवार को क्लब के लिए अपना 100वां गोल करके एक नया रिकॉर्ड कायम किया है। उन्होंने केवल 104 मैचों में यह मुकाम हासिल कर इस सदी के सबसे तेज़ खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्होंने किसी एक क्लब के लिए 100 गोल किए। हैरी केन ने रोनाल्डो और हैलैंड का रिकॉर्ड तोड़ा केन ने इस रिकॉर्ड के साथ क्रिस्टियानो रोनाल्डो और एर्लिंग हैलैंड को पीछे छोड़ दिया है, जिन्होंने क्रमशः रियल मैड्रिड और मैनचेस्टर सिटी के लिए 100 गोल 105 मैचों में पूरे किए थे। इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन, जिन्होंने पिछले हफ्ते होफेनहाइम के खिलाफ हुए 4-1 के मैच में हैट्रिक बनाई थी, उन्होंने शुक्रवार को वर्डर ब्रेमेन के खिलाफ 44वें मिनट में पेनाल्टी के जरिए बायर्न को 2-0 की बढ़त दिलाई। यह उनका बुंडेसलीगा में लगातार 18वां सफल पेनाल्टी गोल था, जिससे उनका रिकॉर्ड बेदाग रहा। बायर्न म्यूनिख ने वर्डर ब्रेमेन को 4-0 से हराया, जिसमें अन्य दो गोल जोनाथन ताह और कोनराड लैइमर ने किए। 32 वर्षीय हैरी केन, जो अब तक इस सीज़न बायर्न के पांच मैचों में 10 गोल के साथ बुंडेसलीगा का अग्रणी गोल स्कोरर है, 2023 में टॉटेनहम हॉटस्पर से बायर्न म्यूनिख में शामिल हुए थे।

हरमनप्रीत कौर बोलीं- राजनीति नहीं केवल क्रिकेट पर रहेगा फोकस

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम इन दिनों वनडे विश्व कप 2025 की तैयारी में लगी हुई हैं। टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने आगामी आईसीसी महिला वनडे विश्व कप 2025 से पहले साफ कर दिया है कि उनकी टीम का ध्यान केवल खेल पर है, न कि राजनीति या विवादों पर। हाल ही में पुरुष एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच मैच के बाद खिलाड़ियों के हाथ न मिलाने का मुद्दा गरमा गया था। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए हरमनप्रीत ने कहा कि उनका फोकस क्रिकेट पर है और ड्रेसिंग रूम में वे ऐसी बातों पर चर्चा तक नहीं करतीं। एक कार्यक्रम के दौरान संवाददाताओं से बात करते हुए हरमनप्रीत ने कहा, हम केवल मैदान पर होने वाली चीजों को नियंत्रित कर सकते हैं। मैदान के बाहर क्या हो रहा है, वह हमारे हाथ में नहीं है। हम यहां केवल खेल के लिए आए हैं और हमारा लक्ष्य अच्छा क्रिकेट खेलना है। शुरुआती मैच अहम होंगे और वही हमारे अभियान की दिशा तय करेंगे। हरमनप्रीत ने अपने सफर को याद करते हुए कहा कि यह उनके लिए गर्व का क्षण है कि वे घरेलू मैदान पर भारत की कप्तानी कर रही हैं। उन्होंने कहा, जब मैंने क्रिकेट खेलना शुरू किया था, तब सिर्फ भारत का प्रतिनिधित्व करना चाहती थी। अब विश्व कप में टीम की कप्तानी करना अविश्वसनीय अनुभव है। यह पल मेरे लिए बेहद खास है।

एशिया कप : सुपर ओवर में भारत ने श्रीलंका को हराया, निसंका का शतक व्यर्थ, एशिया कप में भारत के अजेय क्रम जारी

दुबई, 27 सितंबर (एजेंसियां)।

एशिया कप 2025 के सुपर-4 चरण का अंतिम मैच भले ही अंकतालिका पर कोई असर डालने वाला नहीं था, लेकिन रोमांच और उतार-चढ़ाव ने इसे टूर्नामेंट का सबसे यादगार मुकाबला बना दिया। दुबई में शुक्रवार देर रात तक चले इस हाई-स्कोरिंग मैच में भारत और श्रीलंका दोनों ने 20-20 ओवरों में 202 रन बनाए। नतीजा सुपर ओवर पर गया, जहाँ श्रीलंका केवल 2 रन ही बना सका और भारत ने आसानी से जीत दर्ज कर ली। भारत की पारी – अभिषेक शर्मा की तूफानी शुरुआत – भारत ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी की और पावरप्ले में ही 71 रन जड़ दिए। शुभमन गिल जल्दी आउट हुए, लेकिन अभिषेक शर्मा (61, 22 गेंदों में अर्धशतक) ने एक बार फिर विस्फोटक अंदाज दिखाया। बीच के ओवरों में सूर्यकुमार यादव असफल रहे, पर संजू सैमसन और तिलक वर्मा ने साझेदारी निभाकर रन गति को बनाए रखा। आखिरी ओवरों में अक्षर पटेल के छक्के और तिलक वर्मा (नाबाद 49) की समझदारी भरी पारी ने भारत को 202/5 तक पहुँचा दिया। श्रीलंका की पारी – निसंका का शतक और जुझारू साझेदारी – लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका ने भी जोरदार शुरुआत की। पावरप्ले में 72 रन जुड़ गए। पथुम निसंका (107, 58 गेंद) और कुसल परेरा (58) ने 127 रन की रिकॉर्ड साझेदारी कर भारत पर दबाव बना दिया। हालांकि, मध्य ओवरों में कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती ने विकेट निकालकर वापसी कराई। अंतिम ओवर में श्रीलंका को 12 रन चाहिए थे। निसंका पहली गेंद पर आउट हो गए, लेकिन दासुन शनाका ने आखिरी गेंद तक संघर्ष किया और मैच बराबरी पर खत्म हुआ। सुपर ओवर – श्रीलंका का बिखराव, भारत की आसान जीत – सुपर ओवर में श्रीलंका की शुरुआत खराब रही। कुसल परेरा पहली गेंद पर आउट हो गए और दासुन शनाका भी तुरंत चलते बने। श्रीलंका केवल 2 रन बना सका। जवाब में भारत ने पहली ही गेंद पर सूर्यकुमार यादव के तीन रन से लक्ष्य हासिल कर मैच जीत लिया।

संक्षिप्त स्कोर

भारत: 202/5 (20 ओवर) – अभिषेक शर्मा 61, तिलक वर्मा 49*।

श्रीलंका: 202/5 (20 ओवर) – पथुम निसंका 107, कुसल परेरा 58।

परिणाम: मैच टाई, भारत ने सुपर ओवर में जीत दर्ज ।

क्रिकेटरों की मेहनत ने मुझे एथलेटिक्स में प्रेरित किया: उसैन बोल्ट

मुंबई। ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले दुनिया के सबसे तेज धावक उसैन बोल्ट ने खुलासा किया है कि क्रिकेटरों की कड़ी मेहनत ने उन्हें एथलेटिक्स में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रेरित किया। जमनाबाई नरसी परिसर में आयोजित फायरसाइड चैट में बोल्ट ने कहा, मैं बचपन से ही क्रिकेट का बहुत बड़ा प्रशंसक रहा हूं। क्रिकेटरों की प्रतिभा, उनके काम करने का तरीका और खुद को आगे बढ़ाने का अंदाज देखकर मैंने छोटी उम्र में ही कड़ी मेहनत करने और सर्वश्रेष्ठ बनने का संकल्प लिया। बोल्ट ने भारत में अपने अनुभव को अविस्मरणीय बताया और कहा, इतने उत्साही प्रशंसकों से मिलना अद्भुत अनुभव है। यह मुझे याद दिलाता है कि खेल क्यों मायने रखते हैं और कैसे वे दुनिया के लोगों को जोड़ते हैं। यहां की ऊर्जा अद्भुत है, और मुझे ड्रीम सेट गो के विजन का हिस्सा बनकर खुशी हो रही है, जो प्रशंसकों को उनके पसंदीदा खेलों के और भी करीब लाता है। धावक ने अपनी कड़ी मेहनत और समर्पण पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, मेरे लिए मेहनत जितनी सरल है, उतनी ही आवश्यक भी है। मुझे ट्रैक एंड फील्ड हमेशा से पसंद रहा है, और मैंने चोटों, शंकाओं और कठिन परिस्थितियों के बावजूद खुद को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक बनाने के लिए प्रेरित किया। बोल्ट ने कहा कि शीर्ष पर पहुंचना कभी आसान नहीं होता, लेकिन यह चुनौती ही मुझे आगे बढ़ाती रही। बोल्ट फिलहाल मुंबई में निजी यात्रा पर हैं और उनके अगले कार्यक्रम में वह दिल्लीभी आने वाले हैं। उनके अनुभव और उत्साह ने न सिर्फ खेल प्रेमियों को प्रेरित किया है, बल्कि क्रिकेट और एथलेटिक्स जैसे खेलों के बीच प्रेरक संबंध को भी उजागर किया।

एशिया कप फाइनल से पहले भड़के योगराज सिंह, पाक को दी कड़ी चेतावनी

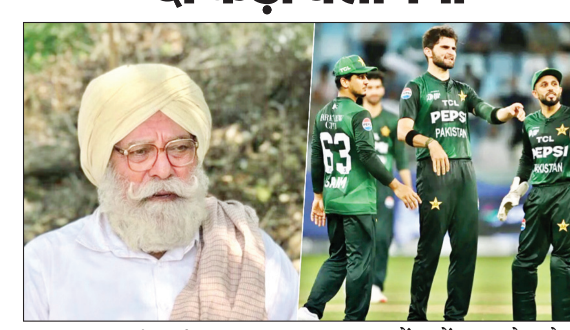

नई दिल्ली,27 सितंबर (एजेंसियां)।

एशिया कप 2025 के सुपर फोर में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए मुकाबले में मैदान पर हुई गरमागरमी अब क्रिकेट के गलियारों में भी गूंज रही है। इस दौरान पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हरिस रऊफ, शाहीन अफरीदी और बल्लेबाज साहिबजादा फरहान भारतीय ओपनर अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल से उलझ पड़े थे। मैदान पर शुरू हुए जुबानी हमलों ने माहौल को और तनावपूर्ण बना दिया। इस घटना पर पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज योगराज सिंह ने तीखी प्रतिक्रिया दी है और पड़ोसी देश को चेतावनी भरे लहजे में जवाब दिया है। योगराज सिंह ने कहा कि वह हमेशा अपने देश के साथ खड़े रहेंगे और अगर कोई भारत के खिलाफ बोलेगा तो इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा, मैं अपने देश का नागरिक हूं। अगर आपका देश हमें सम्मान नहीं देगा, तो बाहरी लोग हमें कैसे सम्मान देंगे खिलाड़ियों को सम्मान मिलना चाहिए। उन्होंने पाकिस्तानी खिलाड़ियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि आखिर अभद्र भाषा और गाली-गलौज की शुरुआत क्यों हुई। योगराज के मुताबिक, अभिषेक और शुभमन शांत होकर खेल रहे थे। उन्होंने किसी से कुछ नहीं कहा। तो फिर शाहीन और रऊफ जाकर उन्हें क्यों उकसाने लगे यह खेल का हिस्सा नहीं, बल्कि निराशा की निशानी है। 67 वर्षीय पूर्व गेंदबाज की यह टिप्पणी साफ दिखाती है कि वह इस घटना से बेहद आहत हैं। उन्होंने खिलाड़ियों की सुरक्षा और सम्मान की बात करते हुए पाकिस्तान के रवैये को सीमा पार का व्यवहार करार दिया। योगराज की इस सख्त चेतावनी ने पहले से ही गरम माहौल में और तनाव घोल दिया है। खासतौर पर इसलिए क्योंकि रविवार को भारत और पाकिस्तान एशिया कप फाइनल में आमने-सामने होंगे और इस ऐतिहासिक टकराव से पहले माहौल और भी गरमा गया है। टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ियों के बीच बढ़ी तनातनी और स्लेजिंग पर आलोचना लगातार हो रही है। पूर्व खिलाड़ियों और फैंस का मानना है कि यह खेल की भावना के खिलाफ है और इसे रोका जाना चाहिए। हालांकि, योगराज सिंह की बयानबाजी ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है, जहां लोग उनकी देशभक्ति और सख्त लहजे का समर्थन कर रहे हैं। अब सभी की निगाहें एशिया कप 2025 के फाइनल पर टिकी हैं। सवाल यही है कि क्या दोनों टीमें मैदान पर सिर्फ बल्ले और गेंद से जवाब देंगी या फिर मौखिक हमले और उकसावे का दौर भी देखने को मिलेगा।

चाइना ओपन टेनिस टूर्नामेंट

चीन के बीजिंग में 2025 चाइना ओपन टेनिस टूर्नामेंट में जर्मनी के अलेक्जेंडर ज़्वेरेव और इटली के लोरेनजो सोनेगो के बीच पुरुष एकल पहले दौर के मैच में शॉट लगाते अलेक्जेंडर ज़्वेरेव।

शोएब की जुबान फिसली, अभिषेक बच्चन बने क्रिकेट चर्चा का हिस्सा

सोशल मीडिया पर मजाक और ट्रोलिंग का दौर शुरू

नई दिल्ली,27 सितंबर (एजेंसियां)।

एशिया कप 2025 के फाइनल में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले महामुकाबले को लेकर चारों ओर उत्साह का माहौल है। 28 सितंबर को होने वाले इस मैच से पहले पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर की जुबान फिसल गई और वे भारतीय क्रिकेटर अभिषेक शर्मा की जगह अभिनेता अभिषेक बच्चन का नाम ले बैठे। इसके बाद सोशल मीडिया पर मजाक और ट्रोलिंग का दौर शुरू हो गया, जिसमें खुद अभिषेक बच्चन ने भी मजेदार अंदाज में हिस्सा लिया।

दरअसल, शोएब अख्तर एक क्रिकेट शो में भारत की बल्लेबाजी को लेकर चर्चा कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा, अगर पाकिस्तान अभिषेक बच्चन को जल्दी आउट कर देता है तो भारत का मिडिल ऑर्डर क्या करेगा उनका मिडिल ऑर्डर तो अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहा। शोएब की इस चूक पर पहले तो लोग हंस पड़े और फिर सोशल मीडिया पर उनका मजाक उड़ाया जाने लगा। यह गलती जल्द ही अभिषेक बच्चन तक भी पहुंच गई। अपनी हाजिरजवाबी के लिए मशहूर अभिषेक ने इस मौके को हाथ से नहीं जाने दिया। उन्होंने एक न्यूज पोर्टल के ट्वीट पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, महोदय, पूरे सम्मान के साथ कहना चाहता हूंज मुझे नहीं लगता कि वे ऐसा भी कर पाएंगे! और मैं तो क्रिकेट खेलने में अच्छा भी नहीं हूं। उनका यह जवाब देखते ही देखते वायरल हो गया और यूजर्स ने जमकर तारीफ की।

सोशल मीडिया पर लोगों ने भी खूब मजेदार कमेंट किए। एक यूजर ने लिखा, शोएब अख्तर एशिया कप की प्लानिंग कर रहे हैं, लेकिन लगता है फिल्मफेयर अवॉर्ड्स की तैयारी में हैं। एक अन्य ने चुटकी लेते हुए कहा, अभिषेक बी, 28 सितंबर को घर से बाहर मत निकलना, पाकिस्तान का पूरा प्लान बिगड़ जाएगा। वहीं एक फैन ने लिखा, सर, आपने घूमर से इतना अभ्यास कर लिया है कि आप पाकिस्तान को बोल्ड भी कर सकते हैं।

अभिषेक बच्चन के फिल्मों की बात करें तो वह आने वाले समय में दो बड़े प्रोजेक्ट्स में नजर आएंगे। पहली फिल्म किंग है, जिसका निर्देशन सिद्धार्थ आनंद कर रहे हैं और इसमें शाहरुख खान, रानी मुखर्जी और दीपिका पादुकोण जैसे सितारे शामिल हैं। दूसरी फिल्म राजा शिवाजी में वह रितेश देशमुख, जेनेलिया, संजय दत्त और विद्या बालन जैसे दिग्गज कलाकारों के साथ दिखाई देंगे। दोनों ही फिल्में 2026 में रिलीज होंगी। इस पूरे वाकये ने भारत-पाकिस्तान फाइनल से पहले क्रिकेट की गंभीर चर्चा में हास्य का रंग भर दिया है, और अब क्रिकेट फैंस उतावले हैं देखने के लिए कि मैदान पर कौन किसे सचमुच बोल्ड करता है।

अभिषेक शर्मा को लेकर मोहम्मद कैफ ने की बड़ी भविष्यवाणी

नई दिल्ली,27 सितंबर (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट टीम को एक ऐसा ओपनर मिल चुका है, जिसने अपने आक्रामक अंदाज से सबको हैरान कर दिया है। रोहित शर्मा के टी20 क्रिकेट से संन्यास के बाद यह जिम्मेदारी युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने संभाली है और उन्होंने बेहद कम समय में अपने प्रदर्शन से साबित कर दिया कि वे भारतीय क्रिकेट के नए धुरंधर ओपनर हैं। अभिषेक शर्मा की बल्लेबाजी की खासियत है उनका इंटेंट। पिच पर उतरते ही वे गेंदबाजों पर हावी हो जाते हैं और पावरप्ले का भरपूर फायदा उठाते हैं। अब तक खेले गए 22 टी20 इंटरनेशनल मैचों में उन्होंने 783 रन बनाए हैं और उनका स्ट्राइक रेट 197.73 का है, जो किसी भी गेंदबाज के लिए डर पैदा करने वाला है। यही वजह है कि पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने उन्हें लेकर भविष्यवाणी की है कि वे भविष्य में एक ओवर की सभी छह गेंदों पर छह छक्के जड़ सकते हैं।

कैफ ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, यह सिर्फ शॉट खेलने की बात नहीं है, बल्कि उनके इंटेंट की बात है। अपने दिन पर वह किसी भी गेंदबाज का करियर तबाह कर सकते हैं। उनके पास शॉट्स की रेंज, मानसिक ताकत और खेल की समझ है। यही कारण है कि मुझे विश्वास है कि वे छह गेंदों पर छह छक्के जरूर लगाएंगे। कैफ ने अभिषेक शर्मा को रोहित शर्मा का सच्चा उत्तराधिकारी बताया और कहा कि उनके खेलने का तरीका विरोधी टीमों के लिए बड़ा खतरा है। उन्होंने आगे कहा, जब वह रन बनाते हैं, तो अकेले ही मैच जिता देते हैं। रोहित शर्मा के बाद टीम इंडिया को पावरप्ले में आक्रामक बल्लेबाजी की कमी खल रही थी, लेकिन अब हमें उसका जवाब मिल गया है। वह नाम है अभिषेक शर्मा।

अभिषेक इस समय एशिया कप 2025 में टीम इंडिया का हिस्सा हैं और यह उनका पहला मल्टी नेशन टूर्नामेंट है। उन्होंने अब तक खेले पांच मैचों में 248 रन बना लिए हैं और टूर्नामेंट के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने हुए हैं। जबकि दूसरा कोई भी बल्लेबाज अभी 180 रन के आंकड़े तक नहीं पहुंच पाया है। उनकी यह निरंतरता और विस्फोटक बल्लेबाजी अंदाज साफ इशारा कर रहे हैं कि भारत को आने वाले समय में एक और 'हिटमैन' मिल चुका है, जो पावरप्ले से ही मैच का रुख बदलने की काबिलियत रखता है।

विश्व तीरंदाजी पैरा चैंपियनशिप: शीतल देवी ने जीता पहला स्वर्ण

ग्वांगझू। भारतीय पैरा तीरंदाज शीतल देवी ने महिला कॉम्पाउंड ओपन फाइनल में तुर्की की ओज़नूर क्यूरे गिरदी को हराकर विश्व तीरंदाजी पैरा चैम्पियनशिप में अपना पहला स्वर्ण पदक जीता है। स्वर्ण पदक मैच में शीतल ने दूसरे राउंड से बढ़त बनाई और पूरे खेल में मजबूती बनाए रखते हुए 146-143 से फाइनल अपने नाम किया। इस जीत के साथ शीतल ने तीन बार की विश्व चैम्पियन और 2024 पेरिस पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता को मात दी। यह शीतल का उस दिन का तीसरा मेडल था। उन्होंने पहले टीम इवेंट में रजत और कांस्य पदक भी जीते। दिन की शुरुआत में, शीतल देवी ने सरिता के साथ महिला कॉम्पाउंड ओपन टीम इवेंट में रजत पदक प्राप्त किया, जहां तुर्की ने फाइनल में उन्हें हराया। इसके बाद शीतल ने टोमन कुमार के साथ मिश्रित टीम कॉम्पाउंड ओपन इवेंट में कांस्य पदक जीता, जब उन्होंने ग्रेट ब्रिटेन के नाथन मैकक्वीन और जोडी ग्रिनहम को मात दी। शीतल देवी की इस शानदार प्रदर्शन ने भारतीय पैरा तीरंदाजी को गौरवान्वित किया और उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान दिलाई ।

कोल इंडिया ने कर्मचारियों को दिया दीवाली का तोहफा, बोनस के रुप में की पैसों की बारिश

धनबाद,27 सितंबर (एजेंसियां)।

दुर्गा पूजा से ठीक पहले कोल इंडिया के 2.20 लाख कोयला कर्मचारियों के लिए खुशखबरी है। प्रबंधन और श्रमिक यूनियनों के बीच कई घंटों की लंबी बातचीत के बाद बोनस की राशि पर सहमति बन गई है। इस साल कर्मचारियों को 1.03 लाख रुपए का बोनस दिया जाएगा। यह राशि सभी कर्मियों के बैंक खातों में भेज दी जाएगी। पिछले साल की तुलना में यह बोनस काफी ज्यादा है। बीते साल कर्मचारियों को 93,750 रुपए का बोनस मिला था। इस बढ़ोतरी से कोयला कर्मियों में खुशी की लहर है। कोलकाता के एक होटल में मानकीकरण समिति की बैठक हुई। शुरुआत में प्रबंधन 98,500 देने को तैयार था, जबकि पांचों श्रमिक यूनियनें 1.25 लाख रुपए की मांग पर अड़ी थीं। यूनियनों का कहना था कि पिछले साल के मुकाबले कोल इंडिया का मुनाफा काफी बढ़ा है, इसलिए बोनस भी ज्यादा मिलना चाहिए। इस मांग को लेकर राष्ट्रीय खान मजदूर फेडरेशन ने बैठक से वॉकआउट कर दिया था।

हालांकि, देर रात करीब 11:50 बजे दोबारा बैठक शुरू हुई और आखिरकार दोनों पक्षों के बीच 1.03 लाख रुपए पर सहमति बनी। प्रबंधन ने तर्क दिया कि कंपनियों की आर्थिक स्थिति अभी भी पूरी तरह से मजबूत नहीं है और ज्यादा बोनस देने से आने वाले समय में दिक्कतें हो सकती हैं। इस बोनस से कोल इंडिया की कई अनुषंगी कंपनियों के लाखों कर्मचारी लाभान्वित होंगे। कोल इंडिया प्रबंधन के इस फैसले से त्योहारों के दौरान बाजार में करीब 2100 करोड़ रुपए की अतिरिक्त राशि आएगी, जिससे धनबाद और झारखंड समेत अन्य कोयला खनन क्षेत्रों की स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बड़ा बढ़ावा मिलेगा।

न्यूज ब्रीफ

विडा ने पेश किया ग्राहकों के लिए नया सर्विस प्रोग्राम

नई दिल्ली। हीरो मोटोकॉर्प की इलेक्ट्रिक ब्रांड विडा (वीआईडीए) ने ग्राहकों के लिए नया सर्विस प्रोग्राम पेश किया है। ऑफर के तहत विडा कंपनी ई-स्कूटर्स पर 5 साल या 75,000 किमी की वारंटी उपलब्ध कराएगी, जिसमें बैटरी को अलग से 5 साल/60,000 किमी तक का कवरेज मिलेगा। वारंटी में 11 अहम कम्पोनेंट्स शामिल होंगे। नई योजना में ग्राहकों को कई फायदे दिए जा रहे हैं। इसमें एक्सटेंडेड वारंटी, एश्योर्ड बायबैक, 24/7 रोडसाइड असिस्टेंस और कनेक्टेड सर्विस सब्सक्रिप्शन शामिल हैं। सबसे खास बिंदु है बायबैक गारंटी। तीन साल बाद ग्राहक अपने स्कूटर को वापस कर एक्स-शोरूम कीमत का 67.5 प्रतिशत तक रिफंड पा सकते हैं। इससे मॉडल अपग्रेड करना आसान हो जाएगा। कंपनी ने साथ ही 'विडा ऐज' सब्सक्रिप्शन पैकेज भी लॉन्च किया है। इसमें देशभर के 3,600+ चार्जिंग प्वॉइंट्स पर अनलिमिटेड फास्ट चार्जिंग और मोबाइल ऐप पर 40 से अधिक कनेक्टेड फीचर्स शामिल हैं। इससे यूजर्स स्कूटर की बैटरी स्टेटस, राइड हिस्ट्री, चार्जिंग लोकेशन और ओवर-द-एयर अपडेट जैसी सुविधाओं का लाभ ले सकेंगे। रोडसाइड असिस्टेंस में ब्रेकडाउन, फ्लैट टायर, टोइंग तक की मदद मिलेगी। सभी सुविधाएं डीलरशिप और डिजिटल चैनलों पर उपलब्ध हैं।

किफायती एसयूवी कायलाक अब सीएसडी की सूची में शामिल

नई दिल्ली। अपनी किफायती एसयूवी कायलाक को स्कोडा ऑटो इंडिया ने अब सीएसडी की सूची में शामिल कर लिया है। अब सेवारत और रिटायर्ड रक्षा कर्मी इस कार को सीएसडी-अप्रूव्ड रेट पर खरीद सकते हैं। जानकारी के मुताबिक, कायलाक सीएसडी में तीन वैरिएंट - सिग्नेचर, सिग्नेचर प्लस और प्रेस्टीज में उपलब्ध होगी। इनमें मैनुअल और ऑटोमैटिक दोनों गियरबॉक्स विकल्प मिलेंगे। इससे पहले स्कोडा की कुशाक और स्लाविया मॉडल ही डिपो में उपलब्ध थे। अब कायलाक तीसरी कार है, जो इस स्कीम में शामिल हुई है। कार खरीदने के लिए इच्छुक ग्राहक अपने नजदीकी सीएसडी डिपो पर जाकर जरूरी दस्तावेज जमा करेंगे। अप्रूवल मिलने के बाद स्कोडा डीलर डिलीवरी और आफ्टर-सेल्स सर्विस की जिम्मेदारी संभालेंगे। हालांकि राज्यवार टैक्स और लेवी अलग-अलग होंगे, इसलिए ग्राहकों को अंतिम ऑन-रोड कीमत जानने के लिए डीलर या डिपो से संपर्क करना होगा। कायलाक अपनी सेफ्टी के लिए भी जानी जाती है। इस एसयूवी को ग्लोबल एनकैप क्रैश टेस्ट में 5-स्टार सेफ्टी रेटिंग मिली है। इसके अलावा इसमें प्रीमियम इंटीरियर, एडवांस टेक्नोलॉजी और दमदार परफॉर्मेंस मिलती है।

यांगवांग यू9 एक्सट्रीम ने रिकॉर्ड तोड़ गति हासिल की

नई दिल्ली। बीवायडी की यांगवांग यू9 एक्सट्रीम ने रिकॉर्ड तोड़ गति हासिल की है। यह उपलब्धि हासिल करने वाली पहली प्रोडक्शन इलेक्ट्रिक कार बनी है। जर्मनी के एटीपी हाई-स्पीड ओवल ट्रैक पर इस इलेक्ट्रिक हाइपरकार ने 496.22 केएमपीएच (308.4 एमपीएच) की स्पीड पकड़ ली। इस तरह इसने 2019 में बनी बुगाटी चिरॉन सुपर स्पोर्ट 300 प्लस का 304.7 एमपीएच का रिकॉर्ड तोड़ दिया। यह कार सिर्फ टॉप स्पीड में ही नहीं, बल्कि नीरबुग्रींग ट्रैक पर भी नया रिकॉर्ड बना चुकी है। इसने 7 मिनट से कम समय में लैप पूरा किया और शाओमी एसयू7 अल्ट्रा को पछाड़ दिया। यांगवांग यू9 एक्सट्रीम में 1,200वी का क्वॉड-मोटर सिस्टम है, जो 2,977एचपी पावर जनरेट करता है। इसमें एलएफपी बैटरी पैक है, जो कुछ ही सेकेंड में 0-1000 केएमपीएच की रफ्तार दिला देता है। एडवांस्ड टॉर्क वेक्टरिंग और एडॉप्टिव सस्पेंशन इसे और खास बनाते हैं। कार की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह स्पीड ब्रेकर पर 'जंप' कर निकल सकती है। सुरक्षा के लिहाज से इसमें कार्बन-सिरेमिक डिस्क्स, टाइटेनियम कैलिपर्स और खास गीतीस्पोर्ट ई-जीटीआर2 प्रो टायर्स दिए गए हैं, जो 310 एमपीएच तक स्पीड झेलने में सक्षम हैं।

181 लाख करोड़ के कर्ज में डूबी केंद्र सरकार लेने जा रही 6.77 लाख करोड़ का अतिरिक्त कर्ज

नई दिल्ली,27 सितंबर (एजेंसियां)।

केंद्र सरकार इस वित्तीय वर्ष में 6.77 लाख करोड़ का अतिरिक्त कर्ज लेने जा रहा है। बता दें कि सरकार जरूरी खर्चे पूरे करने और इन्फ्रा योजनाओं को फंडिंग देने के लिए हर साल बाजार से बॉन्ड के जरिये मोटा कर्ज उठाती है। देश पर 31 मार्च, 2025 तक करीब 181 लाख करोड़ रुपये का कर्ज लदा हुआ है, जो देश की जीडीपी का 56 फीसदी है। इस कर्ज में केंद्र सरकार और राज्यों का भी लोन शामिल है। इसके अलावा भारत पर विदेशी कर्ज भी लदा है, जो पिछले एक साल में 10 फीसदी बढ़कर करीब 61 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया है। देश पर कर्ज लदने से हर व्यक्ति पर भी देनदारी बढ़ जाती है।

वित्तवर्ष की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में सरकार की उधारी 5,000 करोड़ रुपये कम हुई। इसके अलावा दूसरी छमाही (अक्टूबर-मार्च) के अनुमान में भी 5,000 करोड़ रुपये की कटौती कर दी गई है। इस तरह देखा जाए तो पूरे वित्तवर्ष में उधारी में 10 हजार करोड़ रुपये की कमी आएगी। अब चालू वित्तवर्ष के लिए कुल उधारी 14.72 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है, जो बजट अनुमान से 10,000 करोड़ रुपये कम होगा। वित्त मंत्रालय ने कहा है कि दूसरी छमाही के लिए 6.77 लाख करोड़ रुपये की उधारी में से 10,000 करोड़ रुपये सरकारी हरित बॉन्ड के जरिये जुटाने की योजना है। पहली छमाही में सरकार ने 8 लाख करोड़ रुपये उधार लेने की योजना बनाई थी, जिसमें से 7.95 लाख करोड़ रुपये ही उधार लिए गए। सरकार दूसरी छमाही में उधारी की योजना को 22 साप्ताहिक नीलामी के माध्यम से छह मार्च 2026 तक पूरा करेगी। आर्थिक मामलों की सचिव अनुराधा ठाकुर ने कहा कि कुल सकल उधारी अब 14.72 लाख करोड़ रुपये है, जो प्रारंभिक अनुमान से थोड़ा कम है। उन्होंने कहा कि मैं यह बात फिर कहूंगी कि सरकार राजकोषीय घाटे के लक्ष्य को पूरा करने के प्रति प्रतिबद्ध है।

एनआईसीडीसी बना रहे औद्योगिक स्मार्ट शहर, कई देश दिखा रहे रुचि

नई दिल्ली। राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास निगम लिमिटेड (एनआईसीडीसी) के मुख्य कार्याधिकारी व प्रबंध निदेशक रजत कुमार सैनी ने बताया कि औद्योगिक स्मार्ट शहरों का कार्य तेजी से जारी है। जापान, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर समेत पूर्व एवं दक्षिण पूर्व एशिया के देश इन औद्योगिक शहरों में रुचि दिखा रहे हैं। इन औद्योगिक शहरों का विकास एनआईसीडीसी कर रहा है। उन्होंने बिजनेस स्टैंडर्ड को बताया कि भूराजनीतिक चिंताओं और अनिश्चितताओं के बावजूद इन शहरों में रुचि कायम है। उन्होंने कहा कि एनआईसीडीसी के शहर वैश्विक रुचि नियमित रूप से आकर्षित करते हैं। जापान, कोरिया और सिंगापुर के अलावा जर्मनी, इटली, यूएई, यूके, ताइवान, रूस समेत अन्य देशों की इन शहरों में रुचि बढ़ रही है। एडवांस विनिर्माण, सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स, औषधि, एयरोस्पेस, रक्षा, भारी उद्योग, कपड़ा, खाद्य प्रसंस्करण और अन्य क्षेत्रों के अलावा अन्य क्षेत्रों पर ध्यान दिया जा रहा है। सरकार के राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास कार्यक्रम के तहत औद्योगिक गलियारों पर 20 औद्योगिक स्मार्ट शहर विकसित किए जाने हैं। इसमें व्यापक सोच विश्व स्तरीय औद्योगिक ढांचा बनाना और भारत को वैश्विक विनिर्माण का केंद्र बनाना है।

यात्री वाहनों के इंजन में होगा बदलाव, बीईई करेगी नए मानक लागू

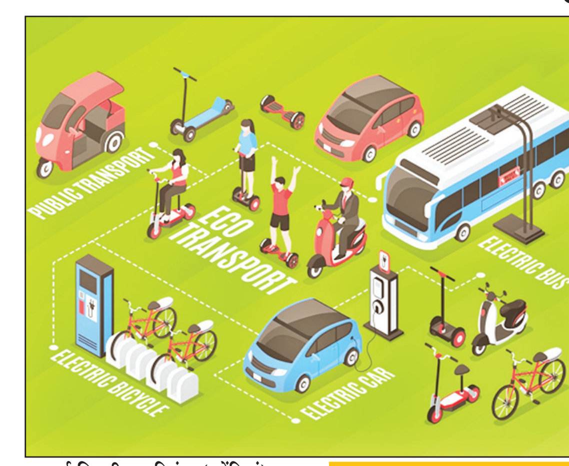

नई दिल्ली,27 सितंबर (एजेंसियां)।

ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) ने यात्री वाहनों के लिए नए 'कॉरपोरेट औसत ईंधन दक्षता-3' मानक प्रस्तावित हैं, जो वाहन कंपनियों को साझा प्रयास करने, छोटी कारों को छूट देने और फ्लेक्स-ईंधन, हाइब्रिड एवं इलेक्ट्रिक मॉडलों को भी शामिल करने की सुविधा देता है। बीईई का कहना है कि वाहनों की ईंधन दक्षता बढ़ाने नए मानक एक अप्रैल, 2027 से 31 मार्च, 2032 तक लागू होंगे। देश में फिलहाल कैफे-2 मानक लागू हैं, जिन्हें कैफे 3 से बदला जाएगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रस्तावित कैफे-3 नियमों के तहत साल भर में औसत ईंधन खपत के मानक को पूरा करने के लिए अधिकतम तीन वाहन विनिर्माता आपस में मिलकर एक 'पूल' भी बना सकते हैं। इस स्थिति में पूल को एक वाहन विनिर्माता माना जाएगा। हालांकि एक वाहन विनिर्माता केवल एक पूल में ही शामिल हो सकता है। पूल के 'पूल प्रबंधक' के रूप में नामित विनिर्माता पूल के संपर्क बिंदु के रूप में काम करेगा। वही ऊर्जा संरक्षण अधिनियम, 2001 के तहत लगाए गए किसी भी जुर्माने का भुगतान करने के लिए जिम्मेदार होगा। नए मानक फ्लेक्स-ईंधन वाहन और इलेक्ट्रिक वाहन को भी कैफे-3 मानकों के दायरे में शामिल करते हैं। इन्हें कॉरपोरेट औसत ईंधन खपत मानक 2027-2032 (कैफे 2027) कहा जाएगा। बीईई ने प्रस्तावित नियमों पर 21 दिनों के अंदर संबंधित पक्षों से टिप्पणियां देने को कहा है। नए नियमों से वाहन विनिर्माता अपनी कारों में ईंधन बचत को बढ़ाने, इलेक्ट्रिक एवं हाइब्रिड कारों को बढ़ावा देने और पर्यावरण को फायदा पहुंचाने के लिए जरूरी बदलाव कर सकेंगे। सरकार ने साल 2020 से वाहनों के इंजन से उत्सर्जन को कम करने के लिए बीएस-6 मानक लागू किए हैं।

देश में है कैफे-2 मानक लागू, जिन्हें कैफे 3 से बदला जाएगा

प्रथम पृष्ठ का शेष...

इलाज बिना बेमौत...

जीवन छोटा होता जा रहा है, उच्च स्तरीय अस्पतालों में भीड़ बढ़ रही है और सभी के लिए खर्चे बढ़ रहे हैं। रोकथाम योग्य बीमारियां जानलेवा संकटों में बदल रही हैं, जिससे मांग पक्ष (मरीजों) और आपूर्ति पक्ष (सार्वजनिक स्वास्थ्य ढांचा) दोनों पर भारी असर पड़ रहा है। निवारक देखभाल (टीके, प्रसवपूर्व जांच, पुरानी बीमारियों की जांच) अक्सर स्वस्थ रहने के लिए देश का सबसे मजबूत सहारा होती है। लेकिन जब ये पहुंच से बाहर हो जाती हैं, तो पहले से कम समझी जाने वाली बीमारियां वापस आ जाती हैं और मातृ एवं नवजात मृत्यु दर लगातार ऊंची बनी रहती है।नियमित जांच के बिना, गर्भाशय ग्रीवा का कैंसर या बिना निदान वाली मधुमेह जैसी बीमारियां चुपचाप गंभीर, जानलेवा अवस्था में पहुंच जाती हैं। असमानताएं स्पष्ट हैं: अनुसूचित जनजातियों में टीकाकरण दर अगड़ी जातियों से 20 प्रतिशत से भी अधिक पीछे है। ग्रामीण बच्चे भी शहरी बच्चों से लगभग इसी अंतर से पीछे हैं। औपचारिक देखभाल के लिए महंगे दामों पर उपलब्ध लोग अक्सर अनौपचारिक प्रदाताओं की ओर रुख करते हैं: फार्मासिस्ट (योग्य और अन्य), पारंपरिक चिकित्सक, बिना लाइसेंस वाले चिकित्सक। गलत निदान, खतरनाक एंटीबायोटिक दवाओं का दुरुपयोग और गैर-संक्रमित प्रक्रियाएं आम हैं, जो दवा प्रतिरोध और असफल उपचारों को बढ़ावा देती हैं। भारत और पाकिस्तान में, 80 प्रतिशत तक प्रथम-संपर्क देखभाल सार्वजनिक क्षेत्र के बाहर होती है। नुकसान केवल व्यक्तियों तक ही सीमित नहीं है क्योंकि प्रतिरोधी संक्रमण अनियंत्रित रूप से फैलते हैं और समुदायों और क्षेत्रों के लिए खतरा बन जाते हैं।निम्न-जाति समुदायों, लैंगिक अल्पसंख्यकों और आंतरिक प्रवासियों को भेदभाव, भाषाई अंतर और नौकरशाही बाधाओं सहित और भी बड़ी बाधाओं का सामना करना पड़ता है। यहां तक कि स्वास्थ्य योजनाओं में नामांकित लोगों को भी परिवहन या निदान के लिए छिपी हुई टॉप-अप लागतों का भुगतान करना पड़ता है, जो वादा की गई सुरक्षा को कमजोर करती है। इसका परिणाम यह होता है कि हाशिए पर पड़े समूहों के स्वास्थ्य संकेतक राष्ट्रीय औसत से पीछे रह जाते हैं, जिससे सामाजिक दरारें बढ़ती हैं और समान देखभाल प्रदान करने की संभावनाएं कम होती जाती हैं।बीमारी आजीविका भी छीन लेती है। भारत की विशाल अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में, न तो कोई सवेतन बीमारी अवकाश है और न ही कोई सुरक्षा कवच। परिवार के किसी बीमार सदस्य की देखभाल करने या बीमारी से उबरने का मतलब है वेतन का नुकसान। समय के साथ, बचत खत्म हो जाती है, आहार बिगड़ जाता है, और बच्चों को स्कूल से निकाल दिया जाता है। ये त्याग मानव पूंजी को नष्ट करते हैं और आर्थिक विकास को अवरुद्ध करते हैं, जिससे उत्पादकता में उल्लेखनीय कमी आती है जो क्षेत्रीय या राष्ट्रीय प्रगति को बाधित करती है।देखभाल से इनकार, घटिया इलाज या बढ़ा-चढ़ाकर बिल दिए जाने की हर घटना के साथ, स्वास्थ्य व्यवस्था में भरोसा कम होता जा रहा है। भारत में स्वास्थ्य के अधिकार को लागू करना जीवन-मरण का प्रश्न है। इसके लिए बुनियादी ढांचे, पारदर्शिता और जवाबदेही में निवेश की आवश्यकता है, ताकि किसी भी मरीज को चिकित्सा सेवा और वित्तीय बर्बादी के बीच चुनाव न करना पड़े। हर नागरिक को बिना किसी डर के क्लिनिक या अस्पताल में जाने की सुविधा मिलनी चाहिए कि उसकी जान बचाने से उसका भविष्य बर्बाद हो सकता है।सार्वजनिक वित्तपोषण का विस्तार करना तथा सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज तंत्र को मजबूत करना भी उतनी ही जरूरी है, ताकि स्वास्थ्य सेवा को बाजार या व्यक्तिगत बचत की अनिश्चितताओं पर न छोड़ा जाए, बल्कि इसे सार्वजनिक वस्तु के रूप में सुनिश्चित किया जाए।

संकल्प है, चिप...

प्रधानमंत्री ने गरीबों, दलितों, पिछड़ों और जनजातियों को मूलभूत सुविधाएं पहुंचाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि जब एक गरीब परिवार को पक्का घर मिलता है, तो न केवल उसका वर्तमान, बल्कि आने वाली पीढ़ियों का जीवन भी आसान हो जाता है। केंद्र सरकार देशभर के 4 करोड़ से अधिक गरीब परिवारों को पक्का घर दे चुकी है। आज ओड़ीशा में अंत्योदय गृह योजना के तहत करीब 50,000 परिवारों को घर की स्वीकृति मिली है।पीएम मोदी ने भारत को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए जहाज निर्माण के महत्व पर बात की। उन्होंने कहा कि कोई भी देश जो आर्थिक रूप से मजबूत होना चाहता है, वह बड़े-बड़े जहाज निर्माण पर बहुत बल देता है। जहाज निर्माण से व्यापार, टेक्नोलॉजी और देश की सुरक्षा को फायदा मिलता है। पीएम मोदी ने घोषणा की कि केंद्र की भाजपा सरकार ने देश में बड़े जहाज निर्माण को बढ़ावा देने के लिए 70,000 करोड़ रुपए का पैकेज स्वीकृत किया है। पीएम ने दोहराया कि सरकार का संकल्प है कि चिप से लेकर शिप तक, भारत हर चीज में आत्मनिर्भर बने।पीएम मोदी ने तकनीकी शिक्षा को मजबूत बनाने के लिए एक नई योजना का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि मेरिट नाम की एक योजना शुरू की गई है। इस योजना के तहत तकनीकी शिक्षा देने वाले संस्थानों पर हजारों करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। पीएम ने कहा कि ओड़ीशा के साथ-साथ पूरे देश में शिक्षा और कौशल विकास पर अभूतपूर्व खर्च किया जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पार्टी पर सीधा हमला बोला और उस पर जनता को लूटने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि साल 2014 में जब जनता ने भाजपा को चुना, तो देश कांग्रेस के लूट सिस्टम से मुक्त हो गया। पीएम मोदी ने दावा किया कि भाजपा सरकार में डबल बचत और डबल आय का दौर शुरू हुआ है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को उन्हें तरह-तरह की गालियां देने की आदत पड़ गई है।पीएम मोदी ने जीएसटी और टैक्स दरों को लेकर कांग्रेस की आलोचना की। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जब केंद्र सरकार ने जीएसटी की दरें कम कीं, तो पूरे देश में कीमतें कम हुईं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस आम जनता को यह सुख देना नहीं चाहती। हिमाचल प्रदेश का उदाहरण देते हुए पीएम ने कहा कि केंद्र द्वारा सीमेंट के दाम कम किए जाने पर, हिमाचल की कांग्रेस सरकार ने अपना ही टैक्स लगा दिया। इसी तरह, जब केंद्र ने डीजल-पेट्रोल के दाम कम किए, तब भी कांग्रेस शासित राज्यों ने दूसरा टैक्स लगाकर दाम उतना ही रहने दिया और अपनी तिजोरी भरते रहे। पीएम मोदी ने साफ कहा कि कांग्रेस की सरकार जहां भी रहेगी, वहां लोगों को लूटेगी ही और जनता को मिलने वाले फायदे के बीच दीवार बनकर खड़ी हो जाएगी।

काठमांडू के पहले...

सितंबर महीने में राहुल गांधी की यह पहली आधिकारिक विदेश यात्रा मानी जा रही है। हालांकि इससे पहले वे मलेशिया भी गए थे। उस यात्रा को लेकर कांग्रेस की तरफ से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया था। मलेशिया में राहुल गांधी के छुट्टियां मनाने की तस्वीरें खूब वायरल हुईं, लेकिन यह भी पता चला कि मलेशिया में राहुल गांधी की मुलाकात भारत के खिलाफ षडयंत्र करने वाले अमेरिकी धनपशु जॉर्ज सोरोस के बेटे, पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के लिए काम करने वाली एक मोहतरमा और ऐसे ही अन्य लोगों के साथ हुई थी। मलेशिया दौरे में राहुल गांधी और विवादास्पद इस्लामिक धर्मगुरु जाकिर नाइक के साथ मुलाकात की भी खबरें आईं, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई।

203 सीटों पर लड़ेगी...

सीट बंटवारा और उम्मीदवारों की घोषणा, दोनों के लिए पार्टी चुनाव की अधिसूचना जारी होने का इंतजार कर रही है।

भाजपा चिराग पासवान को चुनाव में अहम खिलाड़ी मान रही है। पार्टी का मानना है कि कार्यकर्ताओं को सकारात्मक संदेश देने के लिए अधिक सीटें मांगना उनकी मजबूरी है। अगर अधिक समस्या हुई तो भाजपा अपने हिस्से की कुछ सीटें उन्हें दे सकती है। हालांकि इन सीटों पर भाजपा के उम्मीदवार लोजपा (आर) के टिकट पर लड़ेंगे। बीते चुनाव में भाजपा ने वीआईपी के साथ भी यही फार्मूला अपनाते हुए उसे 11 सीटें दी थी। इनमें से छह सीटों पर भाजपा के उम्मीदवार लड़े थे। बाद में वीआईपी के जीते चार विधायक भाजपा में शामिल हो गए थे।

आईएसआई के संपर्क ...

वांगचुक ने पाकिस्तान के एक मीडिया हाउस द-डॉन के कार्यक्रम में हिस्सा लिया था और बांग्लादेश की यात्रा भी की थी। डीजीपी ने कहा कि वांगचुक लेह एपेक्स बॉडी और करगिल डेमोक्रेटिक अलायंस की ओर से चल रहे राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची की मांग को लेकर आंदोलन का चेहरा बने थे, लेकिन उन्होंने संवाद प्रक्रिया को पटरी से उतारने की कोशिश की।उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार और लद्दाख प्रतिनिधियों के बीच 25 सितंबर को एक अनौपचारिक बैठक प्रस्तावित थी, लेकिन वांगचुक ने उसी दिन भड़काऊ वीडियो और बयान जारी कर माहौल बिगाड़ने की कोशिश की, जिसका नतीजा हिंसक झड़पों के रूप में सामने आया। एलजी कवींद्र गुप्ता के विदेशी साजिश के बयान का समर्थन करते हुए डीजीपी ने कहा कि तीन नेपाली नागरिकों को गोली लगने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है, और अन्य संदिग्ध विदेशी नागरिकों की भूमिका भी सामने आ रही है। बुधवार की हिंसा के मामले में अब तक 50 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें से 6 प्रमुख षड्यंत्रकारी माने जा रहे हैं। डीजीपी जामवाल ने कहा, साफ है कि वांगचुक ही इस पूरे घटनाक्रम के मुख्य प्रेरक थे, इसलिए उन्हें राज्य से बाहर की जेल में रखा गया है।डीजीपी ने यह भी दावा किया कि वांगचुक केंद्र सरकार के साथ होने जा रही बातचीत को निहित स्वार्थ के चलते पटरी से उतारना चाहते थे। फिलहाल लद्दाख पुलिस अधिक खुलासा नहीं कर रह है पर इतना जरूर कह रही है कि इसके पीछे विदेशी साजिश है। उन्होंने कहा कि अनशन मंच का दुरुपयोग जनता को भड़काने के लिए किया गया। सोनम वांगचुक एक अलग एजेंडा चला रहे थे।डीजीपी ने कहा कि आश्चर्यजनक रूप से 24 सितंबर को लोगों की बड़ी भीड़ इकट्ठा हो गई। वहां असामाजिक तत्व मौजूद थे। पांच से छह हजार लोगों ने सरकारी इमारतों और राजनीतिक दलों के कार्यालयों को नुकसान पहुंचाया और पथराव किया। उन इमारतों में मौजूद हमारे अधिकारियों पर भी हमला किया गया। एक राजनीतिक दल के कार्यालय को जला दिया गया। एक अधिकारी गंभीर रूप से घायल है और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

दो बच्चों समेत...

उन्होंने पुलिस से मदद भी मांगी।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस घटना पर गहरा शोक जताते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, यह घटना बेहद दुखद है। मेरी संवेदनाएं उन परिवारों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है। इस कठिन समय में ईश्वर उन्हें शक्ति प्रदान करे। पीएम ने घायलों के लिए शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना भी की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि उनकी संवेदनाएं पीड़ित परिवारों के साथ हैं। निर्दोष लोगों की जान जाना बेहद हृदयविदारक है। सिंह ने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया। शाह ने कहा कि इस दुखद घटना ने उन्हें बेहद दुखी किया है। उन्होंने मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की और ईश्वर से प्रार्थना की कि परिवारों को यह दुःख सहने की शक्ति मिले। इसके साथ ही उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। फिल्म अभिनेता विजय की रैली में उम्मीद से कहीं ज्यादा लोग पहुंचे थे। अचानक भीड़ बेकाबू हो गई, जिससे भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। दो बच्चों समेत 30 से ज्यादा लोगों की मौत की आशंका जताई जा रही है। कई लोग बेहोश होकर गिर पड़े जिन्हें एंबुलेंस से अस्पताल ले जाया गया। करूर के सरकारी और निजी अस्पतालों में बड़ी संख्या में घायलों को भर्ती कराया गया। प्रशासन ने तुरंत अतिरिक्त डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों को लगाया। जिला प्रशासन ने बताया कि कई मरीजों की हालत गंभीर है और मृतकों का आंकड़ा बढ़ सकता है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने घटना पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री समेत कई अन्य मंत्रियों को करूर भेजा है ताकि हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जा सके। जिला कलेक्टर और पुलिस अधिकारी भी मौके पर मौजूद हैं और स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। हालात बिगड़ते देख विजय को भी अपना भाषण रोकना पड़ा। उन्होंने मंच से पुलिस से मदद की अपील की। इस दौरान वे खुद कार्यकर्ताओं को पानी की बोतलें बांटते दिखे, लेकिन भीड़ का दबाव लगातार बढ़ता गया। पुलिस को भीड़ को नियंत्रित करने के लिए लाठीचार्ज करना पड़ा।

दशहरा, धनतेरस, दीपावली, करवा चौथ कब है?

अक्टूबर में पड़ने वाले व्रत-त्यौहार

धार्मिक परंपराओं के लिहाज से अक्टूबर 2025 इस बार बेहद महत्वपूर्ण माह रहने वाला है। इस महीने दशहरा से लेकर दिवाली और करवा चौध से लेकर छठ महापर्व तक कई प्रमुख त्यौहार और व्रत पड़ रहे हैं। इसी महीने 1 अक्टूबर को शारदीय नवरात्रि का समापन बी हो रहा है। इसके बाद असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक दशहरा मनाया जाएगा। इसके साथ ही पापांकुशा एकादशी , शरद पूर्णिमा और अहोई अष्टमी जैसे व्रत मनाए जाएंगे। आइए ऐसे में जानते हैं अक्टूबर में आने वाले व्रत त्योहारों कैन-कैन से हैं।

02 अक्टूबर – दशहरा

आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को दशहरा मनाया जाता है। असत्य पर सत्य की विजय का यह पर्व शारदीय नवरात्रि के नौ दिनों के बाद आता है। इसी दिन भगवान श्रीराम ने रावण का वध किया था सच्चाई का परचम लहराया था। इस बार यह त्योहार 2 अक्टूबर, गुरुवार को मनाया जाएगा। इस दिन शस्त्र पूजन और रावण दहन की परंपरा है।

02 अक्टूबर – पापांकुशा एकादशी

सालभर में पड़ने वाली 24 एकादशियों में से आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को पापांकुशा एकादशी कहते हैं। शास्त्रों के अनुसार इस दिन उपवास कर भगवान विष्णु की पूजा करने से अकाल मृत्यु से मुक्ति मिलती है और मनुष्य के सभी पाप नष्ट होकर मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस बार पापांकुशा एकादशी 02 अक्टूबर शाम 07.10 बजे से शुरू होकर 03 अक्टूबर को शाम 06.32 बजे तक रहेगी.

02 अक्टूबर – पापांकुशा एकादशी

सालभर में पड़ने वाली 24 एकादशियों में से आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को पापांकुशा एकादशी कहते हैं। शास्त्रों के अनुसार इस दिन उपवास कर भगवान विष्णु की पूजा करने से अकाल मृत्यु से मुक्ति मिलती है और मनुष्य के सभी पाप नष्ट होकर मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस बार पापांकुशा एकादशी 02 अक्टूबर शाम 07.10 बजे से शुरू होकर 03 अक्टूबर को शाम 06.32 बजे तक रहेगी.

10 अक्टूबर – करवा चौथ

आश्विन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को करवा चौथ का पर्व मनाया जाता है। इस दिन विवाहित महिलाएं अपने पति की दीर्घायु और सुख-समृद्धि की कामना करती है। सुबह से निर्जला उपवास कर शाम को चंद्रमा को अर्घ्य देकर सुहागिन पति के हाथ से जल ग्रहण कर व्रत पूर्ण करती हैं। पंचांग के अनुसार, इस बार करवा चौथ का व्रत 10 अक्टूबर रखा जाएगा।

13 अक्टूबर – अहोई अष्टमी

अहोई अष्टमी का व्रत आश्विन मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी को रखा जाता है। बताएं संतान की दीर्घायु और अच्छे स्वास्थ्य के लिए व्रत रखती हैं। इस दिन सूर्योदय से उपवास शुरू होता है और रात में तारों को देखकर व्रत खोला जाता है। इस साल अहोई अष्टमी का व्रत 13 अक्टूबर को रखा जाएगा। मान्यता है कि इस व्रत से निसंतान महिलाओं को संतान सुख प्राप्त होता है।

17 अक्टूबर – रमा एकादशी/गोवत्स द्वादशी

कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी को रमा एकादशी कहते हैं। इस दिन उपवास रख भक्त भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी का पूजन करते हैं। मान्यता है कि इस व्रत को करने से जीवन में दरिद्रता दूर होती है और ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है। पंचांग के अनुसार, 17 अक्टूबर को यह व्रत रखा जाएगा। इस दिन गोवत्स द्वादशी भी पड़ रही है। महिलाएं इस दिन उपवास रखकर गौ पूजन करती हैं और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना करती हैं।

18 अक्टूबर – धनतेरस/यम प्रीत्यर्थ दीपदान

हिंदू धर्म में धन त्रयोदशी या धनतेरस का खास महत्व है। इस दिन को पांच दिनों तक चलने वाले दीपावली उत्सव के पहले दिन के तौर पर माना जाता है। हर साल यह पर्व कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी को मनाया जाता है। इस दिन भगवान धन्वंतरि, मां लक्ष्मी और धन के देवता कुबेर की पूजा होती है। इस साल 18 अक्टूबर 2025, शनिवार को धनतेरस का त्योहार मनाया जाएगा. धनतेरस की शाम को दीपदान करने की परंपरा है। इसे यम दीपदान भी कहा जाता है।

19 अक्टूबर –हनुमान जयंती

कार्तिक मास की चतुर्दशी को कई स्थानों पर हनुमान जयंती का पर्व मनाया जाता है। मान्यता है कि इस तिथि को व्रत और हनुमान जी की पूजा करने से जीवन से भय और संकट दूर होते हैं। श्रीरामचरितमानस, सुंदरकांड और हनुमान चालीसा का पाठ करना विशेष रूप से फलदायी माना जाता है। इस बार 19 अक्टूबर को हनुमान जयंती मनाई जाएगी।

20 अक्टूबर – नरक चतुर्दशी

नरक चतुर्दशी को 'छोटी दिवाली' के नाम से भी जाना जाता है। कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को नरक चतुर्दशी पड़ती है। मान्यता है कि इस दिन भगवान कृष्ण ने नरकासुर नामक राक्षस का वध किया था। इसलिए इसे नरक चतुर्दशी कहा जाता है। इस बार सोमवार 20 अक्टूबर को यह त्योहार मनाया जाएगा।

20 अक्तूबर –दीपावली

कार्तिक मास की अमावस्या को बड़ी ही धूमधाम के साथ अंधकार पर प्रकाश की जीत का त्योंहार दीपावली मनाया जाता है। इस दिन भगवान राम और माता सीता के अयोध्या लौटने पर दीप जलाकर उनका स्वागत किया था। यही परंपरा आज तक चली आ रही है। इस साल दिवाली का त्योहार 20 अक्टूबर को मनाया जाएगा. यह दिन मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की कृपा प्राप्त करने के लिए उत्तम माना जाता है।

21 अक्टूबर – कार्तिक अमावस्या

कार्तिक अमावस्या का दिन अत्यंत पवित्र माना गया है। यह तिथि दीपावली के साथ ही आती है और इस दिन पितरों के लिए तर्पण, श्राद्ध और दीपदान करना अत्यंत शुभ होता है। इस दिन किए गए धार्मिक कार्य मनुष्य के पापों का नाश करते हैं और उसे पुण्य फल की प्राप्ति कराते हैं। इस साल 21 अक्टूबर को यह पर्व मनाया जाएगा।

22 अक्टूबर – अन्नकूट व गोवर्धन पूजा

हर साल कार्तिक माह की प्रतिपदा तिथि को गोवर्धन पूजा की जाती है। यह दिन भगवान कृष्ण को समर्पित है। इस दिन भगवान श्रीकृष्ण ने इन्द्रदेव का अभिमान तोड़कर ब्रजवासियों की रक्षा के लिए गोवर्धन पर्वत को अपनी अंगुली पर धारण किया था। इस दिन कई तरह के भोजन बनाकर भगवान श्रीकृष्ण को अर्पित किया जाता।

23 अक्टूबर – भाई दूज (यम द्वितीया)

भाई दूज कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की द्वितीया को मनाया जाता है। इसे यम द्वितीया भी कहा जाता है। यह दीपावली के पांच दिवसीय उत्सव का अंतिम दिन होता है। इस दिन बहनें अपने भाइयों को तिलक लगाकर उनकी लंबी आयु और सुख-समृद्धि की कामना करती हैं। मान्यता है कि इस दिन यमराज अपनी बहन यमुना जी से मिलने आए थे, तभी से यह परंपरा चली आ रही है।

27 अक्टूबर – छठ महापर्व

छठ महापर्व कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की षष्ठी को मनाया जाता है। यह पर्व विशेषकर बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में अत्यधिक श्रद्धा से मनाया जाता है। छठ व्रत में महिलाएं और पुरुष निराहार व्रत रखकर अस्ताचल और उदयाचल सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते हैं। मान्यता है कि सूर्य की उपासना से संतान सुख और समृद्धि की प्राप्ति होती है। छठ पूजा चार दिनों तक चलता है।

31 अक्टूबर – अक्षय कूष्माण्ड नवमी

कार्तिक मास की शुक्ल नवमी को अक्षय कूष्माण्ड नवमी का व्रत रखा जाता है। मान्यता है कि इस दिन माता कूष्माण्डा की पूजा करने से अक्षय पुण्य और सौभाग्य की प्राप्ति होती है। इस दिन महिलाएं संतान की दीर्घायु और परिवार की सुख-समृद्धि के लिए व्रत करती हैं। इस दिन व्रत और दान करने से जीवन में कभी धन-धान्य की कमी नहीं होती।

अष्टमी के दिन सुख-सम्पन्नता के लिए करें माता के महागौरी स्वरूप की आराधना

अष्टमी के दिन मां दुर्गा की पूजा व आराधना ठीक उसी प्रकार कल्याणकारी है जिस प्रकार अंधेरे में घिरे हुए संसार के लिए भगवान सूर्य की एक किरण। नवरात्रि में दुर्गाष्टमी की कल्याणप्रद, शुभबेला श्रद्धालु भक्तजनों को मनोवांछित फल प्रदान करने के लिए प्रसिद्ध है। नवरात्रि के आठवें दिन की देवी मां महागौरी हैं, परमकृपालु मां महागौरी कठिन तपस्या कर गौरवर्ण को प्राप्त कर भगवती महागौरी के नाम से सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड में विख्यात हुईं। भगवती मां गौरी की अष्टमी के दिन आराधना सभी मनोवांछित फलों को देने वाली तथा शरीर में उत्पन्न नाना प्रकार के रोग, शोक, व्याधि आदि का अंत कर जीवन को आरोग्यता से पूर्ण करती हैं।

महागौरी मां दुर्गा की शक्ति का आठवां विग्रह स्वरूप हैं। इनकी आयु आठ वर्ष की मानी गई है, 'अष्टवर्षा भवेद् गौरी।' माता महागौरी मनुष्य की प्रवृत्ति सत् की ओर प्रेरित करके असत् का विनाश करती हैं। इनका शक्ति विग्रह भक्तों को तुरंत और अमोघ फल देता है। शास्त्रों में वर्णित इनकी उपासना से भक्त के जन्म-जन्मांतर के पाप धुल जाते हैं और मार्ग से भटका हुआ भी सन्मार्ग पर आ जाता है। भविष्य में पाप-संताप, निर्धनता, दीनता और दुख उसके पास नहीं फटकते। इनकी कृपा से साधक सभी प्रकार से पवित्र और अक्षय पुण्यों का अधिकारी हो जाता है, उसे अलौकिक सिद्धियों की प्राप्ति हो जाती है। 'नारद पंचरात्र' के अनुसार पार्वती के रूप में इन्होंने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए बड़ी कठोर तपस्या की थी। इनकी प्रतिज्ञा थी कि, 'व्रियेऽहम् वरदं शम्भुं नान्यं देवं महेश्वरात्।' इस कठोर तप के कारण उनकी देह क्षीण और वर्ण काला पड़ गया। अंत में इनकी तपस्या से संतुष्ट होकर जब भगवान शिव ने इन्हें अपनी जटा से निकलती पवित्र गंगाधारा के जल से धोया तो यह विद्युत प्रभा के समान अति कांतिमान और गौर वर्ण की हो गईं, तभी से इनका नाम महागौरी पड़ा। महागौरी अक्षत सुहाग की प्रतीक हैं, इनकी पूजा विवाहित महिलाओं को विशेष फल प्रदान करती हैं।

पूजन विधि – नवरात्र के आठवें दिन कंद, फूल, चंद्र अथवा श्वेत शंख जैसे निर्मल गौर वर्ण वाली महागौरी का स्तवन करें। पूजा के समय देवी स्थान को तोरण व विविध प्रकार के मांगलिक पत्र-पुष्प से सजाना चाहिए तथा स्थापित सभी देवी-देवताओं का पूजन उनके नाम मंत्रों द्वारा षोडशोपचार पूजन करना चाहिए जो विशेष फलदायक होता है। मां का ध्यान इस मंत्र से करें,

श्वेत हस्ति समारूढ़ा, श्वेताम्बर धरा शुचिः। महागौरी शुभं दद्याद् महादेव प्रमोददा।।

देवी की मूर्ति के सामने न केवल मंत्रोच्चारण करें, बल्कि प्रसाद और फूल भी चढ़ाएं, गौरी श्वेत रंग पसंद करती हैं, इसलिए इस दिन सभी को श्वेत वस्त्र पहनना चाहिए और देवी को सफेद फूल (बेली, चमेली) की माला चढ़ानी चाहिए। मां का शास्त्रीय विधि से पूजन करने वाले सभी रोगों से मुक्त हो जाते हैं, इस प्रकार अष्टमी को विविध प्रकार से भगवती जगदम्बा का पूजन कर रात्रि का जागरण करते हुए भजन-कीर्तन, नृत्यादि उत्सव मनाना चाहिए।

बुधादित्य योग के संयोग में माता कात्यायनी की कृपा का लाभ पाएंगे मेष कर्क समेत अन्य राशियों के जातक

आज यानी 28 सितंबर दिन रविवार है और आज के दिन तिथि रहेगी आश्विन मास की शुक्ल पक्ष की षष्ठी। शास्त्रों के अनुसार इस दिन की देवी मां कात्यायनी होती हैं। इस पर रविवार का दिन होने से दिन के देवता सूर्य होंगे जो आज कन्या राशि में बुधादित्य योग बनाकर संचार करेंगे और इसके साथ ही आज के दिन चंद्रमा का गोचर वृश्चिक राशि मे होगा और चंद्रमा अष्टम और एकादश भाव में शुभ ग्रहों के होने से शुभ योग बनेगा। साथ ही ज्येष्ठा नक्षत्र के संयोग में आज आयुष्मान योग का संयोग बन रहा है। ऐसे में आज का दिन बुधादित्य योग और माता कात्यायनी के आशीर्वाद से मेष, कर्क, कन्या, तुला और मकर राशि के जातको के लिए भाग्यशाली रहेगा।

मेष राशि –आज रविवार का दिन मेष राशि के लिए पराक्रम और प्रभाव मे वृद्धि करने वाला रहेगा। आप आज सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे। आर्थिक रूप से आपका पक्ष आज अनुकूल रहेगा। बिजनेस में आपको जहां लाभ मिलेगा। वहीं प्रॉपर्टी संबंधी काम में भी आप आज सफलता पाएंगे। आपके लिए सितारे कहते हैं कि आपके काम का संबंध अगर गृह निर्माण से संबंधित है तो आपके लिए आज का दिन विशेष रूप से लाभदायक होगा। पारिवारिक जीवन में भी आपसी सामंजस्य बना रहेगा। किसी पारिवारिक यात्रा का संयोग बन सकता है।

उपाय :आपको उपाय के तौर पर सूर्य देव को तांबे के लोटे से जल अर्घ्य देना चाहिए।

कर्क राशि –कर्क राशि के लिए आज का दिन आध्यात्मिक उत्थान का रहेगा। आपका मन आज के दिन धर्म अध्यात्म में अधिक लगेगा। आपको आज परिवार की ओर से कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। लोग आपकी बातों को मानेंगे और सम्मान करेंगे। आपकी आर्थिक योजनाएं फलीभूत होंगी। आपको कोई भौतिक सुख साधनों से संबंधित वस्तुओं की भी प्राप्ति हो सकती है। कोई सोचा हुआ काम पूरा होने से आपका मन आनंदित होगा। आपके लिए आज का दिन लव लाइफ के मामले में भी अच्छा है। आपको गिफ्ट मिलने का भी योग बना है।

उपाय : आपको आज के दिन उपाय के तौर पर सप्तशती के पंचम अध्याय का पाठ करना चाहिए।

कन्या राशि – कन्या राशि के लिए आज सितारे बताते हैं कि आपको आज के दिन पिता और पैतृक धन संपत्ति का लाभ मिल सकता है। जो प्रॉपर्टी संबंधी विवाद चल रहा है तो उसे सुलझाने में आप सफल रहेंगे। आपको वरिष्ठ लोगों से सहयोग प्राप्त होगा। आपके लिए आज का दिन आर्थिक लाभ दिलाने वाला भी रहेगा। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से आपकी मुलाकात हो सकती है जिससे भविष्य में लाभ का सृजन हो सकता है। सामाजिक कार्यों से जुड़े जातकों को आज कोई सम्मान या पद का लाभ मिल सकता है। आपको आज के दिन धार्मिक कार्यों में शामिल होकर पुण्य लाभ पाने का भी अवसर प्राप्त होगा। पारिवारिक जीवन में आपको जीवनसाथी के साथ सुखद समय बिताने का मौका मिलेगा।

उपाय : आज के लिए आपको उपाय के तौर गायत्री मंत्र का जप करना चाहिए और गाय को गुड़ खिलाएं

तुला राशि – तुला राशि के जातक आज भाग्य का चमत्कार देख सकते हैं। आपके लिए अचानक लाभ का कोई संयोग बन सकता है। कोई ऐसी खबर मिल सकती हे जिससे आपका मन आनंदित हो जाएगा। आपका प्रभाव और आत्मविश्वास आपके लिए उन्नति की राह बनाएगा। आपको आज किसी काम में नेतृत्व करने का भी मौका मिलेगा। पारिवारिक जीवन मे आपको जीवनसाथी और भाई बहनों से भी सहयोग मिलेगा। कोई अधूरा अटका काम पूरा होने से आपका मन आज आनंदित हो जाएगा। शाम का समय आपका धार्मिक कार्यों में बीतेगा।

उपाय : आपको आज के दिन उपाय के तौर पर रुद्राष्टक का पाठ करना चाहिए।

मकर राशि – मकर राशि के लिए रविवार का दिन सुखद रहने वाला है। जो लोग वस्त्र और शौक श्रृंगार से संबंधित वस्तुओं के कारोबार से जुड़े हुए हैं उनको भाग्य आज लाभ का विशेष अवसर प्रदान करेगा। आपको आज के दिन प्रॉपर्टी के काम में भी लाभ मिलने का योग बना हुआ है। आपके लिए यात्रा का भी संयोग बना हुआ है। अगर आप किसी शुभ काम के लिए यात्रा पर जा रहे हैं तो आपकी यात्रा सफल और सुखद रहेगी। किसी तीर्थ दर्शन का भी आपको आज के दिन पुण्य मिलने का योग बना है। आपको आज घर के बड़े और वरिष्ठजनों से लाभ लाभ और सहयोग मिलेगा।

उपाय : आपको उपाय के तौर पर सप्तशती के कुंजिकास्तोत्र का पाठ करना चाहिए।

घर के ईशान कोण में हैं ये दोष तो नहीं मिलता पूजा का फल, हो सकता है भारी नुकसान

सुख-समृद्धि की चाह हम सबको अपने जीवन में होती है। जिसके लिए हर कोई जीवन में निरंतर प्रयास और कड़ी मेहनत करता है लेकिन कभी-कभी ऐसा होता है कि हमारे अथक प्रयासों और परिश्रम के बाद भी हम असफल रहते हैं। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार, आपकी प्रगति में आने वाली बाधाओं के पीछे वास्तुदोष भी हो सकता है। जिस व्यक्ति को धनाभाव हो या उन्नति रूकी हुई हो तो वास्तु से संबंधित दोष भी इसके लिए उसके घर में मौजूद वास्तुदोष भी जिम्मेदार हो सकते हैं। घर की बनावट या संरचना में यदि वास्तु के मुताबिक दोष है तो यह आपकी असफलता और धनहानि का कारण बन सकता है।

क्या है ईशान कोण

वास्तु के अनुसार घर में मौजूद गलत संरचना या बनावट पूरे घर को प्रभावित करती है। यह घर में नकारात्मक ऊर्जा बढ़ाती है। वास्तुशास्त्र के अनुसार, पूर्व और उत्तर दिशाएं जहां पर मिलती हैं उस स्थान को ईशान दिशा कहते हैं। घर में यह जगह ईशान कोण कहलाती है। वास्तु के अनुसार, इस कोण पर देवताओं और आध्यात्मिक शक्तियों निवास करती हैं। यह घर का सबसे पवित्र कोना माना गया है। भगवान शिव भी उत्तर-पूर्व दिशा में रहते हैं और उनका एक नाम भी ईशान है, इसलिए यह कोण ऊर्जा का स्रोत और शक्तिशाली माना गया है। बृहस्पतिदेव और मोक्षदायी केतु भी इसी जगह रहते हैं। इसलिए यह कोण और भी शुभ माना जाता है। जानिए इसके गलत संरचना से कैसे नुकसान उठाना पड़ सकता है।

होती है धन हानि

यदि यह कोण ऊंचा हो तो धन हानि होती है, उन्नति रूक जाती है। यदि ईशान कोण में उत्तरी दिशा की लंबाई घट रही हो तो उस मकान की गृहस्वामिनी को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। यह कोण भारी, अस्वस्थ, सूखा आदि हो तो गृहस्वामी की उन्नति के समान धनवृद्धि नहीं हो पाती है।

गंदगी से होता है नुकसान

यदि इस कोण में शौचालय, नगर निकासी या कोई अन्य गंदगी है तो धन संबंधी परेशानी रहती है। उन्नति में बाधा रहती है। सेप्टिक टैंक इस कोण में होने पर आर्थिक हानि होती है। इस दोष को दूर करने हेतु उपाय के रूप में टैंक के ढक्कन को लाल रंग से रंगने पर दोष का प्रभाव दूर हो जाता है।

इस दिशा में टॉयलेट नहीं बनाना चाहिए

इस दिशा(कोण) में टॉयलेट होने पर व्यक्ति का जीवन तबाह हो जाता है, उन्नति रुक जाती है, धन-हानि होती है। दोष दूर करने के लिए उपाय के रूप में दर्पण लगाना शुभ रहता है। पानी भरा बर्तन रखना चाहिए। फिश एक्वेरियम रखना चाहिए।

सीढ़ियां पहुंचाती हैं नुकसान

इस कोण में सीढ़ियां कर्जवृद्धि आर्थिक तंगी देती है। यदि यह कोण कट या घट जाए तो भयंकर आर्थिक संकट आता है। यदि इस कोण में सीढ़ियां, किचन, कबाड़खाना आदि है तो आर्थिक तंगी रहती है। इस दिशा में शौचालय, सीढ़ी, पानी की टंकी नहीं होनी चाहिए।

निम्न उपाय अपनाकर ईशानकोण संबंधित वास्तुदोष से छुटकारा पा सकते हैं।

कैलाश पर्वत की तस्वीर है लाभकारी

इस कोण को अन्य सभी कोण से नीचा रखना चाहिए। इसे बड़ा, खुला हल्का,स्वच्छ व सुगंधयुक्त रखना चाहिए। बर्फ से ढंके कैलाश पर्वत पर साधना मुद्रा में भगवान श्री शिवजी, जिनके भाल पर चंद्र हो और जटा से गंगाजी निकल रही हों, की तस्वीर लगाना चाहिए।

पक्षियों की तस्वीर कम करती है दुष्प्रभाव

इसके बुरे प्रभाव से बचने के लिए गुरु यंत्र की स्थापना करनी चाहिए। बड़ा शीशा लगाना चाहिए। भोजन की तलाश में उड़ते पक्षियों की तस्वीर लगानी चाहिए। जल स्रोत व इसके फोटो रखनी चाहिए।

खबरें जो सोच बदल दें शुभ लाभ

रुबीना दिलैक ने डांस के जरिए बयां की अपने दिल की खुशी

मशहूर टेलीविजन अभिनेत्री रुबीना दिलैक, जो अपनी शानदार एक्टिंग और आकर्षक व्यक्तित्व के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने गुरुवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए अपने सुकून और खुशी के बारे में बताया। रुबीना ने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें वह नेवी ब्लू कलर की फ्लोरल ऑर्गेंजा लहंगा और मैचिंग चोली पहने नजर आ रही हैं। इस खूबसूरत परिधान के साथ उन्होंने मैचिंग स्टाइलिश चुन्नी भी पेयर की। उनके लुक को गले में नेकलेस, हाथों में चूड़ियां, कानों में बड़े झुमके और मिनिमल मेकअप ने पूरा किया। बालों में उन्होंने आगे हेयर स्टाइल बनाकर पीछे की तरफ चोटी की है, जो उनके ट्रेडिशनल लुक को और निखार रहा है।

इन तस्वीरों में रुबीना डांस के अलग-अलग पोज देती दिख रही हैं। पहली तस्वीर में वह स्टाइलिश डांस पोज में हैं, जहां उनके हाथों की मुद्रा और चेहरे का आत्मविश्वास उनकी खूबसूरती को और निखार रहा है। दूसरी तस्वीर में उन्होंने दोनों हाथों को डांस के एक खास फॉर्म में ऊपर उठाया है, जिससे उनका लहंगा और चुन्नी का डिजाइन बेहतरीन तरीके से उभरकर सामने आया। बाकी तस्वीरों में भी वह कई अनोखे और ग्रेसफुल पोज में नजर आईं, जो उनके डांस के प्रति जुनून को दर्शाता है।

रुबीना ने इन तस्वीरों के साथ एक दिल छू लेने वाला कैप्शन लिखा, डांस करना मेरी अंतर आत्मा को खुशी और शांति देता है।

उनके इस कैप्शन ने साफ कर दिया कि डांस उनके लिए सिर्फ एक कला नहीं, बल्कि उनके दिल और आत्मा को सुकून देने का जरिया है।

रुबीना की ये तस्वीरें फैंस के बीच खूब पसंद की जा रही हैं।

रुबीना के शुरुआती दिनों की बात करें तो उन्होंने साल 2006 में मिस शिमला का खिताब जीता था। फिर साल 2008 में 'मिस नॉर्थ इंडिया' बनीं और उसी साल उन्होंने सीरियल 'छोटी बहू' से टीवी इंडस्ट्री में कदम रखा था। इसके बाद उन्होंने 'शक्ति: अस्तित्व के अहसास की' में दमदार किरदार निभाया और फिर 'बिग बॉस 14' में धमाकेदार एंट्री करके शो की ट्रॉफी अपने नाम कर ली। रुबीना ने 2022 में फिल्म 'अर्ध' से बॉलीवुड डेब्यू भी किया।

अनुपमा फेम जसवीर कौर का पारंपरिक अंदाज

टेलीविजन की जानी-मानी अभिनेत्री जसवीर कौर इन दिनों सीरियल अनुपमा में अपने शानदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीत रही हैं। शुक्रवार को उन्होंने कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें उनका पारंपरिक अंदाज नजर आ रहा है। इंस्टाग्राम पर पोस्ट की गई तस्वीरों में जसवीर ने रानी रंग का अनारकली सूट पहना है, जो उनकी खूबसूरती को और निखार रहा है। इस सूट में बारीक कढ़ाई का काम किया गया है, खासकर स्कर्ट के घेर वाले हिस्से पर, जो इसे बेहद खास बना रहा है। लंबे बाजू वाला टॉप गले में स्टाइलिश डिजाइन सबका ध्यान खींच रहा है, जिसमें एक छोटा सा कट-आउट है। स्कर्ट पर फूल-पत्तियों की नाजुक कढ़ाई हल्के सुनहरे और चांदी जैसे धागों से की गई है, जो सूट को शाही अंदाज दे रही है।

अभिनेत्री ने अपने लुक को मिनिमल मेकअप के साथ पूरा किया है, जिसमें उनकी सुंदरता साफ झलक रही है। कानों में पहने गए झुमके उनके परिधान के साथ बेहतरीन तालमेल बिठा रहे हैं। जसवीर ने अपने बालों को खूबसूरती से स्टाइल किया है, जिसने उनके लुक को और भी खास बना दिया है।

पोस्ट की गई तस्वीरों के साथ उन्होंने कैप्शन में सिर्फ 'कलर्स' लिखा, जो उनके पोस्ट को और उजागर कर रहा है।

तस्वीरों की बात करें तो पहली में जसवीर एक घर की चौखट के सामने खड़ी होकर आत्मविश्वास के साथ पोज दे रही हैं। दूसरी में गेट को पकड़कर कमर में हाथ रखे हुए अपने स्टाइलिश अंदाज में नजर आ रही हैं।जसवीर की इन तस्वीरों को प्रशंसक खूब पसंद कर रहे हैं और तारीफ कर रहे हैं। अभिनेत्री के वर्कफ्रंट की बात करें तो उन्हें सीआईडी में सब-इंस्पेक्टर काजल की भूमिका के लिए ज्यादा जाना जाता है। अभिनेत्री 'हिटलर दीदी', 'इश्क का रंग सफेद', और 'ससुराल सिमर का' जैसे धारावाहिकों में भी नजर आ चुकी हैं। जसवीर इन दिनों टीवी सीरियल 'अनुपमा' में अनुपमा की दोस्त देविका की भूमिका में नजर आ रही हैं।

मलाइका अरोड़ा ने साझा किए फिटनेस के राज

अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा अपनी फिटनेस से लोगों के बीच सुर्खियों में बनी रहती हैं। अभिनेत्री ने बुधवार को सोशल मीडिया पर फिटनेस टिप साझा की। मलाइका ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट की, जिसमें वह चाइनीज एक्सरसाइज करती नजर आ रही है, जो न केवल शरीर को लचीला बनाती है, बल्कि मानसिक तनाव को भी कम करती है।

पोस्ट किए गए वीडियो में मलाइका ने व्हाइट कलर का स्पोर्ट्स वियर पहना है। वीडियो के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, ये हैं सात ऐसी चाइनीज मूवमेंट, जो आपके शरीर को लचीलापन देने के साथ-साथ लसिका तंत्र को सक्रिय करते हैं। ये व्यायाम दिखने में थोड़े अलग हैं, लेकिन ये शरीर की अंदरूनी थकान और तनाव को दूर करके आपको हल्का और तरोताजा महसूस कराते हैं।

अभिनेत्री ने वीडियो में एक वॉयस ओवर के जरिए इन व्यायामों के फायदे और करने का तरीका भी समझाया है। इन व्यायामों को करने से शरीर की लसिका तंत्र उत्तेजित होने के साथ रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। ये व्यायाम मांसपेशियों को मजबूत करने, जोड़ों को लचीला बनाने और तनाव को कम करने में कारगर हैं। मलाइका का ये वीडियो फैंस को काफी पसंद आ रहा है और कई यूजर्स इसके लिए अभिनेत्री को धन्यवाद बोल रहे हैं।

मलाइका अरोड़ा लंबे समय से योग और फिटनेस की समर्थक रही हैं। वह अक्सर अपने सोशल मीडिया पर योग, वर्कआउट और स्वस्थ जीवनशैली से जुड़े टिप्स साझा करती रहती हैं।

मलाइका एक मॉडल, वीजे, अभिनेत्री रह चुकी हैं। वे रियलिटी शो में जज की भूमिकाओं में भी नजर आती हैं। वह कई बार डांस रियलिटी शो जैसे 'इंडियाज बेस्ट डांसर' और 'मूविंग इन विद मलाइका' और 'इंडियाज सुपर मॉडल' जैसे शो में भी नजर आई हैं। उन्होंने पहले आइटम सॉन्ग 'छैय्या छैय्या' और 'मुन्नी बदनाम' जैसे हिट गानों से लोकप्रियता हासिल की है।

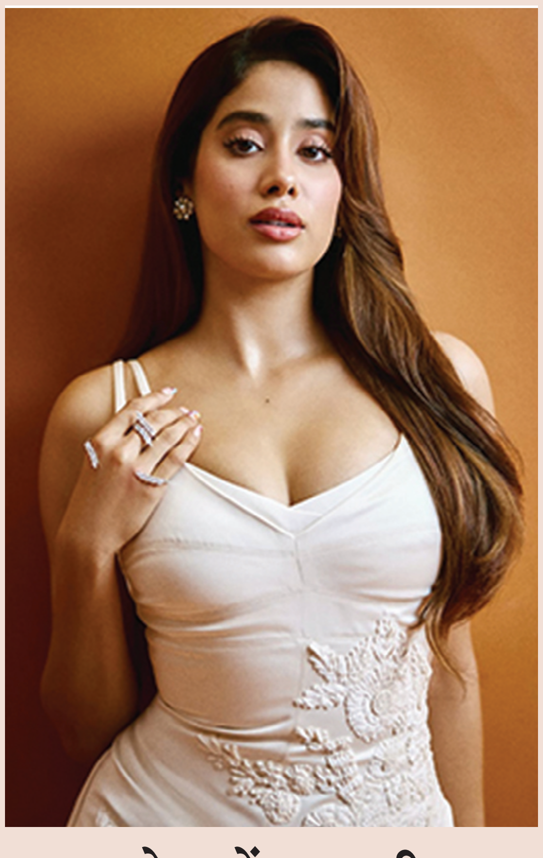

व्हाइट ड्रेस में जान्हवी कपूर का ग्लैमरस अवतार

बॉलीवुड की डीवा जाह्नवी कपूर के लिए शुक्रवार का दिन बेहद खास है, क्योंकि उनकी फिल्म होमबाउंड सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म में एक्ट्रेस अपने डेब्यू एक्टर ईशान खट्टर के साथ हैं और फिल्म को सोशल मीडिया पर शानदार रिस्पांस मिला है। अपने दिन को और खास बनाते हुए एक्ट्रेस ने बेहद ही ग्लैमरस फोटोज से अपना इंस्टाग्राम भर दिया है। फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी की तुलसी यानी जाह्नवी ने बोल्ड फोटोज अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं।

फोटोज में एक्ट्रेस व्हाइट फिश कट, स्किन टाइट ड्रेस में दिख रही हैं, जिसपर व्हाइट फ्लॉवर की एब्रायडरी भी है। एक्ट्रेस ने हाथ में व्हाइट लीली फ्लावर भी ले रखे हैं। एक्ट्रेस के क्लासी पोज उनके लुक को और गार्जियस बना रहे हैं। फैंस एक्ट्रेस के लुक पर रेड हार्ट पोस्ट कर प्यार लुटा रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, बिल्कुल रॉयल प्रिंसेस लग रही हो, जो रोज आकर इंस्टाग्राम पर छा जाती है। एक दूसरे यूजर ने लिखा, जितनी तारीफ की जाए कम हैश्रीदेवी को आप पर नाज होगा।

इससे पहले एक्ट्रेस ने अपना डांडिया लुक फैंस के साथ शेयर किया है। एक्ट्रेस ने गहरे लाल रंग का लहंगा पहना था और वरुण धवन के साथ कोजी पोज दिए थे।वर्क फ्रंट की बात करें तो एक्ट्रेस की फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी 2 अक्टूबर को दशहरा के मौके पर रिलीज की जाएगी। फिल्म में एक्ट्रेस और वरुण धवन का रोमांस दिखाया गया है। फिल्म में आपको लव ट्रायंगल भी देखने को मिलेगा, क्योंकि फिल्म में अकेले जान्हवी और वरुण ही नहीं बल्कि रोहित सराफ और सान्या मल्होत्रा भी हैं। फिल्म का ट्रेलर काफी प्रॉमिसिंग है।

पारंपरिक साड़ी में राशि खन्ना का ग्लैमर अंदाज

साउथ सिनेमा की स्टार और बॉलीवुड में भी अपनी पहचान बना चुकीं अभिनेत्री राशि खन्ना ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर अपनी ताजा तस्वीरें साझा कीं, जिसमें वह पारंपरिक साड़ी में बेहद आकर्षक नजर आ रही हैं। इंस्टाग्राम पर पोस्ट की गई इन तस्वीरों में उन्होंने सादगी और भारतीय परिधान की खूबसूरती से सबका ध्यान खींचा है।

राशि ने खूबसूरत साड़ी पहनी है, जिसका चौड़ा गोल्डन बॉर्डर उनके लुक को और निखार रहा है। इस साड़ी के साथ उन्होंने गहरे गुलाबी रंग का ब्लाउज चुना, जिस पर गोल्डन लाइन और बाजुओं पर बारीक कढ़ाई की गई है। उनके गहनों की बात करें तो उन्होंने गले में नाजुक नेकलेस, कानों में चमकदार झुमके और हाथों में गोल्डन कंगन पहने हैं, जो उनके लुक को और भी शाही बना रहे हैं। मिनिमल मेकअप के साथ राशि ने सादगी भरा जूड़ा बनाया, जिसमें साइड में सफेद फूलों की गजरा उनकी सुंदरता को चार चांद लगा रही है। राशि ने इन तस्वीरों के साथ एक खूबसूरत कैप्शन लिखा, साड़ी की नजाकत, दिल की मुस्कान...कहना ही क्या।

तस्वीरों में राशि अलग-अलग अंदाज में पोज देती नजर आ रही हैं। पहली तस्वीर में वह दोनों हाथ पकड़कर कैमरे की ओर देखते हुए मुस्कुरा रही हैं। दूसरी तस्वीर में वह दीवार के सहारे एक हाथ से दूसरा हाथ पकड़कर खूबसूरत पोज दे रही हैं। तीसरी तस्वीर में वह दीवार के पास अपनी कलाई को नरमी से पकड़कर लाजवाब अंदाज में नजर आ रही हैं। बाकी तस्वीरों में भी वह तरह-तरह के पोज में अपनी खूबसूरती बिखेर रही हैं।

राशि की इन तस्वीरों को देखकर प्रशंसक उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे। सोशल मीडिया पर उनके इस पारंपरिक अवतार को खूब पसंद किया जा रहा है।

वर्कफ्रंट की बात करें तो राशि के कई प्रोजेक्ट रिलीज होने जा रहे हैं। अभिनेत्री जल्द ही पवन कल्याण के साथ फिल्म 'उस्ताद भगत सिंह' में दिखाई देगी। इस फिल्म का निर्देशन हरीश शंकर ने किया है। इसके अलावा राशि को फरहान अख्तर के साथ '120 बहादुर' में भी लीड रोल प्ले करते हुए देखा जाएगा।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

यह आपके बच्चों के हितों को हानि पहुँचा सकता है। जो लोग दुग्ध उद्योग से जुड़े हैं उन्हें आज आर्थिक लाभ होने की प्रबल संभावना है। आपका लापरवाह रवैया आपके माता–पिता को दुःखी कर सकता है। कोई भी नयी परियोजना शुरू करने से पहले उनकी राय भी जान लें। आज प्यार के नज़रिए से दिन काफ़ी विवादास्पद रहेगा। चीज़ें कार्यक्षेत्र में बेहतर नज़र आती हैं। पूरे दिन आपका मिज़ाज बढ़िया रहेगा। आज आपके करीबी लोग आपके करीब आने की कोशिश करेंगे लेकिन अपने मन को शांत बनाए रखने के लिए आप एकांत में समय बिताना पसंद करेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज अपने बच्चों का विशेष ख्याल रखें क्योंकि यदि आप ऐसा नहीं करते तो उनकी तबीयत बिगड़ सकती है और आपको उनके स्वास्थ्य पर काफी पैसा खर्च करना पड़ सकता है। अगर आप खुले दिल से अपनी बात रखें, तो आपकी मोहब्बत आज आपके सामने प्यार के फ़रिश्ते के रूप में आएगी। आज घर के लोगों के साथ बातचीत करते दौरान आपके मुंह से कोई ऐसी बात निकल सकती है जिससे घर के लोग नाराज हो सकते हैं। वैवाहिक जीवन में कई उतार–चढ़ाव के बाद एक–दूसरे के प्यार को सराहने का यह सही दिन है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपकी दिलचस्प रचनात्मकता आज घर के वातावरण को सुखद बनाएगी। जो लोग अपने प्रेमी से दूर रहते हैं उन्हें आज अपने प्रेमी की याद सता सकती है। ख़ास तौर पर तब जब दूसरे आपका विरोध करें, जिसकी कामकाज के दौरान संभावना है। अपने व्यक्तित्व और रंग–रूप को बेहतर बनाने का कोशिश संतोषजनक साबित होगी। आपका जीवनसाथी हाल में हुई खटपट को भुलाकर अपने अच्छे स्वभाव का परिचय देगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

अपने स्वास्थ्य को लेकर ज़्यादा चिंता न करें, क्योंकि इससे आपकी बीमारी और बिगड़ सकती है। धन से जुड़ा कोई मसला आज हल हो सकता है और आपको धन लाभ हो सकता है। बच्चे की पढ़ाई के बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। इस समय जो समस्याएँ आपको झेलनी पड़ रही हैं, वे क्षणिक हैं और समय के साथ वे ख़ुद–ब–ख़ुद ख़त्म हो जाएंगी। आज आपके पास अपनी धनार्जन की क्षमता को बढ़ाने के लिए ताक़त और समझ दोनों ही होंगे। वक्त से बढ़कर कुछ नहीं होता। अपने घर परिवार के साथ समय बिताने की जरुरत होती है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आप घूमने–फिरने और पैसे ख़र्च करने के मूड में होंगे– लेकिन अगर आपने ऐसा किया तो बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। जिन लोगों के साथ आप रहते हैं वे आपसे बहुत ख़ुश नहीं होंगे, चाहे आपने इसके लिए कुछ भी क्यों न किया हो। सहकर्मियों और कनिष्ठों के चलते चिंता और तनाव के क्षणों का सामना करना पड़ सकता है। आपको याद रखने की ज़रूरत है कि भगवान उसी की मदद करता है, जो ख़ुद अपनी मदद करता है। अपने जीवनसाथी के किसी काम की वजह से आप कुछ शर्मिन्दगी महसूस कर सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

बिन बुलाया कोई मेहमान आज घर में आ सकता है लेकिन इस मेहमान की किस्मत की वजह से आज आपको आर्थिक लाभ हो सकता है। आपकी स्वच्छन्द जीवनशैली घर में तनाव पैदा कर सकती है, इसलिए देर रात तक बाहर रहने और ज़्यादा ख़र्च करने से बचें। नए कामों को पूरा करने में महिला सहकर्मियों का भरपूर सहयोग मिलेगा। आपका व्यक्तित्व ऐसा है कि ज्यादा लोगों से मिलकर आप परेशान हो जाते हैं और फिर अपने लिए वक्त निकालने की कोशिश करने लग जाते हैं। इस लिहाज से आज का दिन आपके लिए बहुत उम्दा रहने वाला है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

अपने व्यक्तिगत जीवन से थोड़ा समय निकालकर दान–पुण्य के कामों में कुछ समय लगाएँ। इससे आपको मानसिक शांति मिलेगी, लेकिन इसके लिए अपनी निजी ज़िंदगी को दरकिनार न करें। आपको दोनों पर ही बराबर ध्यान देने की ज़रूरत है। आज आपके और आपके प्यार के बीच कोई आ सकता है। कुछ सहकर्मी कई अहम मुद्दों पर आपकी कार्यशैली से नाख़ुश होंगे, लेकिन यह वे आपको बताएंगे नहीं। अगर आपको लगता है कि परिणाम आपकी उम्मीद के मुताबिक़ नहीं आ रहे हैं, तो अपनी योजनाओं का फिर से विश्लेषण कर उनमें सुधार लाना बेहतर रहेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपका लापरवाह रवैया आपके माता–पिता को दुःखी कर सकता है। कोई भी नयी परियोजना शुरू करने से पहले उनकी राय भी जान लें। जो लोग अपने प्रेमी से दूर रहते हैं उन्हें आज अपने प्रेमी की याद सता सकती है। कामकाज के मामले में आज आपकी आवाज़ पूरी तरह सुनी जाएगी। यात्रा और शिक्षा से जुड़े काम आपकी जागरुकता में वृद्धि करेंगे। कोई पुराना दोस्त आपके और आपके जीवनसाथी की साझा यादों को तरा–ताज़ा कर सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

घर की छोटी–छोटी चीजों पर आज आपका बहुत धन खराब हो सकता है जिसकी वजह से आप मानसिक तनाव में आ सकते हैं। ऐसे काम करें जिनसे आपको ख़ुशी मिले, लेकिन दूसरों के मामलों में दख़लअंदाज़ी से बचें। यदि कोई समस्या है तो उसे टालें नहीं, बल्कि जल्दी–से–जल्दी उसका समाधान ढूंढने की कोशिश करें। अगर आपको लगता है कि कुछ लोगों की संगति करना आपके लिए ठीक नहीं है और उनके साथ रहकर आपका समय बर्बाद होता है तो उनका साथ आपको छोड़ देना चाहिए।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

दिन की शुरुआत में ही आज आपको कोई आर्थिक हानि हो सकती है जिससे सारा दिन खराब हो सकता है। जीवनसाथी आपका ख़याल रखेगा। आज के दिन किसी के साथ छेड़खानी करने से बचें। काम को मनोरंजन के साथ न मिलाएँ। आज आपको अपने कामों को समय पर निपटाने की कोशिश करनी चाहिए। ख्याल रखें कि घर पर आपका कोई इंतजार कर रहा है जिसको आपकी जरुरत है। जीवनसाथी के ख़राब स्वास्थ्य की वजह से आपका कामकाज प्रभावित हो सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपमें से कुछ लोगों को आज महत्वपूर्ण फ़ैसला लेने के लिए बाध्य होना पड़ सकता है, जिससे आप तनावग्रस्त और चिंतित हो सकते हैं। आपके घर से जुड़ा निवेश फ़ायदेमंद रहेगा। घरेलू मामलों और काफ़ी समय से लंबित घर के काम–काज के हिसाब से अच्छा दिन है। आपको अपनी रसिक कल्पनाओं पर अधिक ग़ौर करने की ज़रूरत नहीं है, क्योंकि संभव है कि वे आज सच हो जाएँ। अपना बायोडाटा भेजने या किसी इंटरव्यू में जाने के लिए अच्छा समय है। कोई धार्मिक ग्रंथ पढ़ के आजके दिन को आप अच्छी तरह से व्यतीत कर सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपने धन का संचय कैसे करना है यह हुनर आज आप सीख सकते हैं और इस हुनर को सीख कर आप अपना धन बचा सकते हैं। ऐसे दोस्तों के साथ बाहर जाएँ जो आपके हालात और ज़रूरतों को समझते हैं। कोई आपको प्यार से दूर नहीं कर सकता है। आज आपके पास अपनी धनार्जन की क्षमता को बढ़ाने के लिए ताक़त और समझ दोनों ही होंगे। आपका संगी आपसे सिर्फ कुछ समय चाहता है लेकिन आप उनको समय नहीं दे पाते जिससे वो खिन्न हो जाते हैं। आज उनकी यह खिन्नता स्पष्टता के साथ सामने आ सकती है। आपको महसूस होगा कि आपका वैवाहिक जीवन बहुत ख़ूबसूरत है।

आज का पंचांग

दिनांक : 28 सितंबर 2025 , रविवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आश्विन, शुक्ल पक्ष
तिथि : षष्ठी दोपहर 02:28 तक
नक्षत्र : ज्येष्ठा रात्रि 03:55 तक
योग : आयुष्मान रात्रि 12:32 तक
करण : तैतिल दोपहर 02:28 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक रात्रि 03:55 तक
सूर्योदय : 06:05 , सूर्यास्त 06:07 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:11 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01, सूर्यास्त 06:04 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:57, सूर्यास्त 05:58 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गण्डमूल चालू है , षष्ठम् कात्यायनी पूजन, शहद भगतसिंह जयंती

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

मुख्यमंत्री का 4जी सेवा के लाभार्थियों से संवाद–लाभार्थियों ने कहा

अब हमें बात करने के लिए नहीं जाना पड़ता है पहाड़ियों पर

जयपुर, 27 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को सीतापुरा स्थित जेईसीसी में बीएसएनएल की स्वदेशी 4जी नेटवर्क सेवा के शुभारंभ पर आयोजित कार्यक्रम में 4जी सेवा के लाभार्थियों से आत्मीयतापूर्वक संवाद किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश दूरसंचार क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। राजस्थान की हजारों साइट्स पर अब बीएसएनएल की 4जी सेवा उपलब्ध है। इससे प्रदेशवासियों को स्वदेशी रूप से विकसित नेटवर्क पर शिक्षा, चिकित्सा, व्यापार तथा अन्य क्षेत्रों से संबंधित विभिन्न सुविधाओं का लाभ सुचारू रूप से मिल रहा है।विभिन्न जिलों से वर्चुअली जुड़े तथा कार्यक्रम में मौजूद सभी लाभार्थियों ने 4जी सेवा के प्रारंभ होने से उनके जीवन में आए बदलाव के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया और अपने अनुभव साझा किए। अलवर के हरिपुरा गांव के तुलसीदास ने बताया कि उनका गांव वर्षों तक संचार सुविधा से वंचित था। गांव में 4जी नेटवर्क आने से बच्चों की शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा। ब्यावर के नाईकलां ग्रामवासी सोहनसिंह ने बताया कि हमें मोबाइल पर बातचीत करने के लिए पहाड़ियों पर चढ़ना पड़ता था। 4जी सेवा की शुरूआत होने से हमारी ग्राम पंचायत में केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं का निर्बाध रूप से लाभ मिल पा रहा है।

जैसलमेर की अभयवाला चौकी से जुड़े बीएसएफ के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि भारत–पाकिस्तान सीमा से लगभग 200 मीटर दूर पर ही अब 4जी सेवा की पहुंच होने से सीमा पर चौकसी और सुरक्षा व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ हो गई है। वहीं, जयपुर जिले के रामेश्वर लाल गुर्जर ने बताया कि पूर्व में हमें मोबाइल नेटवर्क के लिए घर की छत पर जाना पड़ता था। अब घर के भीतर ही आसानी से इंटरनेट व अन्य सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं।

विश्वास, एकता और शांति बनाए रखने का सशक्त माध्यम : राज्यपाल

जयपुर, 27 सितंबर (एजेंसियां)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने शनिवार को ब्रह्माकुमारी के शांतिवन परिसर में आयोजित नेशनल मीडिया कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ इसीलिए कहा जाता है कि वह लोकतंत्र की जड़ों को सींचकर उसे हरा भरा रखता है।उन्होंने कहा कि मीडिया विश्वास, एकता और शांति बनाए रखने का सशक्त माध्यम है उन्होंने कहा कि भारतीय लोकतंत्र को कई वर्षों से अक्षुण्ण रखने के लिए समय–समय पर देश की संस्कृति, एकता और लोकतंत्र को अखण्ड रखने के लिए देश के कई लोगों का बलिदान है।

राज्यपाल ने कहा कि भारत की संस्कृति विश्व की पहली संस्कृति है। हजार वर्षों से ज्यादा समय तक हमारी संस्कृति को छिन्न–भिन्न करने की कोशिश की गई है। मैकाले की शिक्षा पद्धति ने भी संस्कृति को क्षति पहुंचाने की कोशिश की। विश्व में जब कुल 6 विश्वविद्यालय थे, उस समय हमारे पास नालंदा और तक्षशिला जैसे दो विशाल विश्वविद्यालय थे। विभिन्न आक्रांताओं द्वारा किए गए आक्रमण साथ ही विभिन्न कुत्सित प्रयासों के बाद भी हमारी संस्कृति नष्ट नहीं हुई, बल्कि तेजी से बढ़ रही है। क्योंकि हमारे यहां योगी, महात्मा हुए। हमने किसी पर आक्रमण नहीं किया। हम सर्वधर्म को मानते हैं।उन्होंने कहा कि सभी लोग राष्ट्रहित के लिए और शांति के लिए कार्य करे, ये बेहद महत्वपूर्ण है उन्होंने मीडिया के विभिन्न माध्यमों के बारे में बताते हुए कहा कि मीडिया का हर माध्यम आज के समय में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है। राज्यपाल ने बताया कि हमारा देश विश्व में कई क्षेत्रों में अग्रणी है साथ ही सामुहिक प्रयासों से ही आगे प्रगतिरत भी है।

उदयपुर में अशोक गहलोत ने भाजपा पर बोला हमला

सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी, बढ़ती हिंसा को लेकर उठाए सवाल

उदयपुर, 27 सितंबर (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने उदयपुर में शनिवार को मीडिया से बातचीत में देशभर में बढ़ते हिंसा के माहौल, सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी और कान्हैयालाल साहू हत्या की जांच में हो रही देरी को लेकर बीजेपी सरकारों पर जमकर हमला बोला।गहलोत ने कहा, मणिपुर में पिछले ढाई साल से हालात चिंताजनक हैं, लेकिन केंद्र सरकार समय रहते हस्तक्षेप नहीं कर रही। प्रधानमंत्री मोदी के दौरे के बाद भी हिंसा जारी रही। लंबे समय से अपनी मांगें उठाने वाले एक्टिविस्ट जिनके खिलाफ मुकदमे दर्ज किए गए और उन्हें जेल भेजा गया, वे आतंकवादी नहीं हैं। फिर उन्हें जोधपुर जेल क्यों भेजा गया, यह समझ से बाहर है। यह सरकार का मिसहैंडलिंग है।

जेल की सीसीटीवी मॉनिटरिंग पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा, जेल के अंदर अगर व्यवस्था नहीं है, तो अपराधी मोबाइल फोन के जरिए अंदर से ही गैंगस्टरिंग कर सकते हैं। ऐसी खबरें गृह मंत्रालय तक पहुंचती रहती हैं। देश की सीमाओं और संवेदनशील इलाकों में शांति, भाईचारा और प्यार का माहौल बनाए रखना आवश्यक है।

मेवाराम जैन को कांग्रेस में पुनः शामिल करने के सवाल पर गहलोत ने कहा, प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अनुशासन समिति की सिफारिशों और सभी की राय के बाद यह निर्णय लिया गया। यह सोच–समझकर लिया गया फैसला है।।

कार्यकर्ताओं को संदेश देते हुए उन्होंने कहा, देश को कांग्रेस की विचारधारा की जरूरत है। कांग्रेस सभी धर्मों, जातियों और वर्गों को साथ लेकर चलती है। देशहित में कांग्रेस तभी मजबूत होगी जब कार्यकर्ता, नेता और संगठन एकजुट हों। मतभेद भूलकर एक–दूसरे को समझने की कोशिश करें और पार्टी संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लें।

शेखावाटी विवि के कुलगुरु प्रो. अनिल राय को वाइस–चांसलर ऑफ द ईयर अवॉर्ड, दुबई में होगा सम्मान समारोह

सीकर, 27 सितंबर (एजेंसियां)। पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर के कुलगुरु प्रो. (डॉ.) अनिल कुमार राय को लंदन स्कूल ऑफ डिजिटल बिजनेस की ओर से आयोजित डएड्ज़ 2025 ग्लोबल अवॉर्ड्स में प्रतिष्ठित 'वाइस–चांसलर ऑफ द ईयर' अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है।यह सम्मान उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में असाधारण नेतृत्व, नवाचार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए प्रदान किया गया।

कुलगुरु प्रो. अनिल कुमार राय को 6 नवम्बर 2025 को दुबई में ग्रैंड अवॉर्ड्स समारोह में आमंत्रित किया गया है, जहाँ विजेता कुलगुरुओं को ट्रॉफी और सम्मान प्रदान किए जाएंगे।

इस सम्मान के लिए दुनिया भर में चुनिंदा शिक्षाविदों का चयन हुआ है और राजस्थान से प्रो. अनिल कुमार राय को यह उपलब्धि हासिल हुई है।

आयोजन समिति ने ईमेल पर बताया कि इस वैश्विक समारोह में 74 देशों से 500 से अधिक प्रतिभागियों और यूट्यूब पर एक हजार से अधिक दर्शकों ने हिस्सा लिया।

सम्मान मिलने पर कुलगुरु प्रो. राय ने कहा कि यह 'वाइस–चांसलर ऑफ द ईयर' अवॉर्ड मेरे लिए गर्व का क्षण है। यह सम्मान केवल मेरा नहीं, बल्कि पूरे विश्वविद्यालय परिवार, विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों का है। मैं डएड्ज़ 2025 और लंदन स्कूल ऑफ डिजिटल बिजनेस का आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने मेरे प्रयासों को यह अंतरराष्ट्रीय मान्यता दी। प्रो. राय की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय परिवार, शेखावाटी क्षेत्र के शिक्षाविदों और विद्यार्थियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण है।इस उपलब्धि ने शेखावाटी विश्वविद्यालय को वैश्विक मंच पर नई पहचान दिलाई है। उल्लेखनीय है कि प्रोफेसर अनिल राय महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्याय, मोतीहारी, बिहार के कार्यकारी कुलपति तथा प्रति कुलपति रह चुके है।

उच्च शिक्षा तथा पत्रकारिता के क्षेत्र में किए गए महत्वपूर्ण योगदान के लिए प्रो. राय को भारत ज्योति पुरस्कार, संचारश्री पुरस्कार, उत्कृष्ठ शिक्षक सम्मान तथा सामाजिक– सांस्कृतिक क्षेत्र में किए गए योगदानों के लिए विदर्भभूषण पुरस्कार, द्वारिकाधीश मानद उपाधि जैसे अनेक प्रतिष्ठित पुरस्कारों से अलंकृत किया गया है।

किसानों से हो रही भारी लूट, कम रेट में बिक रही धान : भूपेंद्र सिंह हुड्डा

चंडीगढ़, 27 सितंबर (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि बीजेपी सरकार ने एक बार फिर किसानों के साथ भारी लूट शुरू कर दी है। सरकारी खरीद न होने के कारण मंडियों में किसानों को अपनी धान 300 से 400 रुपये प्रति क्विंटल कम रेट पर बेचनी पड़ रही है। नमी का बहाना बनाकर सरकारी एजेंसियाँ खरीद से इनकार कर रही हैं, जिससे किसानों को कई दिन–रात इंतज़ार करना पड़ रहा है।भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि बीजेपी ने चुनाव से पहले धान के किसानों को 3,100 रुपये प्रति क्विंटल का रेट देने का वादा किया था, लेकिन न पिछले सीजन में और न ही इस सीजन में यह वादा पूरा हुआ। आज प्रदेश की मंडियों में धान की आवक तेज़ है, लेकिन खरीद न होने से किसान भारी परेशानी का सामना कर रहे हैं।

ज़्यादातर मंडियों में खरीद शुरू ही नहीं हुई है। कई जगह पोर्टल पर वेरिफिकेशन न होने के कारण गेट पास नहीं बन पा रहे हैं। कहीं राइस मिलर्स के रजिस्ट्रेशन न होने की वजह से दिक्कत आ रही है। इस सारी व्यवस्था का लाभ प्राइवेट एजेंसियाँ उठा रही हैं। 2,369 रुपये MSP की धान को 1,900 से 2,000 रुपये प्रति क्विंटल के रेट पर खरीदा जा रहा है। एम एस पी पर खरीद के साथ बोनस दिया जाए।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि हरियाणा का किसान बाढ़ की मार से उबर भी नहीं पाया कि अब उसे सरकारी मार ने अपनी चपेट में ले लिया। एक तरफ उन्हें पूरी MSP न देकर प्रताड़ित किया जा रहा है, तो दूसरी तरफ पराली जलाने के आरोप में मुकदमे झेलने पड़ रहे हैं।

पंचायत सचिव नकद रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

करनाल, 27 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो करनाल ने आज भ्रष्टाचार के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। ब्यूरो की टीम ने शिकायतकर्ता की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए इन्द्री, जिला करनाल से एक पंचायत सचिव को ₹20,000 रुपये नकद रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार आरोपी की पहचान अमित कुमार, पंचायत सचिव, ग्राम पंचायत चौगांव, कार्यालय बी.डी.पी.ओ. इन्द्री, जिला करनाल के रूप में हुई है। उसे बस अड्डा, इन्द्री जिला करनाल के सामने से दबोचा गया। रा.स.एवं भ्र.नि.ब्यूरो, करनाल को दी गई अपनी शिकायत में शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि उसने अप्रैल 2024 में ग्राम पंचायत चौगांव में सी.सी.टी.वी. कमरों की मरम्मत का कार्य किया था। इस मरम्मत कार्य की कुल बिल राशि ₹1,08,452/- थी, जिसका भुगतान आरोपी अमित कुमार द्वारा अप्रैल 2024 में उसके बैंक खाते में कर दिया गया था।

शिकायतकर्ता ने बताया कि आरोपी अमित कुमार ग्राम सचिव द्वारा उपरोक्त राशि का भुगतान करने के एवज में उससे बार–बार कमीशन की मांग की जा रही थी।

कैथल में 12 अक्टूबर को होगा जेजेपी का युवा योद्धा सम्मेलन

चंडीगढ़, 27 सितंबर (एजेंसियां)। जननायक जनता पार्टी ने अपनी गतिविधियां तेज करते हुए 15 जिलों में पार्टी की जिला बैठकों और जनसंपर्क के कार्यक्रम घोषित किए है। 28 सितंबर से जेजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अजय सिंह चौटाला, पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला व जेजेपी प्रदेशाध्यक्ष बृज शर्मा प्रदेशभर का दौरा करेंगे। अभियान के तहत वे सभी 22 जिलों में जाकर जेजेपी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से मिलेंगे और संगठन मजबूती पर फोकस करेंगे। इस दौरान जेजेपी नेता आम लोगों से जनसंपर्क करके भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों को भी उजागर करेंगे। रविवार से जेजेपी इन कार्यक्रमों की शुरुआत करेगी। जेजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष और अन्य वरिष्ठ नेता 28 सितंबर को जींद, 29 सितंबर को झज्जर, 30 सितंबर को महेंद्रगढ़, 4 अक्टूबर को भिवानी, 5 अक्टूबर को रोहतक, 6 अक्टूबर को अंबाला, 7 अक्टूबर को पंचकुला, 8 अक्टूबर को कुरुक्षेत्र और 9 अक्टूबर को दादरी में जिला कार्यकर्ताओं की बैठक करेंगे।

अब हरियाणा में भी शहरों के बीच होगी स्वच्छता को लेकर प्रतियोगिता

करनाल, 27 सितंबर (एजेंसियां)। जिला सचिवालय सभागार में स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के तहत स्वच्छ शहर जोड़ी–समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर समारोह का आयोजन किया गया जिसमें मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। स्वच्छता के प्रति मार्गदर्शन के लिए करनाल नगर निगम की ओर से प्रदेश के 5 शहरों की नगर पालिकाओं के साथ एमओयू किया गया। केंद्रीय ऊर्जा, आवासन व शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल सोनीपत से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए देश की विभिन्न निकाय संस्थाओं से जुड़े और स्वच्छ शहर जोड़ी पर प्रकाश डाला।इस मौके पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि स्वच्छता सर्वेक्षण में इस बार करनाल को देश में तीसरा स्थान प्राप्त हुआ था। अब करनाल प्रदेश के 5 शहरों– सीवन व राजौंद (कैथल), ईस्माइलाबाद (कुरुक्षेत्र), नारनौंद

(हिसार) और कालांवाली (सिरसा) का स्वच्छता को लेकर मार्गदर्शन करेगा। इस बारे में आज एमओयू किया गया। उन्होंने कहा कि दूसरे शहरों अथवा कस्बों को भी स्वच्छ, सुंदर व हरा भरा बनाने के लिए निर्धारित मापदंडों को पूरा किया जाएगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हम हरियाणा के शहरों के बीच भी स्वच्छता की प्रतियोगिता आयोजित करेंगे। हमने हरियाणा के शहरों की रैंकिंग भी तय की है। उसके लिए कुछ पैरामीटर भी तय किए हैं। नगर निगम, नगर पालिका और नगर परिषद क्षेत्र में साफ–सफाई के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं ताकि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का जो सपना है कि प्रदेश साफ – सुथरा हो, शहर स्वच्छ हों, हरे भरे हों, उसे साकार किया जा सके।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि स्वच्छता में बेहतर रैंकिंग पाने वाले शहरों ने आज पांच–पांच अन्य शहरों को गोद लिया है ताकि भविष्य में इन्हें भी स्वच्छ बनाया जा सके। पिछले स्वच्छता सर्वेक्षण में करनाल के साथ–साथ सोनीपत ने भी बेहतर रैंक प्राप्त किया था। आज सोनीपत ने होडल, नारनौल, पटौदी मंडी, फर्रूखनगर व कुंडली को गोद लिया है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता से कई प्रकार की बीमारियों से बचा जा सकता है। हम सबकी जिम्मेदारी है कि प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व में शुरू किए गए स्वच्छता अभियान को सफल बनाएं। एक सवाल का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि धान की खरीद जारी है। यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि मंडियों में इलेक्ट्रॉनिक कांटे लगें। मंडियों में धान की खरीद सही तरीके से हो, इसके लिए जिला प्रशासन ने एक अधिकारी की नियुक्ति मंडी में धान खरीद की व्यवस्था की निगरानी के लिए की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के समय में तो फसल नुकसान की भरपाई नहीं होती थी। किसान सहायता के लिए ताकता रहता था, एक–दो रुपये का चेक भेजा जाता था। जबकि हमारी सरकार ने फसलों के हुए नुकसान का जल्द भुगतान सुनिश्चित किया है। इस बार भी क्षति–पूर्ति पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कराने वाले किसानों को जल्दी ही जांच के बाद मुआवजा राशि दी जाएगी।

इस मौके पर करनाल के विधायक जगमोहन आनंद, असंध के विधायक योगेंद्र राणा, शहरी स्थानीय निकाय विभाग के महानिदेशक डॉ. पंकज, उपायुक्त उत्तम सिंह, मेयर रेणुबाला गुप्ता तथा विभिन्न नगर पालिकाओं के अधिकारी मौजूद रहे।

अमित शाह ने 5000 कार्यकर्ताओं के साथ किया संवाद, कहा–

राहुल गांधी को केवल घुसपैठियों की चिंता

पटना (एजेंसियां)। गृह अमित शाह दो दिवसीय दौरे पर बिहार में हैं। आठ दिन के अंदर यह उनका दूसरा दौरा है। आज वह समस्तीपुर और अररिया पहुंचे। पटना से निकलने के बाद पहले वह समस्तीपुर पहुंचे। यहां सरायरंजन स्थित इंजीनियरिंग कॉलेज में भारतीय जनता पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। इस बैठक में समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर, मधुबनी, दरभंगा, बेगूसराय, खगड़िया, मुंगेर जिले के नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए। इसके बाद अररिया पहुंचे। यहां पर फारबिसगंज के हवाई फील्ड मैदान में भाजपा के शक्ति प्रदर्शन में शामिल हुए। यहां पर पहले पूर्णिया, कटिहार, किशनगंज, अररिया, सुपौल, सहरसा, मधेपुरा, भागलपुर, बांका भाजपा कोर कमेटी के नेताओं और लगभग पांच हजार पार्टी कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद किया।

गृह अमित शाह ने कहा कि चुनाव के मौसम में हमलोगों ने आम सभा रखने की जगह कार्यकर्ता सम्मेलन बुलाया है। क्योंकि, सभी पार्टियों में एक भाजपा ही ऐसी पार्टी है जिसका चुनाव जीतने का आधार कार्यकर्ता होता है। बूथ और मंडल स्तर के कार्यकर्ताओं के बल पर ही हमलोग चुनाव जीतते हैं। हमारे यहां नेता थोपे नहीं जाते हैं, वह नीचे लेवल तक आते हैं। गृह मंत्री ने कहा कि आने वाले चुनाव में फिर से दो तिहाई बहुमत के साथ नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनाना ही हमारा लक्ष्य है। उन्होंने पीएम मोदी की खूब तारीफ की। कहा कि 24 साल में एक भी दिन ऐसा नहीं है जब पीएम मोदी ने छुट्टी ली हो। वह 24 घंटे देश सेवा में लगे रहे हैं। राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि कुछ नेता ऐसे हैं जो गर्मी पड़ने पर विदेश चले जाते हैं।

शाह ने कहा कि बिहार में भाजपा जितनी मजबूत होगी, उतना ही एनडीए मजबूत होगा। एनडीए जितना मजबूत होगा, बिहार उतना ही सुरक्षित होगा। बिहार जितना मजबूत होगा, उतना ही भारत भी मजबूत भी होगा। कुछ दिन पहले राहुल बाबा यहां आए थे।

एक यात्रा निकाली थी। उन्होंने घुसपैठियों को बचाने के लिए यात्रा निकाली थी। आप बताइए क्या घुसपैठियों का हमारे वोटर लिस्ट में नाम होना चाहिए क्या? घुसपैठियों को सरकारी योजना का लाभ मिलना चाहिए। राहुल गांधी बिहार के युवाओं और गरीबों की चिंता नहीं करते हैं। बांग्लादेश से आए घुसपैठियों की चिंता करते हैं। आप बताओं किसी का वोट कटा है क्या?

डेढ़ घंटे चलने वाले इस विशेष कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम में गृह मंत्री आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर कार्यकर्ताओं से फीडबैक लिया और बूथ स्तर तक की रणनीति पर चर्चा की। शाह ने जीत का मंत्र देने के साथ–साथ संगठन को और मजबूत करने का संदेश भी दिया।

कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। फारबिसगंज से अररिया, कटिहार, पूर्णिया, किशनगंज समेत सीमांचल के नौ जिलों के कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित की गई है। पार्टी के प्रदेश नेतृत्व का मानना है कि यह संवाद आगामी चुनावी तैयारियों की दिशा तय करेगा। उधर, स्थानीय कार्यकर्ताओं में भी शाह के आगमन को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है।

भागलपुर के तिलकामांझी विश्वविद्यालय में बवाल

एसडीएम–डीएसपी ने संभाला मोर्चा, पांच छात्र हिरासत में

भागलपुर (एजेंसियां)। भागलपुर के तिलकामांझी विश्वविद्यालय परिसर में छात्र राजनीति को लेकर बुधवार को एबीवीपी और छात्र राजद के कार्यकर्ताओं के बीच जमकर मारपीट हुई। इस हिंसक झड़प में एक छात्र गंभीर रूप से जख्मी हुआ, जो फिलहाल मायागंज अस्पताल में इलाजरत है। बताया जाता है कि एबीवीपी और छात्र राजद के बीच विवाद पिछले दो दिनों से चल रहा था और बुधवार को मामला बढ़कर हिंसक झड़प में तब्दील हो गया।

घटना के बाद भागलपुर के सदर अनुमंडल पदाधिकारी विकास कुमार और सिटी डीएसपी–1 अजय कुमार चौधरी शुक्रवार को विश्वविद्यालय परिसर पहुंचे। दोनों अधिकारियों ने विश्वविद्यालय और कॉलेज प्रशासन से बातचीत कर पूरी घटना की जानकारी ली। इधर, पुलिस ने मारपीट के मामले में पांच लोगों को हिरासत में लिया है, जिनमें अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के दो और छात्र राजद की तरफ से तीन कार्यकर्ता शामिल हैं।

एसडीएम और सिटी डीएसपी ने कॉलेज कैंपस में लगे सीसीटीवी फुटेज का अवलोकन किया। एसडीएम विकास कुमार ने बताया कि फुटेज के आधार पर घटना में संलिप्त अन्य लोगों की पहचान की जा रही है। फिलहाल शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए परिसर में पुलिस बल तैनात किया गया है और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल भी मौजूद रहेगा। उन्होंने बताया कि अभी हालात सामान्य हैं।

एसडीएम विकास कुमार ने विश्वविद्यालय हॉस्टल में रह रहे छात्र–छात्राओं से मुलाकात की और अपील की कि वे यहां पढ़ाई करने आए हैं, इसलिए मन लगाकर केवल पढ़ाई करें और मारपीट या हिंसक गतिविधियों से दूर रहें। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर कोई छात्र हिंसक गतिविधियों में शामिल होगा तो उस पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने छात्रों को वर्चस्व की लड़ाई से दूर रहने की भी हिदायत दी। उन्होंने बताया कि पुलिस दोनों छात्र संगठनों के कार्यकर्ताओं द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी के आधार पर आगे की कार्रवाई कर रही है।

गौरतलब है कि गुरुवार को करीब तीन घंटे तक विश्वविद्यालय का प्रशासनिक भवन रणक्षेत्र बना रहा। इस दौरान हुई झड़प में एक छात्र बुरी तरह जख्मी हुआ था, जिसे सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इस मामले को लेकर दोनों पक्षों ने एक–दूसरे पर मारपीट का आरोप लगाते हुए विश्वविद्यालय थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

यह विवाद कथित तौर पर डिग्री और प्रोविजनल सर्टिफिकेट में अवैध वसूली और परिसर में वर्चस्व कायम करने को लेकर शुरू हुआ था। बुधवार को टीएमबीयू के परीक्षा नियंत्रक का कक्ष रणक्षेत्र बन गया था। इस दौरान छात्र राजद के नेताओं ने अभाविप के छात्र नेताओं को गाली–गलौज करते हुए उनके साथ हाथापाई और मारपीट की। इससे जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल भी हुआ था।

पति को छोड़ देवर से कर ली शादी

नाराज दामाद ने ससुराल आकर चाकू से वार कर सास को मार डाला

भागलपुर (एजेंसियां)। बिहार के भागलपुर जिले के मधुसूदनपुर थाना क्षेत्र के बेलखोरिया में देर रात एक दर्दनाक घटना हुई। यहां एक दामाद ने अपनी सास बीबी कौशर (55) की धारदार चाकू से हत्या कर दी। मृतक महिला शाहकुंड के गौरा गांव निवासी मो. शेख इकबाल की पत्नी थीं। घटना का जानकारी सुबह होने पर पता चली तो हड़कंप मच गया। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। मृतक महिला की बेटी शबनम के अनुसार, रात सभी घर में खाना खाकर सोने चले गए थे। उनकी मां घर के बाहर बरामदे पर सो रही थीं। रात लगभग डेढ़ बजे, उनका पहला पति मो. आफताब आया और चाकू से उनकी मां के पेट पर तीन वार किए। चोट लगने के बाद महिला बेहोश हो गई और खून बहने लगा। परिजन उसे रात ढाई बजे मायागंज अस्पताल ले गए, लेकिन अस्पताल पहुंचते ही महिला की मौत हो गई।

शबनम ने बताया कि उनकी मां की शादी 5 साल पहले मुंगेर के असरगंज विशनपुर निवासी मो. आफताब से हुई थी। पति नशे में धुत रहता था और दहेज के लिए मारपीट करता था। कई पंचायत के बावजूद सुधार नहीं हुआ। एक बेटे के जन्म के बाद खर्चा देने से इनकार करने पर वो मायके में रहने लगी। बताया जाता है कि इसके बाद शबनम की मां ने आफताब से तलाक ले लिया और उनके छोटे भाई मो. इम्तियाज से 6 माह पहले दूसरी शादी कर ली। तलाक और दूसरी शादी के बाद मो. आफताब नाराज था। उसने सास को जान से मारने की धमकी भी दी थी। मधुसूदनपुर थाना की पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आरोपी दामाद की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। घटना ने इलाके में सनसनी फैला दी है।

बिहार के मुंगेर में कब्रिस्तान की घेराबंदी पर बवाल

गोलीबारी और पथराव से तनाव, दो घायल

मुंगेर (एजेंसियां)। बिहार के मुंगेर जिले में कब्रिस्तान की घेराबंदी के दौरान भारी बवाल हो गया। इस विवाद में गोलीबारी और पथराव की घटनाएं सामने आई हैं। घटना में एक युवक घायल हो गया है, जिसे गोली लगने की पुष्टि हुई है। घायल युवक का फिलहाल अस्पताल में इलाज चल रहा है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि गोली चलाने वाला शख्स जमाल मलिक है। हालांकि पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

मामला मुंगेर जिले के साफ़ियासराय थाना क्षेत्र के फरदा गांव का है। यहां कब्रिस्तान की दीवार की घेराबंदी के लिए दीवार लगाई गई थी। इसके बाद जमीन को लेकर यादव के गुट ने घेराबंदी करनी शुरू कर दी। इसे लेकर दूसरे गुट के समुदाय के लोगों ने विरोध किया। इसी बात को लेकर बवाल हो गया। दोनों ओर से ईट–पत्थर चलने लगे। फिर दोनों तरफ से गोलीबारी होने लगी। गोलीबारी और पत्थरबाजी में दो लोग घायल हो गए। एक व्यक्ति का पैर टूट गया तो दूसरे के हाथ में गोली लगी है। इस घटना को लेकर कई थाने की पुलिस मौका–ए–वारदात पर पहुंच गई है। पुलिस ने मौके से 20 लोगों को हिरासत में लिया है। फिलहाल मामला शांत है, लेकिन तनाव की स्थित को देखते हुए कई थानों की पुलिस फरदा गांव में कैम्प कर रही है। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल है। पुलिस ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और शांति बनाए रखने की अपील की

बिहार के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल में ऑपरेशन के दौरान हादसा

ओटी की छत का प्लास्टर गिरा, डॉक्टर घायल

पटना (एजेंसियां)। बिहार के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल (पीएमसीएच) में शुक्रवार को बड़ा हादसा हो गया। ऑपरेशन थिएटर (ओटी) फाइव में चल रहे सर्जरी के दौरान छत का प्लास्टर अचानक गिर पड़ा। प्लास्टर गिरते ही पूरे ऑपरेशन थिएटर में धूल का गुबार फैल गया, जिससे मरीज की सुरक्षा खतरे में पड़ गई। इससे ऑपरेशन कर रहे डॉक्टर के पैर में गंभीर चोट आई, जबकि नर्सिंग स्टाफ बाल–बाल बच गया।

ऑपरेशन कर रहे डॉक्टर ने इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफफॉर्म एक्स पर अपलोड कर दिया। उन्होंने लिखा कि सर्जरी के दौरान उनके ठीक पीछे की फॉल सीलिंग गिर गई। इसमें उनके पैर में चोट आई और नर्स बाल–बाल बची। पोस्ट में स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय को टैग कर यह सवाल उठाया गया कि क्या ऐसे माहौल में डॉक्टर और मरीज सुरक्षित रह सकते हैं।

सर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. इकबाल ने भी घटना की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि फॉल सीलिंग गिरने से ऑपरेशन प्रभावित हुआ, लेकिन किसी को गंभीर चोट नहीं आई। हालांकि, उन्होंने स्वीकार किया कि यदि समय रहते मरम्मत नहीं की गई तो बड़ा हादसा हो सकता है।

गौरतलब है कि पीएमसीएच में फिलहाल पुनर्विकास परियोजना के तहत नए भवनों का निर्माण हो रहा है। लेकिन पुराने भवनों की जर्जर हालत मरीज और डॉक्टर दोनों की सुरक्षा के लिए खतरा बन चुकी है। चिकित्सकों ने चेतावनी दी है कि यदि रखरखाव पर ध्यान नहीं दिया गया, तो भविष्य में बड़े हादसे की आशंका बनी रहेगी।

सात साल से फरार गैंगस्टर मनीष कुशवाहा को बिहार एसटीएफ ने किया गिरफ्तार

तीन लाख का था इनाम

गोपालगंज (एजेंसियां)। गोपालगंज जिले के विशंभरपुर थाना क्षेत्र के निरंजना गांव निवासी गैंगस्टर मनीष कुशवाहा को बिहार एसटीएफ ने गोपालगंज पुलिस की मदद से सिवान से गिरफ्तार कर लिया है। मनीष कुशवाहा पर हत्या, लूट, बमबाजी, पुलिस मुठभेड़ समेत 28 आपराधिक मामले दर्ज हैं। बिहार पुलिस और एसटीएफ पिछले सात वर्षों से मनीष कुशवाहा की तलाश कर रही थी। उसके खिलाफ तीन लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया था। एसपी अवधेश दीक्षित ने गैंगस्टर की गिरफ्तारी की पुष्टि की और बताया कि उससे पूछताछ

जारी है तथा उसके अपराधिक मामलों की जांच भी की जा रही है। मनीष की गिरफ्तारी की खबर मिलने के बाद व्यवसायियों और गोपालगंज पुलिस ने राहत की सांस ली। इस कार्रवाई को बिहार विधानसभा चुनाव से पहले पुलिस की बड़ी सफलता माना जा रहा है।

गैंगस्टर मनीष कुशवाहा पर हत्या, लूट, रंगदारी, बमबारी, पुलिस पर हमला और पुलिस से मुठभेड़ समेत 28 से अधिक आपराधिक मामलों में वांछित था। पिछले सात वर्षों से वह पुलिस की नजरों से फरार था। तत्कालीन एसपी स्वर्ण प्रभात ने 19 मई को टॉप–100 अपराधियों की सूची में उसे शामिल किया और उसके घर की कुर्की कर बुलडोजर से आवासीय मकान ध्वस्त कर दिया था।

मनीष कुशवाहा दियारा इलाके में आतंक का प्रतीक था। उसके पास लूट और स्मगलिंग के कई अत्याधुनिक हथियार भी थे। 1 मार्च 2020 को उसने विशंभरपुर थाना क्षेत्र के खेम मटिहनिया के गुमनिया मोड़ पर निरंजना गांव के मछली व्यवसायी किसान बिंद को कार्बाइन से गोली मारकर हत्या की थी। घटना के बाद मनीष पुलिस से मुठभेड़ कर फरार हो गया था।

पटना में राजद का अतिपिछड़ा संवाद, तेजस्वी बोले–

हम युवा पीढ़ी को अगले मुकाम तक लेकर जायेंगे

पटना (एजेंसियां)। पटना के वेटनरी कॉलेज ग्राउंड में अतिपिछड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। अब तक सीएम नीतीश कुमार का वोट बैंक माने जाने वाले अतिपिछड़ा वर्ग इंडिया गठबंधन का फुल फोकस है। इसके लिए गठबंधन हर संभव कोशिश कर रहा है।

आज राजद अतिपिछड़ा संवाद कर रहा है। वेटनरी कॉलेज ग्राउंड में भीड़ उमड़ी है। तेजस्वी यादव ने कार्यक्रम में शामिल होने से पहले कहा कि हम सबों के लिए हमारे पूर्वजों ने सामाजिक न्याय

की बड़ी लड़ाई लड़ी है, अब आर्थिक न्याय के ज़रिए इस लड़ाई को हम युवा पीढ़ी के लोग अगले मुकाम तक लेकर जायेंगे। आज कर्पूरी अतिपिछड़ा अधिकार संवाद में मिलते है।

24 सितंबर को इंडिया गठबंधन ने अतिपिछड़ा न्याय संकल्प का आयोजन किया था। इसमें अतिपिछड़ा वर्ग को नगर निकाय चुनाव में आरक्षण की सीमा बढ़ाकर 20 से 30 फीसदी करने की घोषणा की थी। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा था कि वह चुनाव जीतने के बाद अतिपिछड़ा अत्याचार निवारण नियम पारित करेंगे। पंचायती राज और नगर निकाय में ईबीसी आरक्षण को बढ़ाकर 30 फीसदी कर देंगे।

संविधान की धारा 5 के अंतर्गत संविधान के सभी शिक्षण संस्थानों में आरक्षण की व्यवस्था की जाएगी। एससी एसटी एक्ट की तरह ईबीसी एक्ट लाएंगे। एलान यह भी किया गया है कि अतिपिछड़ा जाति–जनजाति के भूमिहीनों को जमीन उपलब्ध कराई जाएगी।

ग्रामीणों के चंगुल से अपराधी को छुड़ाने गई पुलिस टीम पर हमला, थानाध्यक्ष समेत तीन घायल

मधुबनी (एजेंसियां)। लदनियां थाना क्षेत्र के एनएच 227 स्थित तेनुआही चौक के पास शुक्रवार की देर शाम एक अपराधी को असामाजिक तत्वों के चुंगल से छुराने गई पुलिस पर उपद्रवियों ने हमला कर दिया। इस घटना में थानाध्यक्ष समेत तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए।

घायलों में थानाध्यक्ष अनूप कुमार, 112 पुलिस पदाधिकारी यशवंत कुमार व एसआइ बीएन प्रसाद शामिल हैं। सभी पुलिसकर्मी का इलाज लदनियां सीएचसी में किया गया। चिकित्सक डा. सीपी शर्मा ने बताया कि एसआइ यशवंत कुमार सिंह को प्राथमिक उपचार के बाद रेफर कर दिया गया।

थानाध्यक्ष अनूप कुमार ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि तीन बाइक सवार हथियार से लैस अपराधी किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के लिए थाना क्षेत्र के पथलगाढ़ा की ओर जा रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस गश्ती दल द्वारा पीछा किया गया।

एक बाइक सवार अपराधी एनएच 227 के रास्ते तेनुआही की ओर भागने लगा। जबकि दो बाइक सवार तीन थाना क्षेत्र के जानकी नगर की ओर भाग गया। पुलिस टीम ने तेनुआही की ओर जा रहे अपराधी का पीछा करने पर उसने पुलिस पर फायरिंग की। जिससे पुलिसकर्मी बाल–बाल बच गया। इसी बीच एक बाइक सवार अपराधी ने तेनुआही चौक पर चेक पोस्ट के लिए रखे ड्रम में ठोकर मार दी। जिससे वह हादसे का शिकार हो गया और पुलिस ने उसे हिरासत में लिया। इसी बीच आसपास के कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा पुलिस गिरफ्त में अपराधी के साथ मारपीट की जाने लगी। तब तक लदनियां थानाध्यक्ष अनूप कुमार दल–बल के साथ घटनास्थल पर पहुंच गए। लोगों को समझाने के बावजूद लोग नहीं माने। भीड़ में मौजूद उपद्रवियों ने पुलिस पर लाठी चला कर पथराव करने के बाद दो राउंड फायरिंग किया। जिससे थानाध्यक्ष समेत तीन पुलिस कर्मी घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही जयनगर एसडीपीओ राघव दयाल, जयनगर, देवधा व बासोपट्टी थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंच कर स्थित को कंट्रोल में किया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को–ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल–मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए–23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य–500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040–29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com